राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 पहली बार एक ही देश के दो खिलाड़ी ने जीता यह ...

राहुल गांधी के हिंदुओं पर दिए बयान पर नाराज संत समाज, दिल्ली में ... 12

वर्ष : 15 | अंक : 89 | नई दिल्ली, बुधवार, 10 जुलाई, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 31°C

न्यूनतम तापमान 25.0°C

हां 30%
नहीं 50%
कह नहीं सकते 10%

बाजार

सोना 59,340

चांदी 55,350

सेंसेक्स 63,327

निफ्टी 18,816

संक्षिप्त खबरें

न्यायालय ने हाथरस भगदड़ की जांच का अनुरोध करने वाली याचिका सुनवाई के लिए सूचीबद्ध की

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि हाथरस के भगदड़ मामले की जांच का अनुरोध करने वाली एक जनहित याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। इस हादसे में 121 लोगों की मौत हो गयी है। भारत के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा, मैंने कल ही याचिका को सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है। याचिकाकर्ता और वकील विशाल तिवारी ने इस याचिका पर तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया था।जनहित याचिका में भगदड़ मामले की जांच करने के लिए उच्चतम न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति की नियुक्ति का अनुरोध किया गया है।इसमें उत्तर प्रदेश सरकार को दो जुलाई को हुई इस घटना पर एक स्थिति रिपोर्ट सौंपने और प्राधिकारियों, अधिकारियों तथा अन्य के खिलाफ उनकी लापरवाही के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू करने का निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया है।हाथरस में एक धार्मिक सभा के दौरान दो जुलाई को मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गयी।हाथरस के फुलराई गांव में बाबा नारायण हरि उर्फ साकार विश्वहरि भोले बाबा के सत्संग के लिए 2.5 लाख से अधिक लोग जुटे थे।

हाथरस भगदड़ मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी ने अपनी जांच रिपोर्ट सौंपी

लखनऊ।हाथरस भगदड़ मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने उत्तर प्रदेश सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है।एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।सूचना निदेशक शिशिर ने कहा, ह्लएसआईटी ने राज्य सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है।ह्व हालांकि, उन्होंने रिपोर्ट के बारे में विस्तार से नहीं बताया।घटना के पीछे की वजहों की जांच के लिए गठित एसआईटी में आगरा जोन की अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) अनुपम कुलश्रेष्ठ और अलीगढ़ मंडल आयुक्त शामिल थे।इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश बृजेश कुमार श्रीवास्तव, सेवानिवृत्त आईपीएस हेमंत राव और सेवानिवृत्त आईपीएस भवेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में एक अलग न्यायिक आयोग भी हाथरस भगदड़ मामले की जांच कर रहा है।

रूस की राजधानी मास्को में भारतवंशियों के बीच बोलें प्रधानमंत्री

दुनिया के लोग कहते हैं भारत बदल रहा है : मोदी

बोलें- पिछले 10 वर्षों में भारत ने पकड़ी है विकास की रफ्तार

प्रातः किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूस की राजधानी मास्को में भारतवंशियों के बीच कहा है कि पिछले 10 वर्षों में भारत ने विकास की रफ्तार पकड़ी है। इसे देखकर दुनिया भी कहने लगी है कि भारत बदल रहा है। तीसरे कार्यकाल में विकास की इस गति को तीन गुना बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने मास्को में भारतीय समुदाय को संबोधित किया है।

उन्होंने कहा, भारत को हवाई अड्डों की संख्या दोगुनी करने में केवल एक दशक लगा। भारत को 40 हजार किलोमीटर से अधिक रेलवे लाइनों का विद्युतीकरण करने में केवल एक दशक लगा। इससे दुनिया को हमारे देश की क्षमता का एहसास होता है। इससे दुनिया को विश्वास होता है कि 'भारत बदल रहा है' । प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को मास्को में भारतीय समुदाय की ओर से आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। तीसरी बार प्रधानमंत्री चुने जाने के बाद रूस की अपनी पहली द्विपक्षीय यात्रा में प्रधानमंत्री ने भारतीय समुदाय के सामने अपनी सरकार की प्राथमिकता और प्रतिबद्धता बताई। राष्ट्रपति पुतिन के साथ अपनी दोस्ती का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 सालों में वह छह बार रूस आए हैं और 17 बार राष्ट्रपति पुतिन से मिले हैं। उन्होंने कहा, रूस शब्द सुनते ही... हर भारतीय के मन में पहला शब्द आता है... भारत के सुख-दुख का साथी, भारत का भरोसेमंद दोस्त। रूस में सर्दी के मौसम में तापमान कितना ही माइनस में नीचे क्यों न चला जाए। भारत-रूस की दोस्ती हमेशा प्लस में रही है। गर्मजोशी भरी रही है। ये रिश्ता आपसे विश्वास और सम्मान की मजबूत नींव पर बना है।ह्व उन्हें खुशी है कि वैश्विक समृद्धि को नई ऊर्जा देने के लिए भारत और रूस कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार को चुने हुए एक महीना हो चुका है। इस बार वह तीन गुना क्षमता और गति के साथ काम करेंगे। यह इत्तेफाक है कि उनकी सरकार के कई लक्ष्य तीन से जुड़े हुए हैं। उनकी सरकार का लक्ष्य भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना है। अपने तीसरे कार्यकाल में वह गरीबों के लिए तीन करोड़ मकान बनवाएंगे। ग्रामीण क्षेत्र में स्वयं सहायता समूह के माध्यम से कार्य करने वाली तीन करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इको सिस्टम है। भारत चंद्रयान मिशन चंद्रमा के उसे क्षेत्र में सफल रहा है जहां तक कोई अन्य देश नहीं पहुंचा था। भारत आज जो लक्ष्य साध रहा है उन्हें पूरा भी कर रहा है। भारत के युवाओं की मानसिकता को विश्व कप टी20 विजेता टीम के जज्बे से जोड़ते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि अब हम आखरी बॉल तक हार नहीं मानते।

सीएम ने सीढ़ी घाट में पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख-शांति की कामना की

मुख्यमंत्री ने बख्तियारपुर के विभिन्न जगहों पर निर्माणाधीन योजनाओं का किया निरीक्षण

तेजी से कार्य पूर्ण करने का दिया निर्देश

प्रातः किरण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को बख्तियारपुर के विभिन्न योजनाओं का निरीक्षण किया और तेजी से कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने बख्तियारपुर प्रखंड के घनसुरपुर स्थित गंगा चैनल के प्रस्तावित लिंक का निरीक्षण किया। घनसुरपुर से सीढ़ी घाट होते हुए रामनगर तक गंगा नदी की धारा को घाट से लिंक करने की कार्य योजना के संबंध में जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव चैतन्य प्रसाद ने मुख्यमंत्री को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घनसुरपुर में पुराने चैनल को मुख्य धारा से जोड़ा जाएगा। घनसुरपुर से सीढ़ी घाट होते हुए रामनगर तक कराए जानेवाले जीर्णोद्धार तथा सुरक्षात्मक कार्यों, वृक्षारोपण, पार्क निर्माण आदि के संबंध में भी उन्होंने मुख्यमंत्री को जानकारी दी।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने बख्तियारपुर सीढ़ी घाट के पास निमार्णाधीन गंगा घाट एवं पाथ-वे का निरीक्षण किया। जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव चैतन्य प्रसाद ने मुख्यमंत्री को सीढ़ी घाट के समीप पक्का सुरक्षात्मक कार्य, घाट निर्माण एवं पाथ-वे निर्माण के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा यहां बचपन बीता है। मैं इसी घाट पर स्नान करता था। इस घाट पर लोग धार्मिक कार्य करते रहे हैं। इसका सौंदर्यीकरण और निर्माण कार्य बेहतर ढंग से करें ताकि यहां आनेवाले लोगों को सुविधा हो। मुख्यमंत्री ने श्री राधा कृष्ण मंदिर, ठाकुरबाड़ी, सीढ़ी घाट में पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख-शांति की कामना की। मुख्यमंत्री ने पंडित शीलभद्र याजी मेमोरियल ट्रस्ट स्थित पंडित शीलभद्र याजी जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी।

इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने बख्तियारपुर स्थित गणेश हाईस्कूल विद्यालय भवन के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्माण कार्य तेजी से और बेहतर ढंग से पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि चहारदीवारी को और ऊँचा करें तथा जो जमीन नीचे है, उसमें मिट्टी भराकर उसे समतल करें ताकि जलजमाव नहीं हो। पौधारोपण भी करायें ताकि परिसर अच्छा दिखे और पर्यावरण के लिये भी यह अनुकूल रहेगा। मुख्यमंत्री ने बख्तियारपुर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का भी निरीक्षण किया और बटन दबाकर ट्रीटमेंट प्लांट की शुरूआत की।

बख्तियारपुर नगर निकाय के अंतर्गत आनेवाले 8 नालों के पानी का इस सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट में शोधन होगा। बख्तियारपुर इंजीनियरिंग कॉलेज से निकलनेवाले सीवरेज के पानी का भी इस प्लांट में शोधन होगा। इससे बख्तियारपुर नगर निकाय के सभी 27 वार्डों के नागरिक लाभान्वित होंगे। शोधित पानी को बगल में निर्मित पोखर में गिराया जायेगा, इससे जल संरक्षण भी होगा। यहां पौधारोपण भी करायें जिससे यह क्षेत्र हरा-भरा दिखेगा। मुख्यमंत्री ने बख्तियारपुर इंजीनियरिंग कॉलेज के पास निमार्णाधीन रेलवे ओवर ब्रिज का निरीक्षण कर निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस योजना के पूर्ण होने से बख्तियारपुर इंजीनियरिंग कॉलेज का 4 लेन सड़क से सीधा संपर्क स्थापित होगा और बख्तियारपुर इंजीनियरिंग कॉलेज तक आना-जाना आसान हो जाएगा। निरीक्षण के दौरान जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, सांसद संजय कुमार झा, जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव चैतन्य प्रसाद, नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव आनंद किशोर, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, पटना प्रमंडल के आयुक्त कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्यपदाधिकारी गोपाल सिंह, पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह, पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक राजीव मिश्रा सहित अन्य वरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

गौतम गंभीर बने भारत के नए हेड कोच, राहुल द्रविड़ की ली जगह; जय शाह ने किया एलान

प्रातः किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर को भारतीय टीम का हेड कोच नियुक्त किया गया है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने सोशल मीडिया पर इस बात की जानकारी दी। गंभीर अब राहुल द्रविड़ की जगह लेंगे। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद राहुल द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त हो गया था। ऐसे में बोर्ड को नए कोच की तलाश थी। इस पद के लिए पहले ही इंटरव्यू हो चुके थे।

जय शाह ने किया एलान : जय शाह ने एक्स पर लिखा, "मुझे गौतम गंभीर को भारतीय क्रिकेट टीम के नए हेड कोच के रूप में स्वागत करने हुए बेहद खुशी हो रही है। आधुनिक क्रिकेट तेजी से विकसित हुआ है और गौतम ने इस बदलते समय को करीब से देखा है। अपने पूरे करियर में कठिनाइयों का सामना करने और विभिन्न भूमिकाओं में शानदार प्रदर्शन करने के बाद, मुझे विश्वास है कि गौतम भारतीय क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए एक सही व्यक्ति हैं। टीम इंडिया के लिए उनका स्पष्ट दृष्टिकोण, उनके ढेर सारे अनुभव के साथ मिलकर, उन्हें इस रोमांचक और सबसे ज्यादा डिमांडिंग इस कोचिंग रोल को निभाने के लिए पूरी तरह से सक्षम बनाता है। बीसीसीआई इस नई यात्रा पर उनका पूरा समर्थन करता है।

वर्ल्ड कप जीतने में अहम योगदान : भारत ने टी20 वर्ल्ड कप 2007 और वनडे वर्ल्ड कप 2011 का खिताब अपने नाम किया था। गंभीर इस विजेता भारतीय टीम का हिस्सा थे। उन्होंने दोनों ही टूर्नामेंट के फाइनल में अहम पारी खेली थी। टी20 वर्ल्ड कप 2007 के फाइनल में उन्होंने 54 गेंदों पर 75 रन जड़ दिए थे।

पटना में 5 जगहों पर फुटओवर ब्रिज का होगा निर्माण

परिवहन मंत्री शीला कुमारी ने दी प्रशासनिक स्वीकृति, पैदल यात्रियों और सड़क पार करनेवालों को मिलेगी सुविधा

प्रातः किरण

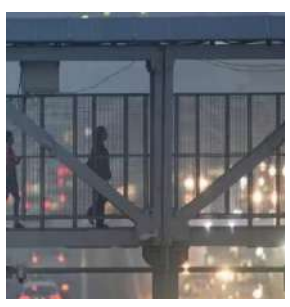

पटना। पटना में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और पैदल यात्रियों की सुविधा-सुरक्षा के उद्देश्य से नेहरु मार्ग, पुनाईचक सहित राजधानी के पांच जगहों पर फुटओवर ब्रिज का निर्माण किया जायेगा। इसके लिए टेंडर (एनआईटी) जारी कर दिया गया है। 30 जुलाई को टेक्निकल बिड खुलेगा और 12 अगस्त को फिनांशियल बिड खुलेगा। परिवहन विभाग मंत्री शीला कुमारी की अध्यक्षता में हुई बिहार सड़क सुरक्षा परिषद् की बैठक से फुट ओवर ब्रिज/अंडर पास निर्माण के लिए बजट अनुमोदित किया गया है।

परिवहन सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि परिवहन विभाग द्वारा पथ निर्माण विभाग के माध्यम से फुटओवर ब्रिज का निर्माण कार्य कराया जायेगा। राशि का आवंटन बिहार सड़क सुरक्षा परिषद् द्वारा किया जा रहा है। निर्माण कार्य का वर्क आर्डर होने के बाद चार महीने में फुटओवर ब्रिज का निर्माण कार्य पूर्ण किया जायेगा। राजधानी में 5 जगहों पर फुटओवर ब्रिज निर्माण के प्रस्ताव पर प्रशासनिक स्वीकृति माननीय मंत्री, परिवहन विभाग एवं तकनीकी अनुमोदन पथ निर्माण विभाग से प्राप्त हो चुका है।

लिफ्टयुक्त होंगे फुटओवर ब्रिज, एस्क्लेटर की भी मिलेगी सुविधा: पैदल यात्री सुरक्षित तरीके से सड़क पार कर सकें एवं उन्हें अधिक से अधिक सुविधा मिल सके। इसके लिए सभी फुटओवर ब्रिज लिफ्टयुक्त होंगे। इसके साथ ही तीन जगहों- पटना जू, पुनाईचक मोड़ एवं संत कैरेंस स्कूल, सगुना मोड़ के समीप प्रस्तावित फुटओवर ब्रिज में एस्क्लेटर की भी सुविधा मिलेगी।

विश्वेश्वरैया भवन आने-जाने वाले को भी मिलेगी सुविधा : नेहरु मार्ग (बेली रोड) में पैदल यात्रियों को सड़क पार करने की सुविधा नहीं होने की वजह से यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सड़क पार करने में आये दिन लोग सड़क दुर्घटना के षिकार होते हैं। पुनाईचक के पास फुटओवर ब्रिज का निर्माण हो जाने से विश्वेश्रैया भवन आने-जाने वाले एवं इसके आस-पास के लोगों सड़क पार करने में काफी सहूलियत हो जायेगी।

इन 5 जगहों पर फुट ओवर ब्रिज का होगा निर्माण : पुनाईचक मोड़, चिड़ियाघर गेट नंबर-1 के समीप, तारामंडल के समीप, भूतनाथ मोड़ और सगुना मोड, संत कैरेंस स्कूल के समीप फूट ओवरब्रिज का निर्माण कटाया जायेगा।

इन फुटओवर ब्रिज में लिफ्ट के साथ एस्क्लेटर की भी मिलेगी सुविधा : पटना जू, पुनाईचक मोड़ और संत कैरेंस स्कूल, सगुना मोड़ के समीप लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध कराया जायेगा।

बेगूसराय जिले के एफसीआई थाना क्षेत्र की घटना

कार और ऑटो रिक्शा की टक्कर में पांच लोगों की मौत

प्रातः किरण

बेगूसराय। बिहार में बेगूसराय जिले के एफसीआई थाना क्षेत्र में मंगलवार की सुबह कार और ऑटो रिक्शा के बीच हुयी टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गयी तथा तीन अन्य घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि ऑटो रिक्शा पर सवार लोग हाथीदह से जीरोमाइल की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रतन चौक पर तेज रफ्तार कार ने ऑटो रिक्शा में टक्कर मार दी। इस घटना में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी, जबकि तीन अन्य घायल हो गये। घायलों का इलाज निजी नर्सिंग होम में चल रहा है। सूत्रों ने बताया मृतकों की पहचान नहीं की जा सकी है।शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।पुलिस के अनुसार, मरने वाले में से एक पहचान छोराही थाना क्षेत्र के राजोपुरबेंगा निवासी रमाकांत दास का 25 वर्षीय पुत्र रजनीश कुमार उर्फ गौतम के रुप में हुई है। मृतक मजदूर है, जो टाइल पत्थर का काम करता है। वहीं दूसरे एक शाम्हो के रहने वाले सिंटू कुमार यादव थे। वह दिल्ली से लौटकर बेगूसराय से खगड़िया शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहे थे। तीसरे युवक की पहचान नालंदा जिले के पुवारी (गोनामा) निवासी सुनील कुमार का 28 वर्षीय पुत्र विक्की कुमार के रूप में हुई है। सुनील कुमार दिल्ली एम्स में कैंसर डिपार्टमेंट में टेक्नीशियन के रूप में कार्य थे और वह दिल्ली से बेगूसराय अपने ससुराल आ रहा था। चौथे युवक की पहचान गढ़पुरा थाना क्षेत्र के कुंवर टोल वार्ड 15 निवासी रामदास का 24 वर्षीय पुत्र नीतीश कुमार के रूप में हुई है। वह पटना से घर लौट रहा था। वह पॉलिटेक्निक का छात्र था। वहीं पांचवे की पहचान बखरी थाना क्षेत्र के मौजी हरी सिंह गांव निवासी वीरेंद्र तांती का 22 वर्षीय पुत्र अमनदीप कुमार के रूप में हुई। वह प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करता था। मिली जानकारी के अनुसार, ऑटो सवार सभी लोग हाथीदह स्टेशन पर ट्रेन से उतरने के बाद बेगूसराय की ओर आ रहे थे। ओवरटेक करने के दौरान ऑटो और कार भीषण टक्कर हो गया। इसमें ऑटो पर सवार पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं कार का ड्राइवर एवं ऑटो सवार दो अन्य व्यक्ति भी गंभीर रूप से घायल हैं। इन्हें इलाज के लिए विभिन्न जगह भर्ती कराया गया है। स्थानीय लोगों एवं पुलिस ने बताया कि आज सुबह रतन चौक के समीप जोरदार आवाज हुई और जब लोग वहां पहुंचे तो कार एवं ऑटो के आमने-सामने टक्कर हो चुकी थी तथा दोनों ही गाड़ियां बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। तत्पश्चात पुलिस को इसकी सूचना दी गई और पुलिस तथा स्थानीय लोगों के द्वारा सभी मृतक के शव को बाहर निकला गया तथा घायलों को इलाज के लिए भेजा गया है।

हादसे में हुयी मौत पर सीएम ने जताया शोक

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बेगूसराय जिले के एफसीआई थाना क्षेत्र के रतन चौक पर सड़क हादसे में 05 लोगों की हुयी मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि यह घटना अत्यंत दुखद है। मुख्यमंत्री ने मृतक के परिजनों को दुःख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

अभियान जमीनी खोज दल हेलीकॉप्टर और यूएवी निगरानी के साथ चलाया जा रहा तलाश अभियान

कठुआ हमला : आतंकवादियों को पकड़ने के लिए संयुक्त तलाश अभियान शुरू

प्रातः किरण

जम्मू/एजेंसी। जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले में सेना के एक गश्ती दल पर घात लगाकर हमला करने वाले आतंकवादियों को पकड़ने के लिए मंगलवार को एक व्यापक संयुक्त तलाश अभियान शुरू किया गया। इस हमले में पांच जवान शहीद हो गए थे।

अधिकारियों ने बताया कि जमीनी खोज दल हेलीकॉप्टर और यूएवी निगरानी के साथ तलाश अभियान चला रहे हैं। इसमें खोजी कुत्तों और ह्यमेटल डिटेक्टरह्व की मदद भी ली जा रही है। इस क्षेत्र में घने जंगलों में तलाश अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सेना, पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने माचेडी, बदनोत, किंडली और लोहई मल्हार इलाकों में घेराबंदी की और तलाश अभियान शुरू किया। कठुआ जिले के माचेडी इलाके में सोमवार को सेना के एक ट्रक पर घात लगाकर किये गए आतंकवादियों के हमले में जूनियर कमीशन अधिकारी (जेसीओ) समेत पांच जवान शहीद हो गए और पांच अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, ऐसा माना जा रहा है कि तीन से चार आतंकवादियों ने हमले को अंजाम दिया जिनमें ज्यादातर विदेशी थे। वे उसी समूह का हिस्सा हैं जो बसनगढ़ हमले में शामिल थे। बसनगढ़ के पनारा गांव में 28 अप्रैल को आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में एक ग्राम रक्षा प्रहरी मोहम्मद शरीफ की मौत हो गयी थी। सुरक्षा बलों ने जून में कठुआ जिले के बानी, डग्गर और किंडली इलाकों के ऊपरी क्षेत्रों में एक समूह की गतिविधियों का पता लगाया था और तलाश अभियान चलाया था।

राजनाथ ने कठुआ आतंकवादी हमले में जवानों के शहीद होने पर दुख व्यक्त किया: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले में सोमवार को एक आतंकवादी हमले में पांच सैनिकों के शहीद होने पर गहरा दुख व्यक्त किया है। रक्षा सचिव गिरधर अरमाने ने भी आतंकवादी हमले में जवानों के शहीद होने पर शोक व्यक्त किया है।

श्री सिंह ने हमले के एक दिन बाद मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक पर अपने एक पोस्ट में कहा, ह्लबदनोटा, कठुआ (जम्मू-कश्मीर) में एक आतंकवादी हमले में हमारे पांच बहादुर भारतीय सैनिकों की मौत से मुझे गहरा दुख हुआ है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं, इस कठिन समय में राष्ट्र उनके साथ मजबूती से खड़ा है। आतंकवाद विरोधी अभियान चल रहे हैं और हमारे सैनिक क्षेत्र में शांति और व्यवस्था कायम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मैं इस कायरतापूर्ण आतंकी हमले में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। श्री अरमाने ने अपने संदेश में कहा कि वह इस आतंकवादी हमले में जवानों की जान जाने से दुखी हैं और शोक संतन परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के प्रति जवानों की निस्वार्थ सेवा को हमेशा याद रखा जाएगा और उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। उल्लेखनीय है कि आतंकवादियों के घात लगाकर किए गए इस हमले में पांच जवान शहीद हो गए और पांच अन्य घायल हो गए।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में सैनिकों ने पाकिस्तानी ड्रोन पर गोलियां चलाईं

प्रातः किरण

मेंढर/जम्मू। जम्मू-कश्मीर में पुंछ जिले के कृष्णा घाटी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर सेना के जवानों ने एक पाकिस्तानी ड्रोन पर गोलियां चलाईं।अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि हालांकि, ड्रोन सोमवार देर रात को कुछ देर तक भारतीय क्षेत्र के ऊपर मंडराने के बाद पाकिस्तान लौट गया।

उन्होंने बताया कि नियंत्रण रेखा पर तैनात भारतीय सैनिकों ने रात करीब सवा नौ बजे एक पाकिस्तानी ड्रोन को 1,000 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर मंडराता हुआ देख उसे मार गिराने के लिए अगले 10 मिनट में पांच गोलियां चलाईं, जिसके बाद ड्रोन पाकिस्तान लौट गया।

अधिकारियों के मुताबिक, आधे घंटे से भी अधिक समय बाद एक पाकिस्तानी ड्रोन को फिर से भारतीय क्षेत्र में घुसते हुए देखा गया और उस पर दो गोलियां चलाई गईं, जिसके बाद वह भी पाकिस्तानी सीमा की ओर लौट गया। अधिकारियों ने बताया कि सैनिकों ने सुबह होते ही सीमा पर स्थित गांवों में तलाश अभियान चलाया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पाकिस्तानी ड्रोन ने भारतीय क्षेत्र में कोई हथियार या मादक पदार्थ न गिराए हों।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हथियार और मादक पदार्थ गिराने के लिए सीमा पर उड़ रहे ड्रोन के बारे में कोई भी सूचना देने पर तीन लाख रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है।

संक्षिप्त समाचार

बदरीनाथ में दो और तीर्थ यात्रियों की मौत, 168 पहुंची यात्रा में अब तक मृतकों की संख्या

चमोली, एजेंसी। चारधाम यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों की मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवा को भी दो यात्रियों की जान चली गई। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा पर आए दो और तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। राज्य आपदा परिचालन केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक, बदरीनाथ धाम में दो यात्रियों की जान गई है। वहीं, अब चारधाम यात्रा के दौरान जान गंवाने वाले यात्रियों की संख्या 168 पहुंच गई है। चारधाम यात्रा के दौरान अब तक केदारनाथ में सबसे ज्यादा 80 यात्रियों की मौत हुई है। वहीं, बदरीनाथ में 42, हेमकुंड साहिब में चार, गंगोत्री में 13 और यमुनोत्री धाम में 29 यात्रियों की मौत हुई है।

सीएम धामी ने पौड़ी में की विकास कार्यों की समीक्षा

पौड़ी गढ़वाल/देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को गढ़वाल मंडल मुख्यालय पौड़ी में विकास कार्यों की समीक्षा की। साथ ही, 133 करोड़ की 158 योजनाओं का लोकार्पण तथा शिलान्यास किया जिसमें 80 करोड़ की 137 योजनाओं का लोकार्पण तथा 53 करोड़ की 21 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। मुख्यमंत्री ने समीक्षा के दौरान, अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं का क्रियान्वयन नो पेंडेंसी के सिद्धांत के आधार पर किया जाए। उन्होंने पौड़ी के पुराने वैभव को बनाए रखने के लिए सभी विभागों से कार्य योजना तैयार करने को कहा। उन्होंने कहा कि पौड़ी में प्रतियोगी परीक्षाओं और सेना में जाने की तैयारी करने वाले युवओं के लिए हॉस्टल का निर्माण किया जाएगा। धामी ने निर्देश दिए कि जनहित से जुड़े कार्य मात्र औपचारिक ना हो बल्कि उसका ठोस आउटकम भी निकले। उन्होंने सभी सरकारी भवनों की छत पर सोलर पैनल और रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाने के भी निर्देश दिए। इसके बाद, मुख्यमंत्री ने विकासखंड कार्यालय पौड़ी के समीप 21 लाख की सहायता से बने पहाड़ी अंजीर (बेडू) प्रसंस्करण इकाई का लोकार्पण किया। जिसका संचालन उमंग स्वायत्त सहकारिता, पौड़ी द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने इकाई में बेडू से बनाये जा रहे उत्पादों का जायजा लिया तथा इस तरह के अनूठे प्रयास की सराहना की। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत, विधायक राजकुमार पोरी, महंत दिलीप रावत, रेनू बिष्ट, आयुक्त गढ़वाल विनय शंकर पाण्डे, आईजी करन सिंह नगन्याल, जिलाधिकारी पौड़ी आशीष चौहान सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

इंदिरा नगर संघ कार्यालय में वस्त्र वितरण केंद्र का हुआ शुभारंभ

देहरादून, एजेंसी। इंदिरा नगर स्थित संघ कार्यालय में सोमवार को वस्त्र वितरण केंद्र का शुभारंभ आरएसएस के प्रांत प्रचारक डॉ. शैलेंद्र ने किया। जनकल्याण न्यास की ओर से संचालित केंद्र को समाज के समर्थ लोगों की ओर से साड़ी, सूट व बच्चों और युवाओं के लिए वस्त्र भेंट किए। 40 जरूरतमंद लोगों को वस्त्र वितरित किए गए। डॉ. शैलेंद्र ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में संघ के कार्यकर्ता उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। जनकल्याण न्यास के सचिव पवन शर्मा ने बताया कि देहरादून की विभिन्न बस्तियों में कार्यकर्ताओं की समिति बनाई जाएगी, जो ऐसे लोगों का चयन करेगी जो वास्तव में अभाव ग्रस्त हैं। भविष्य में वस्त्रों के साथ ही अन्य गृह उपयोगी सामग्री का भी वितरण होगा। अध्यक्ष उद्योगपति कैलाश मैलाना ने अतिथियों का आभार प्रकट किया। इस दौरान संघ के क्षेत्र सामाजिक समरसता संयोजक लक्ष्मी प्रसाद जायसवाल, प्रांत संयोजक राजेंद्र पंत, नगर संघ चालक चंद्र मोहन गौड़, डॉ. जगमोहन, कर्नल मदन मोहन चौबे, निशा अग्रवाल, सुनील बिष्ट आदि लोग मौजूद रहे।

300 यात्रियों को बारिश ने डराया: बोले- जंगल में ट्रेन रुकी, सोचा कि अब चलेगी...लेकिन पैदल आना पड़ा

नैनीताल, एजेंसी। रेलवे अधिकारी समय से जलभराव की स्थिति भांप जाते तो करीब 300 यात्रियों को भीगते हुए जंगल के रास्ते डेढ़ किमी पैदल चलकर लालकुआं नहीं आना पड़ता।

रेलवे अधिकारी समय से जलभराव की स्थिति भांप जाते तो करीब 300 यात्रियों को भीगते हुए जंगल के रास्ते डेढ़ किमी पैदल चलकर लालकुआं नहीं आना पड़ता।

सोमवार को लालकुआं रेलवे स्टेशन पर पानी भरने के कारण सिग्नल नहीं मिलने से काशीपुर से लालकुआं आ रही ट्रेन स्टेशन से करीब डेढ़ किमी पहले आउटर पर रुक गई। इस दौरान यात्रियों ने सोचा कि शायद थोड़ी देर में सिग्नल मिल जाएगा और ट्रेन चलेगी लेकिन इंतजार जब आधे घंटे से ज्यादा का हो गया तो आगे के डिब्बों में बैठे कुछ लोगों ने लोको पायलट और पीछे के लोगों ने ट्रेन के गार्ड से मालूमात की। तब जाकर यात्रियों को पता चला कि लालकुआं रेलवे स्टेशन के सभी ट्रैकों पर काफी पानी भर गया है जिस कारण सिग्नल क्लियर नहीं हो पा रहा है और अब ट्रेन वापस काशीपुर ही जाएगी।

इसके बाद यह सूचना जैसे-जैसे ट्रेन में सवार करीब 300 यात्रियों तक पहुंची तो सभी अपना-अपना सामान उठाकर जंगल के रास्ते भीगते हुए लालकुआं की ओर बढ़ चले। लालकुआं से यात्री सड़क मार्ग से गंतव्य के लिए रवाना हुए। उधर लालकुआं स्टेशन इंचार्ज ने बताया कि चार घंटे बाद काशीपुर से दूसरा इंजन बुलाकर ट्रेन को काशीपुर भेजा गया। ट्रेन से ही आना-जाना करती हूं। अचानक ट्रेन जंगल में रुक गई। आधे घंटे बाद जब कुछ यात्रियों ने ट्रेन से उतरकर गार्ड और लोको पायलट से मालूमात की तब पता चला कि ट्रेन आगे नहीं जाएगी। अब लालकुआं से बस पकड़कर किच्छा जाउंगी।

रामनगर में तेज बारिश के चलते रामनगर रेलवे स्टेशन से तीन ट्रेनों का संचालन नहीं हो सका। रेलवे स्टेशन मास्टर राजकुमार ने बताया कि बारिश की वजह से 25035/25036 रामनगर-मुरादाबाद-रामनगर एक्सप्रेस को निरस्त कर दिया गया। इसके अलावा सवारी गाड़ी 05409/05410 काशीपुर-रामनगर-काशीपुर ट्रेन और 05409/05410 काशीपुर-रामनगर-काशीपुर ट्रेन को भी निरस्त कर दिया गया।

रेलवे प्रशासन ने भारी बारिश के कारण ऐहतियातन मंगलवार को भी तीन ट्रेनें रद्द कर दी हैं। विशेष ट्रेन और लालकुआं से मुरादाबाद चलने वाली 05331 लालकुंआ-मुरादाबाद-लालकुंआ विशेष ट्रेन निरस्त रहेगी। इसके अलावा काशीपुर से चलने वाली 05335 काशीपुर-कासगंज विशेष ट्रेन काशीपुर के स्थान पर लालकुआं से चलाई जाएगी जबकि यह ट्रेन काशीपुर से लालकुआं के बीच रद्द रहेगी।

स्मार्ट सिटी ने खींचे हाथ तो तीन विद्यालयों में प्रभावित होने लगी पढ़ाई

देहरादून, एजेंसी। राजधानी दून में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत चल रहे तीन विद्यालयों में सुविधाएं देने से स्मार्ट सिटी ने अपने हाथ खींचे तो छात्रों की पढ़ाई प्रभावित होने लगी है। दरअसल, राजपुर रोड स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, खुड़बुड़ा इंटर कॉलेज और जूनियर हाई स्कूल खुड़बुड़ा में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत बिजली, इंटरनेट और स्मार्ट बोर्ड जैसी सुविधाएं दी जाती थी, लेकिन बीते दिनों स्मार्ट सिटी की ओर से इन सुविधाओं की जिम्मेदारी स्कूलों को सौंप दी। इसके बाद से इन विद्यालयों में कभी इंटरनेट नहीं चलता तो कभी स्मार्ट बोर्ड में तकनीकी खराबी आने के कारण उसका इस्तेमाल नहीं हो पाता। ऐसे में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित रहती है। इस संबंध में शिक्षकों की ओर से कई बार विभाग को पत्र लिखकर समस्या के समाधान की भी मांग की गई, लेकिन विभाग की ओर से कोई कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। प्रोजेक्ट के तहत पहले विद्यालयों में पूरे दिन एक तकनीकी विशेषज्ञ तैनात रहता था। ऐसे में कुछ भी तकनीकी खराबी होने के कारण उसे कुछ ही देर में ठीक कर लिया जाता था, लेकिन अब पहले शिक्षक विभाग को पत्र लिखते हैं।

भूस्खलन से बदरीनाथ और केदारनाथ राजमार्ग बंद, 3200 श्रद्धालु फंसे; अभी तीन दिन तक जारी रहेगा वर्षा का क्रम

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में वर्षा का दौर जारी है, लेकिन गढ़वाल मंडल में लगातार दूसरे दिन कहीं भी भारी वर्षा नहीं हुई। इससे पर्वतीय क्षेत्रों में राहत महसूस की गई। हालांकि, मैदानी क्षेत्रों में परेशानी बनी हुई है। चारधाम यात्रा मार्गों पर भी दुश्वारियां बरकरार हैं। बदरीनाथ राजमार्ग बलदौड़ा में 28 घंटे बाद खोला जा सका, लेकिन इस बीच मार्ग घुड़सिल में भूस्खलन होने से बंद हो गया। यहां शाम छह बजे यातायात सुचारु हो पाया। इस दौरान एक हजार से अधिक तीर्थयात्री फंसे रहे। शाम को केदारनाथ को जोड़ने वाला गौरीकुंड राजमार्ग बंद होने से लगभग 2200 तीर्थयात्री जहां-तहां फंस गए। गंगोत्री और यमुनोत्री राजमार्ग भी दिनभर बंद होते और खुलते रहे। वर्षा के कारण हो रहे भूस्खलन से प्रदेश में 325 से अधिक मार्ग बंद हैं। इस कारण 250 से अधिक गांव अलग-थलग पड़ गए हैं। इन गांवों में राशन, सब्जी, दूध समेत रोजमर्रा के अन्य सामान की आवक थम गई है। बीमारों को अस्पताल पहुंचाना भी कठिन हो गया है। कई गांवों में विद्युत, पेयजल और संचार सेवा भी बाधित है। चमोली जिले में जोशीमठ और गोविंदघाट के बीच बलदौड़ा में रविवार सुबह मलबा आने से बदरीनाथ राजमार्ग बंद हुआ। सोमवार सुबह आठ बजे सुचारु किया जा सका। इस बीच पांडुकेश्वर और बदरीनाथ के बीच घुड़सिल में पहाड़ी से बोल्डर गिरने से मार्ग बाधित हो गया।

मार्ग से मलबा हटा रही एक जेसीबी मशीन बोल्डर की चपेट में आ गई। उसके चालक ने कूद कर जान बचाई। कई घंटों की मशक्कत के बाद मलबा हटाया जा सका। शाम को रुद्रप्रयाग जिले में गौरीकुंड (केदारनाथ) राजमार्ग फाटा के पास डोलिया देवी में पहाड़ी पर भूस्खलन होने से अवरुद्ध हो गया। पर्वतीय क्षेत्रों में लगातार हो रही वर्षा ने स्थानीय निवासियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

भाजपा सरकार व उसके मंत्री तानाशाही पर उतर, कांग्रेस नेता जयेंद्र रमोला पर मुकदमा दायर करने पर कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

देहरादून, एजेंसी। ऋषिकेश में कांग्रेस नेता जयेंद्र रमोला के खिलाफ मुकदमा दायर किये जाने के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महानगर अध्यक्ष डॉ जसविंदर सिंह गोगी के नेतृत्व में सोमवार को एश्ले हाल चौक पर प्रदर्शन किया और शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल का पुतला फूंका। डॉ. गोगी ने आरोप लगाए कि कांग्रेस नेता रमोला ने मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल के विधानसभा क्षेत्र में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सबूतों के साथ सवाल उठाया। बरसात के मौसम में जब उत्तराखंड के शहर जलमग्न हो रहे हैं, जगह-जगह दुर्घटनाएं हो रही हैं, मंत्री को और प्रशासन को डिवाइडर और अन्य निर्माण कार्यों की जांच करवानी चाहिए थी, उल्टे कांग्रेस नेता पर

ही ठेकेदार के माध्यम से मुकदमा दर्ज करवा दिया गया। विपक्ष अगर ये कार्य नहीं करेगा तो फिर सरकार तो पूरी तरह निरंकुश हो जाएगी। भाजपा सरकार और उसके मंत्री पूरी तरह तानाशाही पर उतर आए हैं। इस मौके पर कांग्रेस नेता अमनदीप सिंह, आदर्श सूद, संजय उनियाल, पूनम कंडारी, जगदीश धिमन, अनिल शर्मा, अरुण, संजय गाम, गौतम, जगत सिंह आदि मौजूद रहे।

नकली पनीर बनाने वाली कंपनी पर कार्रवाई की मांग

ऋषिकेश, एजेंसी। हरिपुरकलां के ग्रामीणों ने नकली पनीर बनाने वाली कंपनी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कंपनी के बाहर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और कंपनी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। हरिपुरकलां में नकली पनीर बनाने वाली एक कंपनी का भंडाफोड़ होने के बाद स्थानीय ग्रामीण सतर्क हो गए हैं। रविवार को ग्रामीण पनीर बनाने वाली कंपनी के गेट के बाहर एकत्रित हुए और कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया। सूचना पर थाना रायवाला पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों का कहना था कि नकली पनीर बनाकर क्षेत्र में सप्लाई किया जा रहा है। क्षेत्र की जनता इस गोरख धंधे से अनजान थी। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से जनता को जहर परोसने वाली कंपनी और संचालक के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। प्रदर्शन करने वालों में क्षेत्र पंचायत सदस्य पंकज पाल, धमेंद्र गवाड़ी, अंकित बिजल्वाण, अजय रावत, कृष्णकांत डबराल, अंकित मिश्रा, ऋषि मिश्रा, मुकेश गौड़, विशाल सिंह, राजेश पंडित आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

एंटी नार्कोटिक टास्क फोर्स कर रही थी चेकिंग, रुकने का किया इशारा तो भागने लगा शख्स; तलाशी में मिली चौकाने वाली चीज

देहरादून, एजेंसी। शिक्षण संस्थानों के आसपास स्मैक तस्करी करने वाले व्यक्ति को पटेलनगर कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपित मूलरूप से बिजनौर का रहने वाला है और पूर्व में राजमिस्त्री का काम करता था। कम समय में ज्यादा रुपये कमाने के लालच में वह गलत रास्ते पर चल पड़ा।

वह आजाद कालोनी के राशिद के साथ मिलकर स्मैक तस्करी करता था। अब पुलिस राशिद को तलाश रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने बताया कि एंटी नार्कोटिक टास्क फोर्स (एएनटीएफ) व शहर कोतवाली पुलिस ने सोमवार रात लक्ष्मण चौक क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। मालवीय रोड पर एक व्यक्ति को रुकने का इशारा किया तो वह भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस ने उसे दबोचकर तलाशी ली तो उसके पास से 101.94 ग्राम स्मैक, इलेक्ट्रानिक तराजू तथा नकदी बरामद हुई।

आरोपित की पहचान मकसूद निवासी इनामपुरा, थाना मंडावर, जिला बिजनौर, (उत्तर प्रदेश) वर्तमान निवासी गांधीग्राम के रूप में हुई है। मकसूद के खिलाफ शहर कोतवाली में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पूछताछ में मकसूद ने पुलिस को बताया कि वह राजमिस्त्री का कार्य करता था। इसी दौरान उसकी पहचान राशिद से हुई, जो स्मैक तस्करी करता था। कम समय में ज्यादा रुपये कमाने के लालच में उसने राशिद के साथ मिलकर स्मैक तस्करी शुरू कर दी। वह शिक्षण संस्थानों के आसपास छात्रों को स्मैक बेचकर मुनाफा कमाता था। मंगलवार को वह राशिद से स्मैक खरीदकर लाया था।

कांग्रेस नेता जयेंद्र पर मुकदमा दर्ज

ऋषिकेश, एजेंसी। कोयल घाटी में हरिद्वार रोड पर नवनिर्मित डिवाइडर के क्षतिग्रस्त होने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। संबंधित ठेकेदार ने एक कांग्रेस नेता पर डिवाइडर के बारिश में क्षतिग्रस्त होने की अफवाह फैला कर छवि धूमिल करने के प्रयास का आरोप लगाते हुए कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने कांग्रेस नेता के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। वहीं कांग्रेस नेता का कहना है कि विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है।

हरिद्वार रोड पर नवनिर्मित डिवाइडर बीते शुक्रवार रात को क्षतिग्रस्त हो गया था। संबंधित ठेकेदार ने वाहन की टक्कर से डिवाइडर टूटने की बात कहते हुए एक वाहन चालक के खिलाफ कोतवाली में शिकायत भी दर्ज कराई थी। वहीं कांग्रेस नेता जयेंद्र रमोला ने इस संबंध में सोशल मीडिया में एक पोस्ट अपलोड की थी। जिसमें उन्होंने कहा था कि घटिया गुणवत्ता का डिवाइडर पहली ही बारिश में क्षतिग्रस्त हो गया।

रमोला ने संबंधित ठेकेदार, एमडीडीए के साथ ही स्थानीय विधायक व शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए थे। रविवार को संबंधित ठेकेदार ने रमोला के खिलाफ अफवाह फैलाकर एमडीडीएम व कैबिनेट मंत्री की छवि धूमिल करने के प्रयास के आरोप में कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। कांग्रेस नेता जयेंद्र रमोला का कहना है कि वह अब भी अपनी बात पर कायम हैं। निविदाओं को सार्वजनिक कर निर्माण कार्य की जांच कराई जाए। कहा कि विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है।

छह माह भी नहीं टिक पाई एनएच डिवाइडर की फेंसिंग

ऋषिकेश, एजेंसी। मेट्रो सिटी दिल्ली की तर्ज पर श्यामपुर से ऋषिकेश तक राष्ट्रीय राजमार्ग का एमडीडीए सौंदर्यीकरण करा रहा है। इसके तहत डिवाइडर पर लोहे की सुरक्षा फेंसिंग लगाई गई है। छह माह भी नहीं बीते, एमडीडीए का यह काम अभी निर्माणाधीन भी है और फेसिंग जगह-जगह से क्षतिग्रस्त हो गई है।

एमडीडीए के उद्यान विभाग ने छह माह पूर्व आईडीपीएल गेट से कोयलघाटी तक करीब पांच किमी की दूरी में डिवाइडर पर निर्माण कार्य शुरू किया था। निजी एजेंसी को हायर कर प्राधिकरण की ओर से मेट्रो सिटी दिल्ली की तर्ज पर डिवाइडर पर लोहे की सुरक्षा फेंसिंग लगाई गई है। डिवाइडर फेंसिंग पर आबादी क्षेत्र में तीन-तीन फुट का रास्ता भी लोगों की पैदल आवाजाही के लिए छोड़ा गया है। इसके अलावा योजना के तहत फेसिंग के बीच में पाम ट्री और हर 50 फीट बाद रंग बिरंगे पौधों की श्रृंखला लगाई जानी है। एमडीडीए इस सौंदर्यीकरण कार्य पर करीब डेढ़ करोड़ रुपये खर्च कर रहा है। निर्माण कार्य दिसंबर माह तक पूरा होना है।

भारी बारिश से हाल-बेहाल, पानी के कारण 325 सड़कें बंद

देहरादून, एजेंसी। प्रदेश में हो रही भारी वर्षा के कारण अभी 325 सड़कें बंद हैं। इनमें राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग, मुख्य जिला मार्ग, ग्रामीण मार्ग व अन्य जिला मार्ग शामिल हैं। पहले इनकी संख्या 387 थी, इनमें से 62 मार्गों को खोल दिया गया है।

लोक निर्माण विभाग व सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज ने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर भारी बरसात के कारण सड़कों और बाढ़ सुरक्षा के कार्यों के संबंध में जानकारी ली।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि प्रदेश में भारी बरसात के कारण सड़कों पर मलबा आने से अभी बंद पड़ी 325 सड़कों को खोलने के लिए कार्मिकों के साथ 279 मशीनें लगातार काम कर रही है। उन्होंने बताया कि बंद हुए तीन राष्ट्रीय राजमार्ग में से दो को सुचारू कर दिया गया है। इसके अलावा प्रभावित हुए 14 राज्य राजमार्गों में से आठ राज्य राजमार्ग यातायात के लिए खोल दिए गए हैं।

कैबिनेट मंत्री ने बताया कि अल्मोड़ा के मोहान, रानीखेत में ब्रिटिश काल का बना पुल क्षतिग्रस्त हो गया है। वहां पर वैली ब्रिज की वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। इसी प्रकार जनपद चंपावत में लधिया नदी पर 70 मीटर पुल बह गया है। यहां संपर्क स्थापित कर दिया गया है।

सिंचाई विभाग के बारे में उन्होंने बताया कि गढ़वाल मंडल में वर्षा से नदियों का जल स्तर तो बढ़ा है, लेकिन फिलहाल कोई खतरा नहीं है। कुमाऊं मंडल में सिंचाई खंड अल्मोड़ा के अंतर्गत चार दिनों से भारी बारिश होने के कारण कोसी, पनार, जैगन नदियां व स्थानीय नदी व नाले उफान पर हैं।

अल्मोड़ा में भारी बरसात के कारण पचास नहरों को क्षति पहुंचने के साथ-साथ जनपद पिथौरागढ़ में 90 मीटर सुरक्षा दीवार को क्षति हुई है, जिसकी लागत लगभग 135 लाख है।

फैक्ट फाइंडिंग कमेटी की जांच में खुलासा, रिज क्षेत्र में बिना परमिशन काटे गए सैकड़ों पेड़ों के सबूत मिटा रहा डीडीए

फैक्ट फाइंडिंग कमेटी की जांच में पता चला है कि अफसर सच्चाई छिपाने के लिए न कागज दे रहे और न बैठकों में आ रहे - आतिशी

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

केजरीवाल सरकार की तीन मंत्रियों की फैक्ट फाइंडिंग कमेटी ने मंगलवार को छतरपुर के रिज क्षेत्र का दौरा कर एलजी के आदेश पर अवैध रूप से काटे गए 1100 पेड़ों का मौका मुआयना किया। कमेटी के सदस्य सौरभ भारद्वाज, आतिशी और इमरान हुसैन ने सतबरी फॉरेस्ट एरिया के बीच से होकर सार्क चौक तक सड़क बनाने के लिए बिना परमिशन काटे गए पेड़ों का निरीक्षण किया। इस दौरान सौरभ भारद्वाज बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने यहां काम पर रोक लगा रखा है। लेकिन डीडीए लगातार काम करकार पेड़ों की जड़ों और तनों को गायब कर रहा है, ताकि पेड़ों की सही गिनती न हो सके और सबूत मिटा दिए जाएं। सुप्रीम कोर्ट से बिना अनुमति लिए डीडीए जंगल काटकर सड़क बना रहा है, जबकि इसके दूसरी तरफ स्थित फार्म हाउस की जमीन वापस लेकर भी सड़क चौड़ी की जा सकती थी। ऐसा लगता है कि फार्म हाउस मालिकों को करोड़ों रुपए का फायदा पहुंचाया गया हो, भ्रष्टाचार की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। वहीं, आतिशी ने कहा कि कमेटी अपनी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में रखेगी। हमें उम्मीद है कि अवैध रूप से पेड़ काटने की अनुमति देने वाले पर कड़ी कार्रवाई होगी।

दिल्ली के रिज एरिया में अवैध रूप से पेड़ काटने के मामले को लेकर गंभीर केजरीवाल सरकार की फैक्ट फाइंडिंग कमिटी ने मंगलवार को स्थलीय दौरा किया। कमेटी के सदस्य एवं कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यहां पर सैकड़ों पेड़ों को काटा गया है। सतबरी फॉरेस्ट एरिया के बीचों-बीच से लेकर सार्क चौक तक एक पूरी नई सड़क बनाई गई है। इस जगह पहले घने जंगल थे। सुप्रीम कोर्ट ने इस एरिया में सभी काम पर रोक लगा दी है। इसके बावजूद यहां बुल्डोजर से काम चल रहा है। क्योंकि कितने पेड़ काटे गए हैं, इसका फैसला इन जड़ों और तनों को देखकर होगा। इसलिए डीडीए इन्हें पूरी तरह से उखाड़ कर यहां मिट्टी की लेयर डलवाने की साजिश कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट की रोक के बावजूद वो लगातार यहां काम कर रहा है। इस सड़क के एक तरफ बड़े-बड़े करोड़पतियों के फार्महाउस हैं और दूसरी तरफ घने जंगल हैं। लेकिन सड़क चौड़ी करने के लिए फार्म हाउस की जमीन लेने के बजाय रिज एरिया से हजारों पेड़ काट दिए गए। जिस तरह केंद्र की भाजपा सरकार ने गरीब किसानों की जमीन लेकर यहां अमीरों के फार्महाउस बनाए, उसी तरह सड़कें चौड़ी करने के लिए फार्म हाउस की जमीनें वापस ली जा सकती थीं। लेकिन उनके फार्म हाउसों की जमीन को छेड़े बिना जंगल के 1100 पेड़ काट दिए गए।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि रिज एरिया के आस-पास रहने वाले लोग बताते हैं कि एलजी साहब यहां कई बार आए हैं। वो यहां क्या करने आए थे, ये तो एलजी साहब ही बता सकते हैं। जब एक बार आपको यहां आकर साफ दिख रहा है कि सड़क चौड़ी करने के लिए फार्महाउस की जमीनें ली जा सकती हैं, तो एलजी साहब को यह बात क्यों समझ नहीं आई? पेड़ काटने से पहले सुप्रीम कोर्ट से इजाजत लेनी जरूरी थी, लेकिन फरवरी में डीडीए ने बिना अनुमति के पेड़ काट दिए। जब एक एनजीओ ने कोर्ट में इसकी शिकायत की, तब ये लोग सुप्रीम कोर्ट के पास यह कहकर इजाजत मांगने पहुंचे कि अभी पेड़ काटे जाने हैं और हमें इसके लिए कोर्ट की अनुमति चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने डीडीए की अर्जी खारिज करते हुए पूछा कि क्या पेड़ों को काटे बिना सड़क चौड़ी करने का कोई और तरीका है? सुप्रीम कोर्ट ने भी सबसे पहले पेड़ों को बचाने के बारे में सोचा, लेकिन डीडीए द्वारा बिना कोई विचार किए इन पेड़ों को काट दिया गया। ऐसा लगता है कि यहां भ्रष्टाचार भी हुआ हो। हो सकता है कि फार्म हाउस मालिकों को करोड़ों रुपए का फायदा पहुंचाया गया हो। इसमें बड़ी गड़बड़ी की आशंका साफ-साफ नजर आ रही है।

कमेटी की सदस्य एवं कैबिनेट मंत्री आतिशी ने कहा कि दिल्ली के रिज क्षेत्र में बड़ी संख्या में पेड़ काटे गए हैं, यह चिंताजनक बात है। इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि संबंधित अफसरों द्वारा सही तथ्यों को छुपाया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी यह टिप्पणी की है और उसने अफसरों से पूछा है कि क्या छुपाया जा रहा है? उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार की फैक्ट फाइंडिंग कमिटी ने भी पाया है कि अफसर लगातार बहाने बना रहे हैं। वो कागज नहीं दे रहे हैं और बैठकों में नहीं आ रहे हैं। इससे साफ है कि अफसरों को किसी को बचाने केलिए ऊपर से आदेश दिए जा रहे हैं। इसलिए तथ्यों को छिपाने का प्रयास किया जा रहा है।

आतिशी ने कहा कि यह दिल्लीवालों के लिए बहुत चिंता की बात है। दिल्ली ने इस साल हीटवेव का सामना किया है। दिल्ली में प्रदूषण की समस्या है। ऐसे में दिल्ली के सेंसिटिव इकोसिस्टम जोन में अगर अवैध रूप से पेड़ काटे जाएंगे और ये काम हाईस्ट अथॉरिटी की निगरानी में होगा तो दिल्लीवालों के हितों का ध्यान कौन रखेगा? हम सुप्रीम कोर्ट के सामने फैक्ट फाइंडिंग कमिटी की रिपोर्ट रखेंगे। हम उम्मीद करते हैं कि जिसने भी गलत काम किया है और अवैध रूप से पेड़ों को काटने की अनुमति दी है, उसपर सख्त से सख्त कारवाई होनी चाहिए।

हिंदी फिल्मों के महान अभिनेता स्वर्गीय श्री संजीव कुमार को आज उनकी 86 वीं जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित किए

- शोले के ठाकुर के रोल में आज भी दर्शकों के दिलों में बसते हैं संजीव कुमार दयानंद वत्स भारतीय

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नेशनल मीडिया नेटवर्क फिल्म एंड टीवी अवॉर्ड्स फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दयानंद वत्स भारतीय ने आज मुखवालय बरवाला में हिंदी फिल्मों के महान अभिनेता स्वर्गीय श्री संजीव कुमार को उनकी 86वीं जयंती पर उनके करोड़ों प्रशंसकों की ओर से अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। वत्स ने कहा कि शुरूआती दौर में संजीव कुमार इप्टा से जुड़े थियेटर कलाकार रहे। वे सचमुच एक महान कलार थे क्योंकि उन्होंने जवानी में ही बूढ़ों की भूमिकाएं निभाई और दर्शकों की वाहवाही बटोरी। प्रसिद्ध निमार्ता, निर्देशक, गीतकार गुलजार ने उन्हें अपनी चार फिल्मों में बूढ़े व्यक्ति का रोल दिया जिनमें परिचय, कोशिश, आंधी और मौसम। गुलजार ने उन्हें अंगूर और नमकीन फिल्म में जवान आदमी का भी किरदार दिया। संजीव कुमार को उनकी फिल्म दस्तक और कोशिश के लिए नेशनल फिल्म अवॉर्ड से भी भारत सरकार ने नवाजा।

संजीव कुमार को शिकार, आंधी, अर्जुन पंडित ओर कोशिश फिल्म के लिए फिल्म फेयर अवार्ड से सम्मानित किया गया। जो फिल्म उनके करियर की सबको याद है वह है खिलौना। यह फिल्म दर्शकों के दिलों दिमाग पर छा गयी थी। इसका एक गीत खिलौना जानकर तुम तो मेरा दिल तोड़े जाते हो आज भी रेडियो श्रोताओं की पहली पसंद है। निमार्ता, निर्देशक रमेश सिप्पी की आल टाइम्स सिटी ब्लाक बूस्टर फिल्म शोले में निभाए गये उनके ठाकुर के रोल को खूब पसंद किया गया। हृषिकेश मुखर्जी के निर्देशन में भी उन्होंने काम किया। दिलीप कुमार के साथ संघर्ष, शम्मी कपूर के साथ सच्चाई, राजेश खन्ना के साथ आप की कसम, धर्मेंद्र के साथ सीता और गीता, अमिताभ और शशि कपूर के साथ त्रिशूल कौन भूल सकता है। संजीव कुमार की फिल्म नया दिन नयी रात हिंदी सिनेमा की बेहतरीन फिल्म है। इसमें संजीव कुमार ने नौ रोल निभा कर कीर्तिमान स्थापित कर दिया था। वे सचमुच एक महान अभिनेता थे। वह अपने किरदारों को जीवंत कर देते थे। संजीव कुमार ने सैकड़ो फिल्मों में काम किया। वह अपने निर्माताओं और निर्देशकों की पहली पसंद रहे। फिल्म दर्शकों को भी उनकी अभिनय क्षमता पर भरोसा था।

पति,पत्नी ओर वो, बीवी ओ बीवी, मनचली, उलझन, देवता, राजा ओर रंक, चंदा और बिजली, निशान उनके अभिनय के रंगों से रंगी फिल्में हैं। वत्स ने कहा कि संजीव कुमार की फिल्में हिंदी सिनेमा की कीमती धरोहर है।

जुमार्ना भरें या अवमानना नोटिस का सामना करें : न्यायालय ने वकील को फटकार लगाते हुए कहा

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

उच्चतम न्यायालय ने एक वकील को ऐसी याचिका दायर करने के लिए लगाया गया 50,000 रुपये का जुमार्ना नहीं अदा करने पर मंगलवार को कड़ी फटकार लगाई, जिसमें कोई दम नहीं था। शीर्ष अदालत ने वकील को दो हफ्ते के भीतर उक्त राशि जमा करने का निर्देश भी दिया।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने जुमार्ना अदा करने के लिए अतिरिक्त मोहलत देने का वकील अशोक पांडेय का अनुरोध खारिज कर दिया। पीठ ने कहा, आप एक वकील हैं। अदालत को 50,000 रुपये का भुगतान करने का आश्वासन देने के

बावजूद आपने उक्त राशि अदा नहीं की और उसके बाद आप विदेश चले गए। अब आप यह नहीं कह सकते कि आप जुमार्ना राशि नहीं चुका सकते। आप जुमार्ना भरें, वरना हम आपके खिलाफ अवमानना नोटिस जारी करेंगे।

पांडेय ने दलील दी थी कि उन्हें साल 2023 से कोई नया मुकदमा नहीं मिला है और उनकी विदेश यात्रा का पूरा खर्च उनके बच्चों ने उठाया था। पीठ ने पांडेय की दलील खारिज कर दी और उन्हें दो हफ्ते के भीतर जुमार्ना राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने दो जनवरी 2023 को पांडेय की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश पद के लिए उच्चतम न्यायालय में वकालत कर रहे वकीलों के नाम पर विचार नहीं करने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। शीर्ष अदालत ने कहा था कि इस याचिका में कोई दम नहीं है और पूरी तरह से न्यायालय के समय की बबार्दी है। न्यायालय ने याचिका दायर करने के लिए पांडेय पर 50,000 रुपये का जुमार्ना भी लगाया था।

सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी का पंचायत संघ ने किया स्वागत:थान सिंह यादव

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दक्षिणी दिल्ली से लोकसभा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी का स्वागत करते हुए पंचायत संघ ने गाँवों ग्रामीणों के प्रति उनके लगाव व जोर शोर से काम करने को लेकर धन्यवाद किया। वहीं सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने ग्रामीणों के अधिकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा कि माननीय सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी द्वारा अपने सो दिन के प्रमुख कार्यों में गांवों के लाल डोरा व विस्तारित लाल डोरा आबादी क्षेत्र को मालिकाना हक दिलाने की प्रतिबद्धता दोहराई ओर गांव देहात के विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी।पंचायत संघ ने उनसे माननीय प्रधानमन्त्री के एक पेड़ मां के नाम अभियान पर भी बात की।ओर पंचायत संघ द्वारा इस अभियान को गांव ग्रामीणों तक पहुंचाने के बारे में बताया। अगले वृक्षारोपण कार्यक्रम एक पेड़ मां के नाम में आने की सहमति दी।

रामवीर सिंह बिधूड़ी ने अपने संबोधन में ग्रामीणों के अधिकारों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गाँव देहात के लोगों के अधिकारों की रक्षा करना उनकी प्राथमिकता है और इसके लिए वह हरसंभव प्रयास करेंगे। सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ सभी ग्रामीणों तक पहुँचे, इसके लिए वह सतत निगरानी रखेंगे। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने अधिकारों के प्रति सजग रहें। इस मौके पर गांव नांगलोई सईदान के पंचायत प्रमुख राजेंद्र शर्मा व रणबीर बिड़लान आदि भी उपस्थित रहे।

दिल्ली में बारिश के कारण यातायात जाम और जल जमाव

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मंगलवार को तेज हवाओं के साथ आयी बारिश के कारण कई इलाकों में लोगों को यातायात और जल जमाव की समस्या का सामना करना पड़ा।

लक्ष्मीनगर, केंद्रीय सचिवालय, दिल्ली छावनी, पालम, सफदरजंग, संसद मार्ग, दिलशाद गार्डन, आईटीओ एवं ग्रेटर कैलाश समेत राजधानी के कई हिस्सों में भारी बारिश हुयी।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इससे पहले कई इलाकों में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने तथा बिजली कड़कने का अनुमान जताया था।

विभाग ने अपने ताजा बुलेटिन में अगले दो घंटों के दौरान नरेला, बवाना, अलीपुर, मुंडका, पश्चिम विहार, पंजाबी बाग, नजफगढ़, द्वारका, अक्षरधाम, वसंत विहार, महरौली, छतरपुर और आया नगर जैसे इलाकों में और बारिश होने का अनुमान लगाया है।

भारी बारिश के कारण राष्ट्रीय राजधानी के कई इलाकों में जलभराव हो गया है, जिससे यातायात जाम हो गया। मंगलवार को दिल्ली में न्यूनतम तापमान 27.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह 8.30 बजे आर्द्रता 84 प्रतिशत दर्ज की गई थी और अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 76 दर्ज किया गया जो संतोषजनक है। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 को संतोषजनक, 101 से 200 को मध्यम, 201 से 300 को खराब, 301 से 400 को बहुत खराब और 401 से 500 को गंभीर माना जाता है।

केजरीवाल के खिलाफ प्रोडक्शन वारंट, 12 जुलाई को अदालत में पेशी

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली की एक विशेष अदालत ने आबकारी नीति कथित घोटाला मामले में मंगलवार को प्रोडक्शन वारंट जारी कर आरोपी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 12 जुलाई को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया हैं। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा की अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से श्री केजरीवाल के खिलाफ दायर पूरक आरोप पत्र का संज्ञान लेते हुए प्रोडक्शन वारंट जारी किया।दिल्ली की सत्ताधारी आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आबकारी नीति मामले में केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी और सीबीआई की गिरफ्तारी के बाद न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में बंद हैं।

ईडी ने 21 मार्च और सीबीआई ने 26 जून 24 को आरोपी मुख्यमंत्री केजरीवाल को गिरफ्तार किया था। सीबीआई ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुकदमे में मार्च से न्यायिक हिरासत में बंद आरोपी मुख्यमंत्री केजरीवाल को अदालत की अनुमति के बाद 25 जून को पूछताछ और फिर 26 जून को गिरफ्तार किया था। विशेष अदालत ने उसी दिन सीबीआई की गुहार पर उन्हें इस केंद्रीय जांच एजेंसी की तीन दिनों की हिरासत में भेज दिया था। हिरासत अवधि समाप्त होने के बाद विशेष अदालत ने शनिवार 29 जून को उन्हें 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।

राऊज एवेन्यू स्थित अवकाशकालीन विशेष न्यायाधीश सुनैना शर्मा ने सीबीआई की ओर से केजरीवाल की हिरासत अवधि बढ़ाने की मांग नहीं करने और 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजने के आग्रह के बाद यह आदेश पारित किया था। इससे पहले ईडी की ओर से दर्ज मामले में विशेष अदालत ने 20 जून को केजरीवाल को जमानत दी थी। इस जमानत आदेश पर दिल्ली उच्च न्यायालय ने ईडी की याचिका पर 21 जून को अंतरिम रोक और 25 जून को निलंबित करने का आदेश पारित किया था।

डीटीयू ने शुरू किए पांच नए कोर्स

नई दिल्ली। दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार अकादमिक और अनुसंधान पहलों की घोषणा की है। विश्वविद्यालय से कुलपति प्रो. प्रतीक शर्मा ने इंडिया हैबिटेट सेंटर में मंगलवार को आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि ये कोर्स राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप डिजाइन किए गए हैं। इनका उद्देश्य समग्र, लचीली, सुलभ और बहु-विषयक शिक्षा प्रदान करना है जो राष्ट्रीय और वैश्विक समस्याओं का समाधान करती हैं। कुलपति ने कहा कि हम रक्षा और कृषि के क्षेत्र में ड्रोन, वर्किंग प्रोफेशनल के लिए कोर्स, स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लीनरी लर्निंग एंड रिसर्च, सेंटर फार डिजिटल मेडिसिन, पॉलिसी लैब बनाने सहित अन्य दिशाओं में काम कर रहे हैं। डीटीयू के अकादमिक परिषद ने 2024-25 से गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, अर्थशास्त्र और जैव प्रौद्योगिकी में पांच वर्षीय एकीकृत बीएससी और एमएससी कार्यक्रमों को मंजूरी दी है। इन कार्यक्रमों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत प्रवेश और निकासी के विकल्प होंगे। इनमें डेटा विश्लेषण, सामग्री विज्ञान, हरित और स्थायी विज्ञान और स्वास्थ्य विज्ञान जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को शामिल किया गया है। अनुसंधान केंद्र और तकनीकी विकास विश्वविद्यालय ने एक 2-वर्षीय एमटेक (अनुसंधान द्वारा) कार्यक्रम शुरू किया है, जिसमें छात्र अपनी रुचि के विशेष क्षेत्र में गहन अनुसंधान कर सकेंगे। इसमें चयन के लिए अभ्यर्थी के ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) के अंक और साक्षात्कार को आधार बनाया गया है। इसके अलावा सभी एमटेक कार्यक्रमों में कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम, औद्योगिक प्रशिक्षण और अनुसंधान पद्धति पर पाठ्यक्रम शामिल किए गए हैं।

112 पदों को स्थायी करने की एलजी ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। दिल्ली के उप राज्यपाल वीके सक्सेना ने भगवान महावीर अस्पताल में 112 मेडिकल और नॉन मेडिकल के अस्थायी पदों को स्थायी में बदलने की मंजूरी दे दी है। सरकारी नौकरियों में तदर्थ (एडहाक) पर हुई नियुक्तियों को खत्म करने और सरकारी कर्मचारियों को बेहतर सेवा शर्तें प्रदान करने के उद्देश्य से यह फैसला लिया गया। राजनिवास के मुताबिक, इन पदों में विशेषज्ञ डॉक्टर, सीनियर रेजीडेंट डॉक्टर, जूनियर रेजीडेंट डॉक्टर, स्टाफ नर्स, फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन, लैब असिस्टेंट, स्टेस्टिकल असिस्टेंट और एलडीसी आदि के पद शामिल हैं। उप राज्यपाल ने निर्देश दिया है कि यदि आवश्यक हो तो इन पदों पर नियुक्तियों को निश्चित समय में यूपीएससी और डीएसएसएसबी के माध्यम से स्थायी रूप से भरा जाना चाहिए। मई 2022 में उप राज्यपाल के तौर पर कार्यभार संभालने के बाद से सक्सेना ने सरकारी विभागों में कर्मचारी कल्याण के पदोन्नति, नियमितीकरण, कैडर का पुनर्गठन आदि के मुद्दों को प्रमुखता से सुलझाने पर जोर दिया है।

छतरपुर जंगल में फॉर्म हाउस वालों को फायदा पहुंचाने के लिए काटे गए 1100 पेड़ : सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

डीडीए द्वारा छत्तरपुर के रिज क्षेत्र में 1100 पेड़ों को काटने के मामले में दिल्ली सरकार के मंत्रियों ने उपराज्यपाल पर बड़ा आरोप लगाया है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय के निर्देश पर इस मामले की जांच के लिए गठित फैक्ट फाइंडिंग कमेटी में शामिल मंत्री सौरभ भारद्वाज, आतिशी ने मंगलवार को मौके पर जाकर जायजा लिया। इन्होंने उपराज्यपाल वीके सक्सेना और डीडीए पर आरोप लगाया कि छतरपुर जंगल में फॉर्म हाउस वालों को फायदा पहुंचाने के लिए किया गया। डीडीए यहां जंगल काटकर सड़क बना रहा है। इसी सड़क के दूसरी तरफ फार्महाउस हैं, उनकी जमीन को लेकर भी सड़क चौड़ी की जा सकती थी लेकिन डीडीए ने गैरकानूनी ढंग से जंगल काट दिए। उन्होंने कहा इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई है। दिल्ली सरकार ने मामले की जांच के लिए वन विभाग के अधिकारियों को आदेश दिया तो पर्यावरण मंत्री द्वारा बार-बार आदेश दिए जाने के बाद भी अधिकारी मीटिंग तक मे नहीं आए। इसलिए जांच के लिए कमेटी बनाई गई। यह कमेटी अपनी रिपोर्ट पर्यावरण मंत्री को सौपेंगी, जिसे सुप्रीम कोर्ट में भी जमा कराया जाएगा। वहीं, मंत्री आतिशी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए केजरीवाल सरकार ने दिल्ली में बीते 4 साल में दो करोड़ से ज्यादा पौधे लगाए हैं। एलजी ने सुप्रीम कोर्ट से बिना अनुमति लिए रिज एरिया में हजारों पेड़ कटवा दिए। मामला संज्ञान में आने के बाद सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली सरकार

एलजी और अधिकारियों से लगातार जवाब मांग रहे हैं, लेकिन सभी चुप हैं। अब भाजपा इसमें राजनीति करने के लिए एक झूठे दस्तावेज दिखा रही है और कह रही है कि सीएम केजरीवाल के कहने पर ये पेड़ काटे गए, जबकि यह नामुमकिन है। रिज एरिया में पेड़ काटने की अनुमति केवल सुप्रीम कोर्ट ही दे सकता है।

Public Notice

General public is hereby informed that Mr. Ram Kumar Ram is the owners of Residential Plot area measuring 25 sq. yds., i.e. 20.90 sq. mtrs., out of Khasra No. 435, situated at Dharam ViharKhora Colony, Pargana Loni Tehsil & District Ghaziabad U.P vide Sale Deed dated 19.01.2021 executed by Mr. Rajender Prasad, SRO-II Ghaziabad, as Document no. 853, Book no. 1, Volume no. 17579, on pages 141-166, dated 19.01.2021and in the property chain 1st page of Original Sale Deed dated 19.01.2021 is not with / not available / misplaced from seller and same to be sold to Mrs. Seema Deviand said property to be financed by AADHAR HOUSING FINANCE LTD, Branch Rajinder Place Delhi if anybody has any charge/interest/title in the said property or any kind of dispute kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present, failing which and I am aware that in case default with the mortgage property that borrower (Mrs. Seema Devi&Nanak Chand) is responsible.

Krishan Kumar Goswami
Advocate
JBMRLAWASSOCAITES
Office cum Resi. B-1/307-308,
NandNagri Delhi-110093

24 लाख रुपये लेकर फर्जी वीजा थमाने वाले दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। पंजाब के एक शख्स से 24 लाख रुपये लेकर फर्जी वीजा थमाने वाले दो एजेंट को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस मामले में आरोपी से पूछताछ कर रही है। डीसीपी उषा रंगनानी के अनुसार, बीते एक जुलाई को पंजाब निवासी करमिंदर सिंह को वियतनाम से डिपोर्ट किया गया था। दस्तावेज से पता चला कि उसके पासपोर्ट पर वियतनाम का फर्जी वीजा लगा हुआ था। इमिग्रेशन की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता के तहत पहली एफआईआर एयरपोर्ट थाने में दर्ज की गई। आरोपी यात्री करमिंदर सिंह को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने बताया कि उसके गांव के कई लोग रोजगार के लिए कनाडा गए हुए हैं। कनाडा जाने के लिए उसने जगजीत सिंह उर्फ जग्गी नामक एजेंट का नंबर इंटरनेट से लिया। उसने 24 लाख रुपये में करमिंदर को कनाडा भेजने का वादा किया। करमिंदर ने 10 लाख रुपये जगजीत सिंह और 14 लाख रुपये गुरनाम सिंह को दिए। गुरनाम ने यह राशि अपने बैंक खाते में जमा कराई और उसे जगजीत के बैंक खाते में भेज दिया। 28 जून को वह आईजीआई एयरपोर्ट से हनोई गया था, लेकिन वहां से फर्जी वीजा के चलते वापस भेज दिया गया। तकनीकी जांच की मदद से एसआई सरोज यादव और एएसआई प्रदीप की टीम ने छापा मारकर गुरदासपुर से गुरनाम सिंह को गिरफ्तार कर लिया। उसने बताया कि वह जगजीत सिंह के साथ बीते कुछ वर्षों से कबूतरबाजी कर रहा है। उसके इशारे पर ही यह फर्जी दस्तावेज उसने तैयार करवाए थे। इस काम के लिए उसे चार लाख रुपये मिले थे। उससे पता चला कि जगजीत को बीते 19 जून को एक अन्य कबूतरबाजी के मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है। जेल से इस मामले में उसकी गिरफ्तारी की गई।

दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट का पदार्फाश, डॉक्टर समेत सात गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अंतरराष्ट्रीय किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट का पदार्फाश किया है। क्राइम ब्रांच ने डॉक्टर समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है। दिल्ली पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि इस रैकेट के तार दिल्ली से लेकर बांग्लादेश तक जुड़े हैं।

जानकारी के अनुसार, जिन सात लोगों को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है, उनमें 50 साल की एक नामी डॉक्टर भी शामिल हैं। आरोपी डॉक्टर चेन्नई से तालुक रखती है, वह दिल्ली में रहकर ही इस अंतरराष्ट्रीय रैकेट से जुड़ी हुई थी। इसके अलावा उनके तीन अन्य साथियों को भी गिरफ्तार

किया है, जिसमें एक ट्रांसलेटर भी शामिल है।

डीसीपी अमित गोयल ने बताया कि किडनी ट्रांसप्लांट का ये अंतरराष्ट्रीय रैकेट था, जिसका भंडाफोड़ करते हुए मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा बांग्लादेश के तीन नागरिकों की गिरफ्तारी हुई है। ये लोग बांग्लादेश से ही किडनी के मरीज और डोनर को यहां लाते थे। वही मरीज और डोनर का सब कुछ देखते थे। इस रैकेट में शामिल एक डॉक्टर, एक ट्रांसलेटर और डॉक्टर के दो स्टाफ मेंबर समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बताया गया है कि महिला डॉक्टर 15-16 किडनी ट्रांसप्लांट करवा चुकी हैं।

डीसीपी के अनुसार, रैकेट चलाने वाला गिरोह बांग्लादेश के क्लीनिकों में ही मरीज की पहचान करते थे और किडनी ट्रांसप्लांट के लिए गरीबों से संपर्क करते थे। इसके बाद वह गरीबों को नौकरी और पैसों का झांसा देकर भारत लाते थे और यहां वह उनकी किडनी का ट्रांसप्लांट कराते थे। डीसीपी अमित गोयल ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर के दो बड़े नामी अस्पताल भी शक के दायरे में हैं। वह 20 से 30 लाख रुपये किडनी ट्रांसप्लांट करने के लेते थे। किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट साल 2019 से चल रहा था। फिलहाल दिल्ली पुलिस मामले में पूछताछ कर रही है।

इग्नू ने खाद्य सुरक्षा में स्नातक पाठ्यक्रम शुरू किया

नई दिल्ली। इग्नू के स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर ने खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता प्रबंधन में स्नातक पाठ्यक्रम शुरू किया है, जिसमें इसी सत्र से दाखिले लिए जाएंगे। यह कार्यक्रम अपनी तरह का पहला होगा जो खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता प्रबंधन में स्नातक डिग्री प्रदान करेगा, जिससे इसे एक विशिष्ट प्रयास के रूप में मान्यता मिलेगी। विश्वविद्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता प्रबंधन के क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन उत्पन्न करना, बहु-विषयक क्षेत्रों जैसे खाद्य विज्ञान, खाद्य प्रसंस्करण और खाद्य सुरक्षा में ज्ञान और कौशल को बढ़ाना और खाद्य प्रसंस्करण, खाद्य सुरक्षा और खाद्य ऑडिटिंग में स्व-रोजगार को बढ़ावा देना है। इसमें नामांकन के लिए अभ्यर्थी को 10+2 विज्ञान, कृषि विषय या इसके समकक्ष होना आवश्यक है। कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि तीन वर्ष है, लेकिन उम्मीदवार इसे आठ वर्षों के भीतर पूरा कर सकते हैं। इस कोर्स को यूजीसी के दिशानिर्देशों पर आधारित चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम के तहत विकसित किया गया है। खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता प्रबंधन में दाखिला के लिए अभ्यर्थी इग्नू की वेबसाइट आवेदन कर सकते हैं।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई–निविदा (इ–प्रोक्यूमेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिए वरिष्ठ मंडल अभियंता–III, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल मे ई–निविदा आमंत्रण।

कार्य का नाम	सहायक मंडल अभियंता/नई दिल्ली के तहत वरिष्ठ अनुभाग अभियंता/पी.वे./नई दिल्ली के अनुभाग में ट्रैक के किनारे कूड़ा–कचरा बीनना।
कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)	रु.79,77,512/– (उनासी लाख सत्ताहत्तर हजार पांच सौ बारह मात्र)
बयाना राशि (रुपये)	रु.1,59,600/– (एक लाख उनसठ हजार छह सौ रुपये मात्र)
निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये)	रु.0.00
निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	02.08.2024 को 15:00 तक।
वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	निविदा **www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध।
आवंटन	04–300–32

ठेकेदारो को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम) **IREPS)** साइट यानी **www.ireps.gov.in** के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेगी। निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।

निविदा संख्या : 128–डब्लू/280/ई–निविदा सूचना/22/2024–25/डब्लू–3
दिनांक : 09.07.2024 **2085/2024**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com

दिल्ली सरकार राजस्व जिलों के तर्ज़ पर महिला एवं बाल विकास जिला कार्यालयों को पुनः संगठित करेगी; प्रस्ताव मंजूरी के लिए एलजी के पास भेजा गया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली सरकार दिल्ली के 11 राजस्व जिलों के अनुरूप महिला एवं बाल विकास विभाग (डब्ल्यूसीडी) के जिला कार्यालयों के पुनर्गठन पर विचार कर रही है। इस संबंध में एक प्रस्ताव माननीय उपराज्यपाल को उनकी मंजूरी के लिए भेजा गया है। नए पुनर्गठित जिला कार्यालय नई दिल्ली, मध्य, उत्तर, उत्तर पश्चिम, पश्चिम, दक्षिण, दक्षिण पश्चिम, दक्षिण पूर्व, पूर्व, शाहदरा और उत्तर पूर्व होंगे। इस निर्णय का उद्देश्य सभी विभागों के बीच एक एकीकृत और समन्वित प्रणाली सुनिश्चित करना, प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना और योजना कार्यान्वयन को बेहतर बनाना है।

एक बयान में, दिल्ली के महिला एवं बाल विकास मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा ह्लजिला कार्यालयों का पुनर्गठन सामाजिक सुरक्षा और कल्याणकारी सेवाएं प्रदान करने के लिए हमारे प्रशासनिक ढांचे को अनुकूलित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। इससे योजनाओं के सुचारू समन्वय और कार्यान्वयन में सुविधा होगी, जिससे विभाग और लाभार्थियों दोनों के लिए प्रक्रिया अधिक सरल हो जाएगी। राजस्व जिलों के साथ तालमेल बिठाकर हम संसाधनों का बेहतर आवंटन और कार्यक्रम का लक्ष्यीकरण सुनिश्चित कर पायेंगे।

महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यालयों को वर्तमान राजस्व जिला सेटअप के साथ फिर से संरेखित करने का निर्देश काफी विचार-विमर्श के बाद किया गया है। 11 नए पुनर्गठित जिला कार्यालयों की स्थापना के साथ, डब्ल्यूसीडी विभाग अब वित्तीय सहायता योजनाओं जैसे कि संकटग्रस्त महिलाओं के लिए दिल्ली पेंशन योजना, विधवा बेटी विवाह सहायता योजना, लाडली योजना, महिला कल्याण और बच्चो से संबंधित सभी सेवाओं को अधिक कुशलता से लागू कर सकता है।

प्रत्येक नए संरेखित जिला कार्यालय द्वारा कवर किए गए विधानसभा क्षेत्र इस प्रकार हैं:

1.नई दिल्ली: दिल्ली छावनी, राजेंद्र नगर, नई दिल्ली और आरके पुरम।

2.सेंट्रल दिल्ली: बुराड़ी, तिमारपुर, सदर बाजार, चांदनी चौक, मटिया महल, बल्लीमारान और करोल बाग विधानसभा क्षेत्र।

3. उत्तर: आदर्श नगर, बादली, बवाना, नरेला और मॉडल टाउन।

4. उत्तर पश्चिम: रिठाला, मुंडका, किरारी, सुल्तानपुर माजरा, मंगोलपुरी, शालीमार बाग, त्रिनगर, रोहिणी, शकूर बस्ती और वजीरपुर।

5.पश्चिम: नांगलोई जाट, मोती नगर, मादीपुर, राजौरी गार्डन, तिलक नगर, हरि नगर और पटेल नगर विधानसभा क्षेत्र।

6. दक्षिण: मालवीय नगर, महरौली, छतरपुर, देवली, अंबेडकर नगर और ग्रेटर कैलाश विधानसभा क्षेत्र।

7. दक्षिण पश्चिम: विकास पुरी, उत्तम नगर, द्वारका, मटियाला, नजफगढ़, बिजवासन, पालम और जनकपुरी।

8. दक्षिण पूर्व: जंगपुरा, कस्तूरबा नगर, संगम विहार, कालकाजी, बदरपुर, तुगलकाबाद और ओखला।

9. पूर्व: त्रिलोकपुरी, कोंडली, पटपड़गंज, लक्ष्मी नगर, कृष्णा नगर और गांधी नगर।

10. शाहदरा: विश्वास नगर, शाहदरा, सीमापुरी, रोहतास नगर और बाबरपुर।

11. उत्तर पूर्व: सीलमपुर, गोंडा, गोकलपुर, मुस्तफाबाद और करावल नगर। इस पुनर्गठन से डब्ल्यूसीडी की प्रशासनिक दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे दिल्ली भर में कल्याणकारी योजनाओं का अधिक प्रभावी वितरण सुनिश्चित होगा।

दिल्ली सरकार में बड़े लेवल पर ट्रांसफर-पोस्टिंग, दास कैडर के 146 अफसरों का तबादला

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली सरकार के एडहॉक दानिक्स से लेकर दास कैडर के ग्रेड-क् ग्रेड-क्क लेवल के अधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग का सिलसिला जारी है। 3 दिन पहले भी ग्रेड-क के 22 अफसरों के तबादले किए गए थे। वहीं, सोमवार को ग्रेड-क्कलेवल के 146 अधिकारियों की बड़े स्तर पर ट्रांसफर/पोस्टिंग की गई है। सर्विसेज विभाग के डिप्टी सेक्रेटरी की ओर से जारी किए गए ट्रांसफर पोस्टिंग के आदेशों में विजिलेंस क्लीयरेंस को लेकर भी कई सख्त निर्देश दिए गए हैं।

ग्रेड 2 और असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर्स लेवल के जिन अधिकारियों के ट्रांसफर पोस्टिंग आर्डर जारी किए गए हैं, उनमें खासतौर पर डायरेक्टोरेट ऑफ सेंशस ऑपरेशंस, फूड एंड सप्लाई डिपार्टमेंट, ट्रेड एंड टैक्स, ट्रांसपोर्ट, रजिस्ट्रार को-ऑपरेटिव सोसाइटी, लेबर डिपार्टमेंट, एजुकेशन, डायरेक्टरेट ऑफ एग्रीकल्चर मार्केटिंग, डायरेक्टरेट ऑफ हेल्थ सर्विसेज, लैंड एंड बिल्डिंग, डीएसएसएसबी, रोजगार निदेशालय, सेंट्रल जेल, सीईओ, समेत और तमाम विभाग प्रमुख रूप से शामिल हैं। डिप्टी सेक्रेटरी की ओर से सीरियल नंबरों का भी जिक्र करते हुए (74 से 146 तक) ग्रेड-क्क/एएसओ लेवल अधिकारियों को लेकर विभागाध्यक्षों से यह सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया है कि ट्रांसफर होने वाले अधिकारी की विजिलेंस रिपोर्ट क्लियर हो। अगर उक्त अधिकारियों के खिलाफ कोई सतर्कता का मामला लंबित/विचाराधीन है तो तीन दिनों के भीतर सर्विसेज विभाग को रिपोर्ट की जाए। इस तरह के अधिकारियों को उस विभाग में ज्वाइनिंग के लिए रिलीव नहीं किया जाएगा, जहां उसका ट्रांसफर आदेश जारी किया गया है। इन सभी 146 अधिकारियों में से जो मौजूदा समय में सर्विसेज विभाग और सतर्कता निदेशालय में तैनात हैं, उनको छोड़कर बाकी उन सभी अधिकारियों को 15 जुलाई से रिलीव किया जाएगा। जिनकी विजिलेंस रिपोर्ट क्लियर हैं। वहीं, विभाग ने ऐसे अधिकारियों को लेकर भी आदेश दिए हैं, जिनकी विजिलेंस रिपोर्ट क्लियर नहीं हैं। उन सभी अधिकारियों को तब तक डिपार्टमेंट से रिलीव नहीं किया जाए, जब तक उनकी विजिलेंस रिपोर्ट क्लियर नहीं हो जाए। विजिलेंस दृष्टिकोण से साफ अधिकारियों को 16 जुलाई से अपनी नई पोस्टिंग जगह/डिपार्टमेंट में ड्यूटी ज्वाइन करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा सर्विसेज विभाग ने दो अलग-अलग सर्कुलर (27 जुलाई 2016 और 6 सितंबर 2017) का भी हवाला देते हुए साफ और स्पष्ट कर दिया कि अगर कोई भी अधिकारी जिसका ट्रांसफर हुआ है, वो इसके खिलाफ कोई रिप्रिजेंटेशन/रिक्वेस्ट देना चाहता है तो पहले उसको जारी ट्रांसफर ऑर्डर का पालन करना अनिवार्य होगा।

डॉक्टर सुसाइड केस में आप विधायक प्रकाश जारवाल की सजा की अवधि पर सुनवाई टली

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने डॉक्टर सुसाइड मामले में दोषी करार दिए गए आम आदमी पार्टी के देवली से विधायक प्रकाश जारवाल की सजा की अवधि पर सुनवाई टाल दिया है। स्पेशल जज कावेरी बावेजा ने अगली सुनवाई 30 जुलाई को करने का आदेश दिया है।आज विधिक सहायता प्राधिकार ने दोषियों की भुगतान क्षमता और पीड़ित पर हुए प्रभाव का आकलन संबंधी रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल किया। इसके पहले 18 मई को दिल्ली पुलिस की ओर से इस मामले की पैरवी करने में अभियोजन पक्ष की ओर से आए खर्च का ब्यौरा देते हुए हलफनामा दाखिल किया गया था।

बता दें कि कोर्ट ने 28 फरवरी को तीनों आरोपियों को दोषी करार दिया था। कोर्ट ने प्रकाश जारवाल और कपिल नागर को भारतीय दंड संहिता की धारा 306, 34, 120बी, 386, 506 और 511 के तहत दोषी करार दिया था। कोर्ट ने हरीश कुमार जारवाल को भारतीय दंड संहिता की धारा 506 के तहत दोषी करार दिया था। इस मामले में कोर्ट ने हरीश जारवाल को धारा 306 और 386 के आरोपों से मुक्त कर दिया जबकि धारा 506 का आरोप तय करना का आदेश दिया था। 28 अगस्त 2021 को दिल्ली पुलिस ने प्रकाश जारवाल समेत तीन आरोपियों के खिलाफ पूरक चार्जशीट दाखिल किया था। इस मामले में प्रकाश जारवाल के अलावा कपिल नागर और हरीश कुमार जारवाल को आरोपी बनाया गया था। 18 अप्रैल 2020 को डॉक्टर राजेंद्र सिंह ने खुदकुशी कर ली थी। डॉक्टर ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी की थी। पुलिस ने डॉक्टर के यहां दो पेज का एक सुसाइड नोट बरामद किया था। सुसाइड नोट में प्रकाश जारवाल और कपिल नागर को जिम्मेदार ठहराया था। पुलिस ने एक डायरी भी बरामद की थी। जिसमें डॉक्टर के कुछ पानी के टैंकर जल बोर्ड में चलने की बात कही गई थी। डायरी में उन टैंकर्स के लिए प्रकाश जारवाल पर पैसे मांगने का आरोप लगाया गया था।

लूट मे वंचित 25000 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

स्योहारा। पिछले दिनों थाना क्षेत्र के ग्राम सिपाहीवाला में हुई लूट की वारदात के दो अभियुक्तों को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार करने में पुलिस को बड़ी सफलता मिली।जानकारी के अनुसार पिछले दिनों ग्राम सिपाहीवाला में फुरकान के यहां लूट हुई थी। जिसमें अपराधियों ने फुरकान को गोली मारकर घायल कर दिया था। इस लूट का एक अभियुक्त अकरम पुत्र हसीनुद्दीन को पुलिस ने लूट गए 50000 के साथ पकड़कर गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है अन्य फरार अभियुक्त में वसीम उर्फ गलकट पुत्र फुरकान को उसके एक साथी समीर पुत्र फुरकान निवासी बंदूकचियान धामपुर सहित को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस ने सोमवार को 315 बोर का तमंचा , दो जिंदा कारतूस तथा समीर के पास से भी 315 बोर का तमंचा, चाकू और लूट में प्रयुक्त किया गया सामान भी बरामद किया तथा इनके पास से दो अंगूठी, दो टॉपस पीली धातु , दो लौंग, चार जोड़ी बिछुए तथा पाजेब सफेद धातु बरामद किए हैं। पुलिस के पकड़े जाने के बाद वसीम टॉयलेट जाने के बहाने भगाने का प्रयास कर रहा था परंतु उसके गिर जाने पर उसे चोट आई है। जिसका इलाज सीएचसी स्योहारा में कराया गया। अभियुक्त और उसके एक अन्य साथी को गिरफ्तार करने में मिली बड़ी सफलता में थाना प्रभारी जीत सिंह की अगुवाई में वरिष्ठ उप निरीक्षक सुरजीत सिंह, उपनिरिक्षक,यशपाल सिंह , उपनिरिक्षक सुनील कुमार,हेड कांस्टेबल विपिन कुमार , का.पुष्पेंद्र सिंह,का. अंशुल कुमार , का. रजनीश कुमारकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है।थाना प्रभारी ने बताया कि वसीम उर्फ गलकट का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है इस पर विभिन्न थानों के 30 से भी अधिक मुकदमे दर्ज हैं और यह हिस्ट्रीशीटर है और इसके ऊपर 25000 का इनाम भी घोषित किया हुआ है।

पूर्व क्रिकेटर युवराज ने बिल्डर के खिलाफ याचिका दाखिल की

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह की याचिका पर एक रियल एस्टेट फर्म ब्रिलियंट एटोइल प्राइवेट लिमिटेड को नोटिस जारी किया है। याचिका में युवराज ने अपने बीच विवादों के निपटारे के लिए मध्यस्थ की नियुक्ति की मांग की है। न्यायमूर्ति सी. हरि शंकर की पीठ ने याचिका पर सुनवाई की। युवराज सिंह ने वर्ष 2021 में दिल्ली के हौजखास में एक फ्लैट बुक किया था। उस समय फ्लैट की कीमत 14 करोड़ 10 लाख रुपये थी। पूर्व क्रिकेटर को नवंबर 2023 में कब्जा पत्र मिला, लेकिन जब उन्होंने संपत्ति का निरीक्षण किया तो निर्माण घटिया गुणवत्ता का पाया गया। सिंह का आरोप है कि बिल्डर ने सामग्री की गुणवत्ता से समझौता किया है। इतना ही नहीं, अपार्टमेंट की साज-सज्जा, लाइटिंग व फिनिशिंग की गुणवत्ता भी कमतर है। युवराज ने फ्लैट की डिलीवरी में देरी और निर्माण के साथ साज-सज्जा में घटिया सामग्री के इस्तेमाल के एवज में बिल्डर से हजार्ने की मांग की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि डेवलपर ने उनके ब्रांड मूल्य का दुरुपयोग किया है। समझौते की अवधि से अलग उनके व्यक्तिगत अधिकारों का उपयोग कर शर्तों का उल्लंघन किया है। समझौता पत्र के अनुसार नवंबर 2023 के बाद परियोजना को बढ़ावा देने के लिए सिंह की तस्वीरों का इस्तेमाल नहीं किया जाना था, लेकिन बिल्डर ने इसके बाद भी बिलबोर्ड, परियोजना स्थल, सोशल मीडिया पोस्ट, लेख आदि का इस्तेमाल जारी रखा।

एलजी दिखाएं मानवता, महीनों से सड़कों पर बैठे बस मार्शलों की नौकरी करें बहाल- आप

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी ने महीनों से सड़कों पर बैठे बस मार्शलों की नौकरी बहाल करने की एलजी से अपील की है। आप के वरिष्ठ नेता संजीव झा ने कहा कि बस मार्शल गरीब परिवारों से आते हैं, अब उन्हें परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। इसलिए एलजी साहब को उनके परिवार को ध्यान में रखते हुए मानवता के आधार पर उनकी नौकरी बहाल कर देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एलजी साहब के आदेश पर ही 10 हजार बस मार्शलों की नियुक्ति को रद्द कर दिया गया था। फरवरी 2024 में बस मार्शलों की सेवाएं जारी रखने के लिए विधानसभा में प्रस्ताव पास कर एलजी साहब को भेजा गया था, लेकिन उनकी बहाली नहीं हुई। एलजी साहब से अपील है कि अगर राजनैतिक बदला लेना है तो आम आदमी पार्टी से लीजिए। बस मार्शलों ने आपका क्या बिगाड़ा है? वहीं, कुलदीप कुमार ने अपील करते हुए कहा कि हम एक बार फिर एलजी साहब से बस मार्शलों की नौकरी बहाल करने की मांग करते हैं, ताकि वो दिल्लीवालों को अपनी सेवाएं दे पाएं। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं विधायक संजीव झा और कुलदीप कुमार ने बस मार्शलों को लेकर मंगलवार को संयुक्त प्रेसवार्ता की। विधायक संजीव झा ने कहा कि सिविल डिफेंस वालेंटियर्स महीनों से अपनी नौकरी की जायज मांग को लेकर सड़कों पर बैठे हैं। आम आदमी पार्टी पहले भी कई बार इस पर अपनी चिंता जाहिर कर चुकी है। 11 मई 2015 को हुई एक बैठक में गृह मंत्री ने कहा था कि बस मार्शल की तैनाती होनी चाहिए। पहले यह तय हुआ कि होम गार्ड को बस मार्शल के तौर पर रखा जाएगा, लेकिन लगातार बैठकों के बाद भी जब होम गार्ड की नियुक्ति नहीं हो पा रही थी, तो बाद में यह फैसला किया गया कि सिविल डिफेंस वालेंटियर्स को बस मार्शल के तौर पर तैनात किया जाएगा। इसके लिए परिवहन मंत्री ने सिविल डिफेंस वालंटियर्स की नियुक्ति को लेकर आदेश पारित किया। लगातार बैठकों के बाद पहले 4000 फिर 9000 और बाद में 10,000 बस मार्शलों को नियुक्त किया गया। इन बस मार्शलों ने बसों में लोगों की सुरक्षा की दृष्टि से बेहतरीन काम किया। लेकिन जिस तरह दिल्ली की कल्याणकारी योजनाओं के साथ दिल्ली के एलजी के निर्देश पर अधिकारियों द्वारा सौतेला व्यवहार किया जाता रहा है, उसी तरह बस मार्शल के तौर पर तैनात इन सिविल डिफेंस वालंटियर्स की नियुक्ति को भी रद्द कर दिया गया।

संजीव झा ने बताया कि 29 अगस्त 2023 को परिवहन विभाग के प्रधान सचिव ने नोट जारी करते हुए कहा कि बस मार्शल के रूप में तैनात इन सिविल डिफेंस वालंटियर्स की अब कोई जरूरत नहीं है। क्योंकि अब आधुनिक सुविधाओं से लैस दिल्ली की बसों में सुरक्षा संबंधी सभी तकनीकी सुविधाओं और कैमरों की व्यवस्था कर दी गई हैं। लेकिन परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने इस पर आपत्ति जताते हुए साफ निर्देश दिए कि बस मार्शल उसी तरह से काम करते रहेंगे। इसके लिए उन्होंने 25 सितंबर 2023 को एक बैठक बुलाई, जिसमें परिवहन विभाग के प्रधान सचिव, राजस्व विभाग के सेक्रेटरी समेत सभी संबंधित अधिकारी भी शामिल थे। बैठक में कैलाश गहलोत ने अधिकारियों को साफ निर्देश दिए कि बस मार्शल इसी तरह से आगे भी काम करते रहेंगे और उनकी बकाया सैलरी भी उन्हें दी जाए। लेकिन एलजी साहब के निर्देश पर इन अधिकारियों का रवैया लगातार ढीला-ढाला रहा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और तमाम मंत्रियों के निर्देश और नोट के बाद भी बस मार्शलों की तैनाती बहाल नहीं की गई और उनके बकाया वेतन का भी भुगतान नहीं किया गया।

संजीव झा ने कहा कि 29 फरवरी को दिल्ली विधानसभा के चीफ विप दिलीप पांडे ने बस मार्शलों के लिए सदन में प्रस्ताव रखा। सदन में बस मार्शल के तौर पर काम कर रहे सिविल डिफेंस वालंटियर्स की बहाली का प्रस्ताव पास कर एलजी के पास भेजा गया। लेकिन बड़े दुर्भाग्य की बात है कि आज भी ये बस मार्शल अपनी मांग को लेकर बैठे हैं। दिल्ली सरकार के आदेश के बावजूद उनकी नियुक्ति नहीं हो पाई है। दिल्ली सरकार के मंत्री और विधानसभा के सभी सदस्यों द्वारा यह प्रस्ताव पास करवाने के बावजूद बदले की राजनीति के तहत आज सिविल डिफेंस वालंटियर्स की नौकरी छीन ली गई है। ये सिविल डिफेंस वालंटियर्स बहुत साधारण परिवार से आते हैं और यह उनकी आजीविका के लिए भी जरूरी है। आज ये सभी लोग अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए मोहताज हैं। अगर एलजी साहब को आम आदमी पार्टी के साथ बदले की राजनीति करनी है तो करें, लेकिन इसमें दिल्ली की जनता की क्या गलती है? इन बस मार्शलों के गरीब परिवारों ने आपका क्या बिगाड़ा है? कम से कम उस परिवार का भरण-पोषण हो सके। इसे ध्यान में रखते हुए आप बस मार्शलों की नियुक्ति को बहाल करें। ये बस मार्शल ठंडी-गर्मी की परवाह न करते हुए लगातार अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर बैठे हैं।

महिला के मर्डर में आजीवन कारावास क्राइम ब्रांच ने किया गिरफ्तार

संवाददाता

क्राइम ब्रांच के नॉर्दर्न रेंज एक की टीम ने हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा पा चुके एक पैरोल जंपर को गिरफ्तार किया है। जो 3 साल से फरार चल रहा था और दिल्ली पुलिस इसकी तलाश कर रही थी। जब इसे 2001 में कुछ समय के लिए पैरोल मिला था, तो उसके बाद यह वापस जेल में सिलेंडर करने की बजाय फरार हो गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अशरफ के रूप में हुई है,यह दिल्ली के चांदनी महल इलाके का रहने वाला है.

डीसीपी सतीश कुमार ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि एसीपी विवेक त्यागी की देखरेख में इंस्पेक्टर अजय कुमार, पुखराज, सब इंस्पेक्टर सीताराम, खुशबू, हेड कांस्टेबल विकेश, सत्यव्रत, मुकेश, कपिल और लेडी हेड कांस्टेबल कुसुम की टीम ने टेक्निकल सर्विलांस और इनफॉर्मर की मदद से इसके बारे में पता लगाना शुरू किया था। और आखिरकार पूरी जानकारी मिलने के बाद इसे पकड़ा।

पुलिस के अनुसार इस पर एक महिला को जलाकर मारने का आरोप है। लगभग 14 साल पहले इसपर हत्या का मामला चांदनी माल थाना में दर्ज हुआ था। 2021 में इसे 8 सप्ताह के लिए पैरोल मिला था, जब देश में कोविड महामारी फैली हुई थी। इसे 10 अप्रैल 2023 को कोर्ट में सरेंडर करना था, लेकिन यह तब से फरार था। यह पहले से भी एनडीपीएस, चोरी और आर्म्स एक्ट के आधा दर्जन मामलों में शामिल भी रहा है।

हरियाणा बॉर्डर पार करते दिल्ली में पकड़ा शराब से भरी कार

संवाददाता

कापसहेड़ा थाना की पुलिस टीम ने शराब तस्करी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इसके पास से 1000 क्वार्टर शराब का बरामद किया गया है। जो 20 पेटियों में छुपाकर रखा गया था। शराब तस्करी में इस्तेमाल कार को भी पुलिस ने जप्त कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अवधेश यादव के रूप में हुई है। यह कापसहेड़ा गांव का रहने वाला है।

डीसीपी रोहित मीणा ने बताया कि शराब की खेप हरियाणा से गाड़ी में भरकर लाया गया था। लेकिन एसएचओ नवीन कुमार की देखरेख में पुलिस टीम ने गाड़ी को उस समय ट्रैक कर लिया जब गाड़ी में शराब की पेटियां भरकर गुरुग्राम से दिल्ली में घुसा था। उसमें से 20 कार्टून शराब का बरामद किया, जिसके अंदर 1000 क्वार्टर भरे हुए मिले। आरोपी के खिलाफ दिल्ली एक्साइज एक्ट के तहत मामला भी दर्ज किया गया।

स्नेचिंग के मामले में वांटेड को पुलिस ने दबोचा

द्वारका जिला के एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड की पुलिस टीम ने स्नेचिंग के मामले में फरार चल रहे एक वांटेड को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान आकाश के रूप में हुई है। यह आनंद विहार, अर्जुन पार्क, नांगलोई मेट्रो स्टेशन के पास का रहने वाला है। अभी यह अपना ठिकाना बदलकर उत्तम नगर इलाके में लेबर के रूप में काम कर रहा था। पहले से यह विकासपुरी और नजफगढ़ थाना के सात मामलों में शामिल रहा है। डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि कोर्ट के द्वारा भगोड़ा घोषित आरोपियों के बारे में पता लगाकर उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम को लगाया गया है। उसी कड़ी में एसीपी राम अवतार की देखरेख में इंस्पेक्टर कमलेश कुमार, हेड कांस्टेबल राजेश, संदीप की टीम ने इसके बारे में जानकारी इकट्ठा की और फिर इसे नगली इलाके से गिरफ्तार किया।

जलुस मे इमामे हुसैन अ0स0 की आमद का मनजर पेश

प्रात : किरण संवाददाता

नौगावां सादात।जोश और खलुस और अश्क बार आंखों से अजादारो ने अजादारी मे शिरकत की दो मोहर्रम का जुलूस अंनजुमने आबदिया रजी० ने अपनी सुप्रीम पावर कमेटी और ओहदेदारो के ततवाधान मे 1:00 बजे दिन इमामबाड़ा हटीली से बरामद किया जुलूस की शुरूआत मौलाना के बयान से हुई जिसमें उन्होंने कहा कि इमामे हुसैन अलैहिस सलाम ने अपने नाना हजरत मोहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहु अलैहि वाले हीवसल्लम की सुन्नत पर चलते हुए उनके दीन को बचाने के लिए अपने घर व वतन को छोड़ दिया और दो मोहर्रम ६१ हिजरी को कर्बला में वारिद हुए और अपने सफर में दीन ईस्लाम को आम करते हुए लोगों को अमन और सलामती का पैगाम देते रहे तकरीर के बाद जलुसे अजा बरामद हुआ। मिट्टी उठाके हाथ में बोले यह शाहेदी ऐ अरजे कर्बला तेरा मेहमान आ गया।जिसमें सबसे आगे परचमे ईस्लाम उसके पीछे जुलजना इमाम हुसैन अ०स० बरामद किया गया।इस जुलूस मे इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम की कर्बला में आमद का मंनजर पेश किया गया , इसमें 18 अलम 18 जुलजना और 7 अमारियों का मंनजर पेश किया गया जुलूस में सैयद मंजर अब्बास, अली अब्बास, शबाब हैदर , आशु, अली आबिद, जहीर अब्बास,अली नवाज ने नौहेखवानी की यह जलुस गुला तालाब, हफ्ता बाजार, दौलत शाहीद, कटकुई, फकरपुरा, मंगल का बाजार, हुसैनी चौक पीडबलूडी रोड, मौलाना सिबते नबी रोड, शाहफरीद, बाजार, पापड़ी, अलीनगर आबू मोहम्मद इंटर कॉलेज,बुध बाजार होता हुआ शाम को वापस इमामबाड़ा पर आकर समाप्त हुआ, जुलूस का संचालन मास्टर अली हैदर और करामत अली ने हुसनो खुबी के साथ किया इस जुलूस में अंजुमन के ओहदेदार और मिमबरान मौजूद रहे।

लिंटर के नीचें दबने से बुजुर्ग की मौत एक घायल

स्योहारा। पिछले कई दिनों से हो रही बारिश से अब जहां खेत,खलियान आदि भी जल मग्न हो चले है तो वहीं कच्चे और जर्जर घर और मकान भी गिराऊ हो चले हैं शुक्रवार से लगातार हो रही बारिश ने एक परिवार पर कहर ढा दिया। आज दोपहर ग्राम मंडोरी में उस समय अफरा तफरी मच गई जब एक मकान का लिंटर अचानक गिर गया और उसके नीचे बैठे मकान स्वामी बुजुर्ग की मौत हो गई और एक अन्य युवक घायल हो गया। थाना क्षेत्र की ग्राम मंडोरी निवासी राम राज सैनी(65) पुत्र मंगल सिंह सोमवार की दोपहर अपने घर के बरामदे में बैठे गांव के ही राजबीर (24) पुत्र ऋषिपाल से बात कर रहे थे की तभी अचानक मकान का पूरा लिंटर भर भराकर उनके ऊपर आ गिरा जिसकी वजह से जहां बुजुर्ग राम राज की मौके पर ही दबकर मौत हो गई तो साथ ही राजबीर घायल हो गया। घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। जैसे ही इस घटना का पता ग्राम प्रधान मंडोरी मौहम्मद यामीन को लगा तो उन्होंने तुरंत संबंधित विभाग को घटना की सूचना देकर अवगत कराया कराया।

एलजी ने किया पब्लिक एम्यूजमेंट पोर्टल का शुभारंभ, ऑडिटोरियम और पार्लर्स सहित कई तरह के लाइसेंस लेना होगा आसान

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली नगर पालिका परिषद के कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने पब्लिक एम्यूजमेंट पोर्टल का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि दिल्ली की अर्थव्यवस्था और उद्यमियों के लिए बेहद खास है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस तथा कारोबार को लॉन्च किए गए पोर्टल से अभूतपूर्व प्रोत्साहन मिलेगा। एलजी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी की ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के प्रति गंभीरता ने देश में बिजनेस एनवायरनमेंट को पिछले दस सालों में काफी कंडक्टिव बनाया है। इससे न सिर्फ अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है, बल्कि रोजगार का सृजन भी हुआ है। इसी से प्रेरणा लेते हुए हमने देश की राजधानी दिल्ली में पिछले दो वर्षों में अनेक बिजनेस फ्रेंडली कदम उठाए हैं। आप सभी को मालूम है कि पहले व्यापार शुरू करने के लिए जो लाइसेंसिंग प्रक्रिया थी, वो बहुत लंबी और थका देने वाली थी, जिसमें समय और धन, दोनों की ही बबार्दी होती थी। आज लॉन्च किए गए पब्लिक एम्यूजमेंट पोर्टल से अब उद्यमियों को इन परेशानियों से छुटकारा मिल जाएगा। इस पोर्टल से कई तरह के लाइसेंस पाना हो जाएगा आसान

अब इससे ऑडिटोरियम, एम्यूजमेंट पार्क, वीडियो गेम, पार्लर्स, म्यूजिकल सेंटर्स, पब्लिक थिएटर परफॉर्मेंस, रामलीला का मंचन, सर्कस और कुश्ती जैसी परफॉर्मेंस के लिए लाइसेंस पाना काफी आसान हो जाएगा। इन सभी के लिए नए रेगुलेशन का नोटिफिकेशन पिछले वर्ष अक्टूबर में जारी किया गया था और आज दिल्ली की इकोनॉमी को मजबूत करने की दिशा में इस पोर्टल की शुरूआत यहां पर की गई है, उसके लिए मैं दिल्ली पुलिस को बधाई देता हूं।

पोर्टल के जरिए व्यापारियों को भी मिलेगा फायदा

अब इस पोर्टल के जरिए लाइसेंस और इससे संबंधित दूसरी जरूरी मंजूरी या एनओसी को ऑनलाइन प्रक्रिया के तहत आसानी से हासिल किया जा सकेगा। इससे न सिर्फ बिजनेस को आसान बनाने में मदद मिलेगी, बल्कि व्यापारियों को भी फायदा पहुंचेगा। इससे समयबद्ध तरीके से पारदर्शिता के साथ लाइसेंस जारी किए जा सकेंगे, जिससे भ्रष्टाचार पर भी लगाम लगाने में मदद मिलेगी। एलजी सक्सेना ने आगे कहा कि आप सभी को पता है कि पिछले दो वर्षों में हमनें दिल्ली में ईजी ऑफ डूइंग बिजनेस के अलावा यहां नाइट लाइफ और रात की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं।

700 कमर्शियल इस्टाब्लिशमेंट को 247 के आधार पर काम करने की छूट

दिल्ली में इससे पहले ईटिंग, लोडिंग और बोर्डिंग एस्टिब्लिसमेंट के लिए शुरू किए गए यूनिफाइड पोर्टल ने भी राजधानी में व्यापार को आसान बनाने के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं। इसके अलावा राजधानी में पांच सितारा और चार सितारा होटल में खाने-पीने की सुविधा अब 24 घंटे उपलब्ध है। रेस्टोरेंट को भी रात एक बजे तक काम करने की इजाजत दी गई है। इस सुविधा से यहां आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों को एक नया अनुभव मिल रहा है। सक्सेना ने कहा कि मुझे यहां पर यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पिछले दो वर्षों में लॉजिस्टिक और कोरियर सर्विस, रिटेल व्यापार, स्टोर मैंजनेंट सर्विसेज से संबंधित करीब 700 कमर्शियल इस्टाब्लिशमेंट को 247 के आधार पर काम करने की छूट दी गई है।

संक्षिप्त खबरें

बाइक की टक्कर में बाइक चालक हुआ घायल

जमुई [झाझा] सोनो प्रखंड क्षेत्र के लोहा गांव के पास दो बाइक की टक्कर में एक बाइक चालक घायल हो गया। घायल बाइक चालक की पहचान जोगटिया गांव के रहने वाले टिंकू कुमार के रूप में हुई है जिसका इलाज रेफरल अस्पताल झाझा में हुआ। घायल टिंकू ने बताया कि मै चापाकल मिस्त्री हूं और अपने घर से अमझरी चापाकल बनाने के लिए बाइक से जा रहा था कि तभी लोहा गांव के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक चालक ने मेरे बाइक में टक्कर मार दिया जिसमे मैं घायल हो गया।

पेड़ से गिरकर एक व्यक्ति हुआ घायल

जमुई [झाझा] गोंगाकुरा गांव में नीम के ऊंचे पेड़ से नीचे गिरने से एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल व्यक्ति की पहचान लालु यादव के रूप में हुई है। जिसे परिजनों की मदद से इलाज के लिए रेफरल अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां डॉक्टर ने उसका इलाज किया। घायल ने बताया कि दातुन तोड़ने के लिए नीम के पेड़ पर चढ़ा दातुन तोड़ते वक्त अचानक ठहनी से पैर फिसल गया जिसके कारण वही नीचे जमीन पर गिरकर घायल हो गया।

अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर रोगी कल्याण समिति की हुई बैठक

जमुई [झाझा] रेफरल अस्पताल के विकास कार्य एवं सही रूप से संचालन को लेकर र मंगलवार को प्रखंड कार्यालय में रोगी कल्याण समिति की एक बैठक आयोजित कि गई। बैठक की अध्यक्षता बीडीओ सह रोगी कल्याण समिति के अध्यक्ष रविजी के द्वारा किया गया। जिसमे सचिव सह प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अरूण कुमार भी मौजूद रहे जबकि रोगी कल्याण समिति के सदस्य प्रखंड कल्याण पदाधिकारी , डॉ नबाब, और पीएचईडी विभाग के कनीय अभियंता की उपस्थिति नही होने पर उन तीनों के खिलाफ स्पष्टीकरण मांगे जाने की बात बैठक में हुआ। बैठक में अस्पताल में सीसीटीवी कैमरा, साफ- सफाई, मरीजों को मिलने वाली भोजन में गुणवता, बिजली व्यवस्था, जर्जर भवन की मरम्मती की भी बात को सदस्यों ने अध्यक्ष एवं सचिव के समक्ष रखा। वही बैठक में प्रखंड क्षेत्र में पद से अधिक आशा की बहाली का मुददा उठा। अध्यक्ष ने बताया कि यह अजीब मामला बैठक में सामने आया जिसमें आशा की स्वीकृति पद 239 है और क्षेत्र में 274 आशाकर्मी कार्य कर रही है जिसकी जांच कि जाएगी साथ ही अगले 15 दिन में अस्पताल में सभीपंजी का अवलोकन भी किया जाएगा।

भाईचारे के साथ आपस में मिलजुल कर मनाएं मुहर्रम

जमुई/बरहट। मोहर्रम पर्व को लेकर बरहट थाना परिसर में मंगलवार को शांति समिति की बैठक थानाध्यक्ष कुमार संजीव की अध्यक्षता में हुई। बैठक मे क्षेत्र के पंचायत के जनप्रतिनिधियों, पूजा समिति सदस्यों पुलिस पदाधिकारियों ने भाग लिया। थानाध्यक्ष ने कहा कि 17 जुलाई को मोहर्रम पर्व है। सभी लोग मिलजुल कर शांतिपूर्वक पर्व त्योहार को मनाएं। डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध है।जूलूस निर्धारित रुट से निकलेगी। इस दौरान पुलिस बल मौजूद रहेगी। सभी धर्म के लोग आपस में मिलजुल कर भाईचारे के साथ एक दूसरे के पर्व त्योहार को मनाने में सहयोग करें। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि के साथ गुगुलडीह, पेंधी, पांडो, पूणार्डीह आदि के समिति सदस्य, मुखिया प्रतिनिधि व अन्य प्रतिनिधि मौजूद थे।

मांगोबंदर मौरा भाया गिद्धौर बाईपास सड़क जर्जर

- खराब सड़क के कारण लोगों को होती है परेशानी
- गड्ढे में तब्दील सड़क दुर्घटना को दे रहा आमंत्रण

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई/गिद्धौर:- खैरा प्रखंड के मांगोबंदर मौरा भाया गिद्धौर मोड़ तक जानेवाली लाखों रुपये की लागत से बनी बायपास सड़क जगह-जगह से टूटकर गड्ढे में तब्दील हो गयी है। बताते चलें कि उक्त बाईपास सड़क निर्माण में घटिया मेटल का प्रयोग कर निर्माण कार्य मे पूर्व में अनियमितता बरतते हुए सड़क का निमार्ण विभागीय मानक को ताक पर रखकर करवाया गया था। जो जहां तहां से टूटकर बड़े बड़े गड्ढे में तब्दील हो इस सड़क पर सफर करनेवाले आम लोगों को दुर्घटना का आमंत्रण दे रही है। खैरा प्रखंड अंतर्गत पड़नेवाली यह महत्वपूर्ण सड़क मांगोबंदर,मौरा भाया गिद्धौर होते हुए वायपास मुख्य सड़क को जोड़ने का कार्य करती है। उक्त सड़क जीर्णोद्धार का कार्य ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल झाझा के पदाधिकारियों द्वारा बिना किसी देखरेख के ही संवेदक द्वारा धड़ल्ले से लीपा पोती कर कार्य करा दिया गया था। वहीं इस सड़क निर्माण कार्य को ले मौरा,धोबघट,बंधौरा,धनियांठीका, अलखपुरा एवं निजुआरा गांव के दर्जनों ग्रामीणो ने रोष प्रकट करते हुए कहा है कि विभागीय पदाधिकारी के उदासीनता के कारण निर्माण कार्य के वक्त संवेदक द्वारा सड़क निर्माण के समय घटिया तरीके से सड़क का निर्माण करा सरकारी राशि का बंदरबाट कर लिया जो अब जगह जगह से टूट चुकी है।स्थिति यह है कि इस सड़क पर सफर करने वाले ग्रामीणों एवं यात्रियों को यातायात से जुड़ी इस सड़क पर घोर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है व दुर्घटना की भी संभावना इस सड़क पर बनी हुई है। वहीं क्षेत्र के ग्रामीणों के आवागमन से जुड़ी इस जटिल समस्या को देखने वाला कोई नही। न तो विभाग के पदाधिकारीयों ने ही कभी कोई इस सड़क के विधि व्यवस्था को लेकर अपनी अभिरुचि दिखाई। वहीं आरटीआई कार्यकर्ता विमल मिश्रा,अजीत कुमार झा व किसान नेता कुणाल सिंह ने सड़क की दुर्दशा पर नाराजगी व्यक्त करते हुए विभागीय तंत्र पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सड़क की जर्जर स्थिति के कारण आमजन के साथ साथ ऑटो चालकों को भी काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। जिसकी सुधि लेने वाला कोई नहीं। उन्होंने शीघ्रातिशीघ्र सडक निर्माण की मांग रखी है ताकि आम आवाम के लिए आवागमन की सुविधा सुलभ हो सके। बहरहाल वर्तमान समय में स्थिति यह बनी हुई है कि यह सड़क आम लोगों के लिए परेशानी का सबब बनता जा रहा है। ग्रामीणों ने भी जिला प्रशासन से उक्त सड़क के मरम्मति की मांग की है।

मुहरर्म और श्रावणी मेला को ले की गई शांति समिति की बैठक

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] मंगलवार को थाना में मुहरर्म और श्रावणी मेला को लेकर शांति समिति की बैठक थानाध्यक्ष संजय सिंह की अध्यक्षता में कि गई। बैठक में बीडीओ रविजी, नप मुख्य पार्षद संजय यादव, उपमुख्य पार्षद विपीन साव भी मौजूद रहे। बैठक में बीडीओ ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह क्षेत्र हमेशा पर्व के समय में शांति व्यवस्था बनाए रखने में अपनी अहम भूमिका देती है।

इस बार भी मुहरर्म पर्व में लोग शांति व्यवस्था बनाए रखे और पुलिस प्रशासन, पदाधिकारी को सहयोग प्रदान करे। थानाध्यक्ष ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि श्रावणी मेला को लेकर झाझा थानाक्षेत्र के मनिकुरा, कपूर्री चैक और दादपुर मोड़ के पास कैंप रहेगा ताकि श्रावण माह में किसी को कुछ समस्या होती है तो उनकी समस्याओं का समाधान किया जा सके। इसके अलावे मुहरर्म पर्व पर उन्होनें कहा कि लोग तजीया और अखाड़ा निकालने वाले लाइसेंस अवश्य प्राप्त कर ले। इसके अलावे पर्व में या श्रावणी मेला के दौरान किसी भी तरह की कोई झूठी अफवाह में न फंसे। कोई झूठी अफवाह फैलाकर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की कोशिश करेगा तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई कि जाएगी। बैठक में सुबोध केशरी, हसन अखलाक, कारी अहमद, बबलू केशरी, पवन राम, पिंकू बरनवाल, बिटटू राम सहित कई बुद्धिजीवी एवं गणमान्य लोग मौजूद थे।

नगर क्षेत्र में शुरू हुआ अतिक्रमण हटाओ अभियान

प्रात : किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] मंगलवार को नगर परिषद कार्यालय की ओर से नगर क्षेत्र में अतिक्रमण हटाओ अभियान कार्यालय की सहायक लोक स्वच्छता अवशिष्ट प्रबंधन पदाधिकारी मोनिका कुमारी की अगुवाई में चलाया गया। इस दौरान झाझा पुलिस बल एवं नप के कर्मियों की उपस्थिति में जेसीबी मशीन की सहायता से भारत गैस ऑफीस रोड़ से की गई। अभियान की शुरूआत पिंटू फार्मा के बाहर से हुई जिसपर दुकानदार ने इस पर विरोध भी जताया परंतु पदाधिकारी का कहना था कि पांच दिन पूर्व इन लोगों को नोटिस रिसीव करा दी गई और नोटिस पर हस्ताक्षर भी है। पिंटू फार्मा के प्रोपराइटर ने भारत गैस ऑफीस को मोहल्लत दिए जाने और अन्य लोगों को मोहल्लत नही दिए जाने की दोहरी नीति पर सवाल उठाते हुए अपना गुस्सा जाहिर किया। जिसपर पदाधिकारी ने बताया कि गैस एंजेसी के मालिक नही है इसलिए उन्हे 24 घंटे का समय दिया गया है। प्रबंधन पदाधिकारी ने बताया कि नगर विकास एवं आवास विभाग का निर्देश है कि नगर को स्वच्छ अतिक्रमण मुक्त बनाए रखना है। अतिक्रमण की वजह से नालियां साफ नही हो पा रही है और सड़क भी सकरा होते जा रहा है। उन्होनें कहा कि यह अभियान नगर क्षेत्र में जारी रहेगा।

हरी सब्जियों के दामों में हुई वृद्धि से सब्जियां थालियों से हो रही गायब

प्रात : किरण, संवाददाता

सोनो जमुई क्षेत्रों में बिकने वाली हरी सब्जियों की किमतों में व्यापक उछाल आया है। जिस कारण आम लोगों की थालियों से हरी सब्जियां गायब होती जा रही है । साथ ही घरों का आर्थिक बजट बिगड़ने से लोगों को सब्जी की खरीदारी करने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है । क्योंकि तकरीबन सभी प्रकार की हरी सब्जियों पर प्रत्येक किलो 20 रुपए से लेकर 50 रुपए तक की बढ़ोतरी हुई है । जिसमें टमाटर , धनिया पत्ता शिमला मिर्च , आदी की किमतें आसमान छु रही है । लिहाजा हरी सब्जियों की बढ़ती किमतों से सब्जियों का स्वाद बदलकर रख दिया गया है । आसमान छु रही सब्जियों की किमतों को पुछने के बाद लोग बिना सब्जियां लिए ही वापस लौट रहे हैं तो कई लोगों को एक किलो की जगह 500 ग्राम ही सब्जियों की खरिदारी करते हुए देखा गया है , इसके अलावा अधिकतर लोग 250 ग्राम तक ही सब्जियां खरीद रहे हैं । टमाटर 30 रुपए किलो की जगह 80 रुपए प्रति किलो , कद्दू 20 रुपए किलो की जगह 40 रुपए किलो , आलु 20 के स्थान पर 30 रुपए , प्याज 40 से 50 , परवल 25 से 50 , करेला 30 से 60 , बेगन 30 से 50 , बरभट्ठी 40 से 60 , मुल्ली 20 से 60 , खीरा 30 से 50 , कुंदरी 30 से 60 , अदरक 100 से 200 , हरी मिर्च 80 से 150 , पतगोभी 40 से बढ़कर 80 रुपए प्रति पीस , फुलगोभी 40 से बढ़कर 80 , धनिया पत्ता 100 से बढ़कर 200 रुपए प्रति किलो , भिंडी 20 से बढ़कर 50 , नेनुआं 20 रुपए किलो से बढ़कर 50 रुपए किलो तक पहुंच गई है ।

एक्शन में शिक्षा विभाग-निदेशक ने जारी किया आदेश, बरती जाएगी सख्ती

प्रात : किरण, संवाददाता

- विद्यालय में एक भी दिन बंद रहेगा मध्याह्न भोजन तो एचएम और प्रखंड साधनसेवी पर लगेगा अर्थदंड

जमुई/गिद्धौर:-अब एक भी दिन मध्याह्न भोजन स्कूलों में बंद रहने पर संबधित प्रधानाध्यापक व पीएम पोषण योजना के साधनसेवियों पर अर्थदंड लगाते हुए अग्रेतर कार्रवाई की जाएगी।सभी प्ररवंड प्रखंड साधनसेवी,प्रारंभिक स्कूलों के प्रधानाध्यापक एवं विद्यालय शिक्षा समिति के सचिव को इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश जारी किया गया है।निदेशक मिथिलेश मिश्र ने जारी आदेश में कहा है कि 27 जून को निदेश पीएम पोषण योजना के द्वारा स्कूलों में मध्याह्न भोजन योजना के संचालन की समीक्षा की गई थी।समीक्षा के क्रम में पाया गया कि खद्यान्न के अभाव,वेंडर द्वारा सामग्री उपलब्ध नही कराने एवं रसोईया सह सहायक की अनुपस्थिति के कारण कई स्कूलों में योजना का संचालन बाधित है।जिसपर नाराजगी व्यक्त करते हुए निदेशक ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में एक भी दिन योजना प्रभावित रहने पर दोषी प्रधानाध्यापक व साधन सेवी के विरूद्ध आर्थिक दंड लगाते हुए अग्रेतर कार्रवाई का निर्देश दिया गया है।मालूम हो कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए द्वितीय त्रेमास के लिए स्कूलवार खाद्यान्न का उपावंटन जारी कर दिया गया है जिसके विरूद्ध उठाव जारी है।साथ ही मार्च माह 2024 तक का बकाया एवं माह अप्रैल 2024 का प्रपत्र के आधार पर व्यय की गई राशि का लिमिट भी सभी संबंधित स्कूलों को उपलब्ध करवा दिया गया है।

श्रावणी मेले की सूची में सिंहेश्वर स्थान के नाम को जोड़ने के संबंध में जिला प्रशासन द्वारा की गई पहल

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा सिंहेश्वर स्थान स्थित शिव मंदिर बिहार में सबसे बड़ा शिव मंदिर है । जब बिहार झारखंड एक हुआ करता था, तो उस समय यह शिव मंदिर दूसरे स्थान पर था। प्रत्येक वर्ष के श्रावण मास में सिंहेश्वर स्थान स्थित शिव मंदिर में पड़ोसी देश नेपाल एवं राज्य के विभिन्न जिलों से लाखों की संख्या में श्रद्धालुगण पूजा-अर्चना करने के लिए आते हैं। ऐतिहासिक दृष्टिकोण, राजस्व संग्रहण एवं श्रद्धालुओं की भारी संख्या को देखते हुए जिला प्रशासन की पहल के अंतर्गत जिला पदाधिकारी, मधेपुरा-सह-अध्यक्ष सिंहेश्वर मंदिर न्यास समिति के द्वारा अपर मुख्य सचिव, राजस्व विभाग, बिहार पटना को पत्र प्रेषित करते हुए श्रावणी मेले की सूची में सिंहेश्वर स्थान के नाम को अंकित करने की दिशा में अग्रेत्तर कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है। विदित है कि धार्मिक न्यास परिषद, बिहार, पटना को प्राप्त आय के आंकड़े के अनुसार राज्य में राजस्व संग्रहण में सिंहेश्वर स्थान तीसरे नंबर पर आता है। राज्य के सभी धार्मिक स्थान के आय के मामले में सिंहेश्वर स्थान तीसरे स्थान पर है जबकि शिव मंदिर, सिंहेश्वर आय के मामले में दूसरे नंबर पर है। राज्य के सभी मंदिरों का पंजीकरण बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद करती है। सभी मंदिर अपने आय का एक निश्चित हिस्सा राज्य धार्मिक न्यास पर्षद को भुगतान करती है। पूरे राज्य से धार्मिक न्यास पर्षद को आय देने के मामले में सिंहेश्वर स्थान तीसरे नंबर पर है।

क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक परिषद के संयुक्त सचिव के रूप में डॉ. जैनेन्द्र कुमार को मिला नियुक्ति, लिया योगदान

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा बी एन एम यू के क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक परिषद के संयुक्त सचिव के रूप में डॉ. जैनेन्द्र कुमार को नियुक्त किया गया है। उन्होंने सोमवार को विश्वविद्यालय में अपना योगदान दिया। डॉ. जैनेन्द्र विश्वविद्यालय के पश्चिमी परिसर पी.जी. सेंटर, सहरसा के हिंदी विभाग में में सहायक प्राध्यापक हैं। डॉ. जैनेन्द्र कुमार ने ह्यखेल, समाज और हिंदी कथा साहित्यह्न विषय पर शोध करते हुए जवाहरलाल नेहरू। विश्वविद्यालय (जेएनयू) से एम.फिल. की डिग्री प्राप्त की है। वे खेल में गहरी रुचि रखते हैं। उन्होंने पटना विश्वविद्यालय क्रिकेट टीम की ओर से कोलकाता में आयोजित ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट और जेएनयू क्रिकेट टीम की ओर से रोहतक (हरियाणा) में आयोजित नार्थ जोन इंटरयूनिवर्सिटी क्रिकेट टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है। उन्होंने बिहार 20-20 टीम की तरफ से पंचकूला में आयोजित राष्ट्रीय क्रिकेट प्रतियोगिता में भी भाग लिया है। उन्हें बिहार और बंगाल के बीच क्लब क्रिकेट टूर्नामेंट खेलने का भी अनुभव है। हेमन ट्रॉफी, सीके नायडू, वीनू मांकड़, ऑल इंडिया सुखदेव नारायण जैसे बड़े क्रिकेट प्रतियोगिता में वे लगातार खेलते रहे हैं। उनके समय में ही सहरसा की टीम पहली बार हेमन ट्रॉफी के एलीट ग्रुप (ए डिवीजन) में पहुँची थी। उन्हें क्रिकेट, बॉल बैडमिंटन, हैंडबॉल इत्यादि खेलों के कमेंटेटर के तौर पर भी सम्मानित किया जा चुका है। वे एम.ए. में दिल्ली विश्वविद्यालय के रामजस कॉलेज के टॉपर भी रहे हैं। उनका चयन बिहार विश्वविद्यालय सेवा आयोग, पटना के द्वारा हुआ है, उसमें भी उन्होंने भूपेन्द्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा में पहला स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने यूजीसी द्वारा आयोजित नेट की परीक्षा जून 2011 में एम.ए. पास करने से पहले ही उत्तीर्ण कर ली थी।

उन्होंने हिंदी विषय में 3 बार नेट और 1 बार जेआरएफ किया है। इस अवसर पर खुशी जाहिर करते हुए विश्वविद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों और खेल प्रेमियों ने कहा कि डॉ. जैनेन्द्र की नियुक्ति से बीएनएमयू की खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में वृद्धि होगी। वही उनके योगदान लेने पर डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. शंकर कुमार मिश्रा, खेल निदेशक डॉ. अबुल फजल, आईक्यूएसी डायरेक्टर डॉ. नरेश कुमार, डॉ. अनिल कुमार, उर्दू विभागाध्यक्ष डॉ. मो. एहसान, नोडल ऑफिसर मोहित गुप्ता, डॉ. अणिमा, डॉ.प्रीति गुप्ता, डॉ. रामकृष्ण यादव, डॉ. उपेंद्र यादव, राकेश कुमार सहित कई लोगों ने बढ़ाई दी।

घरेलू विवाद को लेकर दो सगे रिश्तेदार में हुए मारपीट

प्रात : किरण संवाददाता

कुमारखंड (मधेपुरा) कुमारखंड थाना क्षेत्र के बिशनपुर बाजार पंचायत स्थित टिकुलिया वार्ड नंबर 8 में मंगलवार को दो सगे रिश्तेदार में हुई मारपीट की घटना में दोनों पक्ष से 6 लोग घायल हो गए। परिजनों ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। बताया गया कि एक पक्ष के मोहम्मद मुजम्मिल, दूसरा पक्ष की मोहम्मद शहीद के बीच घरेलू विवाद को लेकर नोक झोक होते हुए मारपीट की घटना हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया गया कि एक पक्ष के मोहम्मद मुजम्मिल की बड़ी पुत्री जीनत प्रवीन की शादी दूसरा पक्ष के मोहम्मद शहिद के बड़े पुत्र मोहम्मद मेराज आलम से करीब 2 साल पूर्व हुआ था। मोहम्मद मेराज आलम पत्नी जीनत प्रवीण को लेकर दिल्ली में रहते हैं। मोहम्मद मेराज आलम अपनी पत्नी के साथ घर आए तो मो. मुजम्मिल का पुत्र शहनवाज आलम अपने बहन से मुलाकात करने बहनोई मो. मेराज आलम के घर गए तो मो. मेराज आलम, रेयाज आलम, मो. शहीद, गुलशन खातून, जरीना खातून, फैयाज आलम अभद्र व्यवहार करते हुए गाली गलौज करते हुए मो. शाहनवाज आलम के साथ मारपीट करने लगे। सूचना मिलते ही एक पक्ष के मो. मुज्जमिल, रूखशना खातून, मो. राकीब अन्य परिजन पहुंचे तो उक्त सभी लोग गाली गलौज करते हुए लाठी डंडे से मारपीट करने लगे। मारपीट की घटना में एक पक्ष के मो. राकिब, मो. शाहनवाज आलम, रूखशाना खातून, मो. मेराज आलम की पत्नी जीनत प्रवीन घायल हो गई। जबकि दूसरा पक्ष के गुलशन खातून, जरीना खातून घायल हो गई। जरीना खातून ने आरोप लगाते हुए बताया कि घर को पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया। सभी घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक द्वारा इलाज किया गया है। थाना अध्यक्ष ने बताया मारपीट की जानकारी मिली है पुलिस पदाधिकारी को घटना स्थल अपर जांच के लिए भेजा गया। आवेदन मिलते ही जांच कर समुचित कार्रवाई की जाएगी।

मुहर्रम पर्व को लेकर थाना में शांति समिति की बैठक की गई आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

घौलाढ़ (मधेपुरा) परमानंदपुर थाना परिसर में मुहर्रम पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक थानाध्यक्ष रंजन कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक के दौरान थानाध्यक्ष ने उपस्थित लोगों से क्षेत्र में शांति और सोहार्दपूर्ण वातावरण में आपसी भाईचारा तथा सादगी के साथ होने वाले मुहर्रम का पर्व मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान शांति व्यवस्था भंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों , बुद्धिजीवियों एवं आम लोगों से कहा कि पर्व के दौरान जगह-जगह सादे लिबास में पुलिस बल तैनात किए जाएंगे। इस दौरान पुलिस को सहयोग करें और शांति पूर्ण माहौल में पर्व मनाएं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पर्व के दौरान हंगामा करने वाले और हुड़दंग मचाने वाले के उपर पुलिस की कड़ी नजर रहेगी और ऐसा करने वाले को बख्शा नहीं जाएगा। ताजिया जुलूस के लिए मेला कमेटी को लाइसेंस लेने होंगे और निर्धारित मार्ग पर ही जुलूस निकालने होंगे। लाइसेंस के लिए कम से कम 8 से 10 सदस्यीय टीम का गठन कर सभी का पता मोबाइल नंबर सहित सभी कागजात थाना में जमा करें। मुहर्रम में मेला के लिए मेला समिति के अध्यक्ष जगह को चिन्हित कर थाना को सूचना करेंगे। इस का पालन करना हरहाल में सुनिश्चित करने के लिए लोगों को प्रशासन को सहयोग देने की अपील भी की गई। बैठक में सरकार के निर्देश की जानकारी विस्तार से दी गई और उपस्थित लोगों से क्षेत्र की जानकारी भी ली गई।

दो पक्षों के बीच जमकर हुई मारपीट, दर्जनभर लोग हुए घायल

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] थानाक्षेत्र के बूढ़नेर गांव में मंगलवार की सुबह जमीन विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। दोनो पक्षों की ओर से एक दूसरे पर जमकर लाठी डंडा आदि चलाया गया जिसमें दोनो पक्षों से कुल 12 लोग घायल हो गया। लहुलुहान अवस्था में घायल सभी लोगों को उनके परिजनों की मदद आनन फाननन में इलाज के लिए रेफरल अस्पताल लाया जहां डयूटी पर तैनात डॉक्टर सदाब, और डॉक्टर नौशाद ने सभी घायलों का बेहतर इलाज किया। दोनो पक्षों से घायलों ने 2 एकड़ 48 डिसमिल जमीन के विवाद को लेकर मारपीट करने का आरोप लगाया। घायलों ने बताया कि जमीन विवाद को लेकर न्यायलय में दो साल से केस भी चल रहा है। बताया जाता है कि दोनो पक्ष उक्त जमीन पर खेती बारी करने को लेकर विवाद शुरू किया जिसके बाद दोनो पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गया दोनो पक्षों के तरफ से जमकर लाठी डंडा आदि से प्रहार करना शुरू कर दिया। हालांकि दोनो पक्षों के ओर से थाना में लगने वाले जनता दरबार में किसी भी तरह की कोई आवेदन भी अंचलाधिकारी को नही दिया था। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस को मिलने के बाद एएसआई मुकेश कुमार दलबल के साथ अस्पताल पहुंचकर दोनो पक्षों से पूछताछ किया।

बिहार सरकार

विद्युत कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
विद्युत कार्य प्रमंडल सं0–2,
संयुक्त कार्यालय भवन, छज्जुबाग, बुद्धमार्ग, पटना 800001
भवन निर्माण विभाग, पटना

सूचना

इस कार्यालय के अल्पकालीन कोटेशन आमत्रण सूचना संख्या–05 वर्ष 2024–25 जिसका PR 003038 (BCD) 2024-25 है, कोटेशन के क्र0स0 1 पर अंकित कार्य को अपरिहार्य कारण से रद्द किया जाता है

विद्युत कार्यपालक अभियंता
विद्युत कार्य प्रमण्डल, सं0–2, पटना

PR. No. 003554 (BCD) 2024-25

उक्त सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

बिहार सरकार

विद्युत कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
विद्युत कार्य प्रमंडल सं0–2, पटना
भवन निर्माण विभाग
अल्पकालीन कोटेशन आमंत्रण सूचना सं0–06 वर्ष–2024–25

विधुत कार्य प्रमंडल सं0–2, भवन निर्माण विभाग, पटना के कार्यक्षेत्र अन्तर्गत निम्नलिखित कार्य हेतु प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान/कम्पनी/अनुभवी संवेदको से सीलबंद कोटेशन दिनांक–19.07.2024 को अपराह्न 2:30 बजे तक अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में आमत्रित की जाती है। सभी प्राप्त सील बंद कोटेशन दिनांक–19.07.2024 के अपराह्न 3:00 बजे तक कोटेशनदाताओं अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएगी।

कोटेशन राशि के अनुसार ONLINE GOVERNMENT REVENUE AND ACCOUNTING (O-GRAS) के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी (विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत कार्य प्रमंडल संख्या–2, पटना, भवन निर्माण विभाग) के पदनाम से जमा करना अनिवार्य होगा। कोटेशन प्रकाशन होने के बाद का O-GRAS मान्य होगा।

कोटेशन प्राप्ति का स्थान (1) विद्युत कार्यपालक अभियंता, विद्युत कार्य प्रमंडल सं0–2, भवन निर्माण विभाग, पटना, (2) विद्युत अधीक्षण अभियंता, विद्युत कार्य अंचल दक्षिण बिहार, भवन निर्माण विभाग, पटना का कार्यालय होगा।

क्र0स0	कार्य का नाम	कार्य समाप्ति की अवधि
1	Annual Operation & maintenance of Fire Fighting System in the Campus of Bihar Judicial Accademy Gaighat, Patna.	1 Year.

विद्युत कार्यपालक अभियंता,
विद्युत कार्य प्रमंडल सं0–2, पटना

PR. No.003552 (BCD) 2024-25

विस्तृत जानकारी www.state.bihar.gov.in/prdbihar से प्राप्त की जा सकती है।

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

सम्पादकीय

सोशल मीडिया पर बाबाओं का विवाद

विनीत नारायणजब से सोशल मीडिया का प्रभाव तेजी से व्यापक हुआ है, तब से समाज का हर वर्ग यहां तक कि गृहणियां भी 24 घंटे सोशल मीडिया पर हर समय छाए रहते हैं। इसके दुष्परिणामों पर काफी ज्ञान उपलब्ध है। सलाह दी जाती है कि यदि आपको अपने परिवार या मित्रों से संबंध बनाए रखना है, अपना बौद्धिक विकास करना है और स्वस्थ और शांत जीवन जीना है तो आप सोशल मीडिया से दूर रहें या इसका प्रयोग सीमित मात्रा में करें। पर विडंबना देखिए कि समाज को संयत और सुखी जीवन जीने का और माया मोह से दूर रहने का दिन-रात उपदेश देने वाले संत और भागवताचार्य आजकल स्वयं ही सोशल मीडिया के जंजाल में कूद पड़े हैं। विशेषकर ब्रज में ये प्रवृत्ति तेजी से फैलती जा रही है। पिछले ही दिनों वृंदावन के विरक्त संत प्रेमानंद महाराज और प्रदीप मिश्रा के बीच सोशल मीडिया पर श्री राधा तत्व को लेकर भयंकर विवाद चला। ऐसे ही पिछले दिनों वृंदावन में नवस्थापित भगवताचार्य अनिरुद्धाचार्य के वक्तव्य भी विवादों में रहे। इसी बीच बरसाना के विरक्त संत श्री रमेश बाबा द्वारा लीला के मंचन में राधा स्वरूप धारण कर बालाकृष्ण से पैर दबवाने पर विवाद हुआ। ये सब ब्रज की विभूतियां हैं। हर एक के चाहने वाले भक्त लाखों-करोड़ों की संख्या में हैं। जैसे ही कोई विवाद पैदा होता है, इनका चेला समुदाय भी सोशल मीडिया पर खूब सक्रिय हो जाता है। ठीक वैसे ही राजनैतिक दलों की ट्रोल आर्मी, जो बात का बतंगड़ बनाने में मशहूर है, सक्रिय हो जाती है। यह सब सोशल मीडिया में अपनी पहचान बनाने का एक तरीका बन गया है। अब प्रेमानंद जी वाले विवाद को ही लीजिए, कितने ही कम मशहूर भागवताचार्य भी इस विवाद में कूद पड़े जिनके फॉलोवर्स चार-पांच सौ ही थे पर जैसे ही वे इस विवाद में कूदे तो उनकी संख्या 20 हजार पार कर गई यानी बयानबाजी भी फायदे का सौदा है। परंपरा से शास्त्र ज्ञान का आदान-प्रदान गुरुओं द्वारा निर्जन स्थलों पर किया जाता था जहां जिज्ञासु अपने प्रश्न लेकर जाता था और गुरु की सेवा कर ज्ञान प्राप्त करता था। यही पद्धति भगवान श्री कृष्ण ने कुरुक्षेत्र के मैदान में अर्जुन को बताई थी। भगवद् गीता के चौथे अध्याय का चौंतीसवां श्लोक इसी बात को स्पष्ट करता है। तद्विद्धि प्रणिपातेन परिप्रश्नेन सेवया। उपदेक्ष्यन्ति ते ज्ञानज्ञानिनस्तत्त्वदर्शिनः।।4.34।।इ परंतु सोशल मीडिया ने आकर ऐसी सारी सीमाओं को तोड़ दिया है। अब धर्मगुरु चाहें न चाहें पर उनके शिष्य, उनके प्रवचनों का सोशल मीडिया पर प्रसारण करने को बेताब रहते हैं और फिर अलग-अलग गुरु ओं के शिष्य समूहों में आपसी प्रतिद्वंद्विता चलती है कि किस गुरु के कितने चेले या श्रोता हैं। जिस संत के फॉलोवर्स की संख्या लाखों में होती है उन पर टिप्पणी करना या उन्हें विवाद में घसीटना लाभ का सौदा माना जाता है क्योंकि वैसे तो ऐसा विवाद खड़ा करने वालों की कोई फॉलोइंग होती नहीं है। पर इस तरह उन्हें बहुत बड़ी तादाद में फॉलोवर और लोकप्रियता मिल जाती है। मतलब यह कि आप में योग्यता है कि नहीं, पात्रता है कि नहीं, आपको उस विषय का ज्ञान है कि नहीं, इसका कोई संकोच नहीं किया जाता। केवल सस्ती लोकप्रियता पाने के लालच में बड़े बड़े संतों के साथ नाहक विवाद खड़ा किया जाता है। आजकल ऐसे विवादों की भरमार हो गई है। वैसे तो तकनीकी के हमले को कोई चाह कर भी नहीं रोक सकता। पर कभी-कभी इंसान को लगता है कि उसने भयंकर भूल कर दी। 2003 की बात है जब मैंने बरसाना (मथुरा) के विरक्त संत श्री रमेश बाबा के प्रवचन नियमित रूप से हर सप्ताह बरसाना जा कर सुनना शुरू किया, बाबा की भक्ति और सरलता ने मुझे बहुत प्रभावित किया और मुझे लगा कि बाबा के प्रवचन पूरी दुनिया के कृष्ण भक्तों तक पहुंचने चाहिए। तब ऐसा होना टीवी चैनल के माध्यम से ही संभव था क्योंकि तब तक सोशल मीडिया इतना लोकप्रिय नहीं हुआ था। मैंने इसके लिए प्रयास करके श्री मान मंदिर में टीवी रिकॉर्डिंग स्टूडियो की स्थापना कर दी। उस दौर में मान मंदिर के विरक्त साधुओं ने मेरा कड़ा विरोध किया। उनका कहना था कि बाबा की बात अगर इस तरह प्रसारित की जाएगी तो बरसाना में कलियुग का प्रवेश कोई रोक नहीं पाएगा पर बाबा ने मुझे अनुमति दी तो काम शुरू हो गया। इसका लाभ मान मंदिर को यह हुआ कि उसके भक्तों की संख्या में देश-विदेश में तेजी से बढ़ोतरी हुई और वहां धन की वष्रा होने लगी। तब मुझे विरोध करने वाले अव्यावहारिक प्रतीत होते थे। पर आज जब मैं पलट कर देखता हूं तो मुझे लगता है कि वाकई इस प्रयोग ने मान मंदिर के पवित्र, शांत और निर्मल वातावरण को बहुत सारे झमेलों में फंसा दिया। वहां टीवी का प्रवेश न हुआ होता तो वहां

संसद के सलीके

कुमार प्रशांत

हमारी नई लोकसभा अभी बनी ही है, लेकिन चल नहीं पा रही। चल पाएगी, इसमें शक है। चलकर भी क्या कर पाएगी, कह नहीं सकते। कहावत बहुत पुरानी है जो हर अनुभव के साथ नई होती रहती है कि पूत के पांव पालने में ही दीख जाते हैं। जो पांव दीख रहा है, वह शुभ नहीं है। यदि मैं भूलता नहीं हूं तो कवि विजयदेव नारायण साही ने इस कहावत में एक दूसरी मार्मिक पंक्ति जोड़ दी थी : पूत के पांव पालने में मत देखो, वह पिता के फटे जूते पहनने आया है। इस लोकसभा के बारे में यही पंक्ति बार-बार मन में गूंज रही है। जिस पार्टी ने, जिन पार्टियों के साथ जोड़ बिठाकर सरकार बनाई है, उन सबको मालूम है कि यह वक्ती व्यवस्था है। कौन, पहले, किसे और कब लंगड़ी मारता है, इसी पर इस लोकसभा का भविष्य टिका है, और यह तो सारे संविधानतज्ञ जानते हैं कि लोकसभा के भविष्य पर ही सांसद नाम के निरीह प्राणियों का भविष्य टिका होता है। निरीह इसलिए कह रहा हूं कि पिछले कम से कम 10 सालों से हमारे सांसदों का एक ही काम रहा है, जिसे वे बड़ी शिद्दत से निभाते हैं : सरकार की दी हुई मेज थपथपाना या भगवान की दी हुई हथेलियों से तालियां बजाना। विपक्ष भी ऐसा ही करता है। फर्क है तो बस इतना कि उसके पास कोई प्रधानमंत्री नहीं होता। इस बार उसके पास एक छाया प्रधानमंत्री जरूर है जिसकी छाया कब तक, कहां तक रहती है, देखना बाकी है। हम दुआ करते हैं कि अंग्रेजी के ह्यशैडो प्राइम मिनिस्टर का मक्खीमार अनुवाद भले उसे ह्यछाया प्रधानमंत्रीह्ण कहे, नेता प्रतिपक्ष कभी इस प्रधानमंत्री की छाया न बनें। न उनकी छाया में रहें, न उनको छाया दें। ओम बिरला को दोबारा लोकसभा अध्यक्ष बनाने के पीछे प्रधानमंत्री का एक ही मकसद था : विपक्ष को आखिरी हद तक अपमानित करना! बिरला कभी इस पद के योग्य नहीं थे, आज भी नहीं हैं। विद्वता, कार्यकुशलता, व्यवहार कुशलता, वाकपटुता तथा सदन में गरिमामय माहौल बनाए रखने जैसे किसी भी गुण से उनका नाता नहीं रहा है, यह हमने पिछले पांच सालों में देखा है। पता नहीं विपक्ष ने उनका इतना स्वागत व गुणगान क्यों किया! ओम बिरला ने पिछली संसद में जिस तरह विपक्ष को तिरस्कृत व अपमानित किया था, उसे ही दोहराने के लिए इस बार भी उन्हें ही प्रधानमंत्री ने आगे किया है, ताकि विपक्ष व देश समझे कि कहीं, कुछ भी बदला नहीं है। नई लोकसभा के पहले ही दिन वे अपने पुराने अवतार में दिखाई दिए। जिस असभ्यता से उन्होंने दीपेंद्र हुड्डा को अपमानित किया, शशि थरूर के ह्यजय संविधानह्ण कहने से तिलमिलाए, विपक्ष के सांसदों को कब उठना-कब बैठना सिखाने की फब्ती कसी, वह सब यह समझने के लिए पर्याप्त है कि उन्हें क्या करने का निर्देश हुआ है। राहुल गांधी ने जब यह कहा कि उनका माइक बंद क्यों किया गया, तो अध्यक्ष का जवाब आया कि मैंने पहले भी यह व्यवस्था दी है कि मेरे पास माइक का कोई बटन नहीं है। क्या अध्यक्ष की जानकारी व अनुमति के बगैर ही कोई, कहीं से बैठकर लोकसभा की कार्रवाई में दखल दे रहा है? अगर ऐसा है तो अध्यक्ष चाहिए ही क्यों? जो अनदेखा-अनजाना आदमी बटन बंद कर सकता है, वही लोकसभा चला भी सकता है। इंडिया गठबंधन को तब तक न लोकसभा जाना चाहिए, न राज्यसभा जब तक कि यह बता न दिया जाए कि माइक बंद किसने किया था, किसकी अनुमति या निर्देश से किया था।

परंपरा की बात है तो यह समझना जरूरी है कि विपक्ष के नेता की भी परंपराएं हैं। इस अध्यक्ष को न वे परंपराएं पता हैं, न विपक्ष के नेता का मतलब मालूम है। जिन सांसदों का जन्म ही 10 साल पहले हुआ है, उनकी यह त्रासदी स्वाभाविक है। उनकी तो आंखें जब से खुली हैं, तब से उन्होंने यही देखा-जाना है कि लोकसभा का मतलब एक ही आदमी होता है। जैसे यह परंपरा है कि अध्यक्ष जब खड़ा हो जाए तो सभी सांसदों को बैठ जाना चाहिए, प्रधानमंत्री जब बोल रहा हो तब सांसदों को शांति से उसे सुनना चाहिए, वैसी ही परंपरा यह भी है कि विपक्ष का नेता जब बोल रहा हो तब उसे अध्यक्ष द्वारा बार-बार टोकना, बार-बार समय का भान कराना, क्या बोलें, क्या न बोलें आदि का निर्देश देना गलत है, अशिष्टता है, लोकतांत्रिक परंपरा का उल्लंघन है। आखिर परंपराएं बनती कैसे हैं और उन्हें ताकत कहां से मिलती है? परंपराएं कानूनी प्रावधानों से भी अधिक मान्य क्यों होती हैं? सिर्फ इसलिए कि कोई भी उन्हें तोड़ता नहीं है।संविधान प्रदत्त शक्तिवान भी उनका शालीनता से पालन कर

चक्रीय अर्थव्यवस्था (सर्कुलर इकॉनामी) की आवश्यकता क्यों?

प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग कर प्रकृति से अपनी आवश्यक आवश्यकताओं की पूर्ति बहुत ही आसानी से की जा सकती है परंतु दुर्भाग्य से आवश्यकता से अधिक वस्तुओं के उपयोग एवं इन वस्तुओं के संग्रहण के चलते प्राकृतिक संसाधनों का शोषण करने के लिए हम जैसे मजबूर हो गए हैं। ऐसा कहा जाता है कि जिस गति से विकसित देशों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का शोषण किया जा रहा है, उसी गति से यदि विकासशील एवं अविकसित देश भी प्राकृतिक संसाधनों का शोषण करने लगे तो इसके लिए केवल एक धरा से काम चलने वाला नहीं है बल्कि शीघ्र ही हमें इस प्रकार की चार धराओं की आवश्यकता होगी। एक अनुमान के अनुसार जिस गति से कोयला, गैस एवं तेल आदि संसाधनों का इस्तेमाल पूरे विश्व में किया जा रहा है इसके चलते शीघ्र ही आने वाले कुछ वर्षों में इनके भंडार समाप्त होने की कगार तक पहुंच सकते हैं। बीपी स्टेटिस्टिकल रिव्यू ऑफ वर्ल्ड एनर्जी रिपोर्ट 2016 के अनुसार दुनिया में जिस तेजी से गैस के भंडार का इस्तेमाल हो रहा है, यदि यही गति जारी रही, तो प्राकृतिक गैस के भंडार आगे आने वाले 52 वर्षों में समाप्त हो जाएगें। फॉसिल फ्यूल में कोयले के भंडार सबसे अधिक मात्रा में उपलब्ध हैं। परंतु विकसित एवं अन्य देश इसका जिस तेज गति से उपयोग कर रहे है, यदि यही गति जारी रही तो कोयले के भंडार दुनिया में आगे आने वाले 114 वर्षों में समाप्त हो जाएगें। एक अन्य अनुमान के अनुसार भारत में प्रत्येक व्यक्ति औसतन प्रतिमाह 15 लीटर से अधिक तेल की खपत कर रहा है। धरती के पास अब केवल 53 साल का ही ऑइल रिजर्व शेष है। भूमि की उर्वरा शक्ति भी बहुत तेजी से घटती जा रही है। पिछले 40 वर्षों में कृषि योग्य 33 प्रतिशत भूमि या तो बंजर हो चुकी है अथवा उसकी उर्वरा शक्ति बहुत कम हो गई है। जिसके चलते पिछले 20 वर्षों में दुनिया में कृषि उत्पादकता लगभग 20 प्रतिशत तक घट गई है।

प्रहलाद सबनानी
लेखक विख्यात अर्थशास्त्री है

हिंदू सनातन संस्कृति हमें सिखाती है कि आर्थिक विकास के लिए प्रकृति का दोहन करना चाहिए न कि शोषण। परंतु, आर्थिक विकास की अंधी दौड़ में पूरे विश्व में आज प्रकृति का शोषण किया जा रहा है। प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग कर प्रकृति से अपनी आवश्यक आवश्यकताओं की पूर्ति बहुत ही आसानी से की जा सकती है परंतु दुर्भाग्य से आवश्यकता से अधिक वस्तुओं के उपयोग एवं इन वस्तुओं के संग्रहण के चलते प्राकृतिक संसाधनों का शोषण करने के लिए हम जैसे मजबूर हो गए हैं। ऐसा कहा जाता है कि जिस गति से विकसित देशों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों का शोषण किया जा रहा है, उसी गति से यदि विकासशील एवं अविकसित देश भी प्राकृतिक संसाधनों का शोषण करने लगे तो इसके लिए केवल एक धरा से काम चलने वाला नहीं है बल्कि शीघ्र ही हमें इस प्रकार की चार धराओं की आवश्यकता होगी।

एक अनुमान के अनुसार जिस गति से कोयला, गैस एवं तेल आदि संसाधनों का इस्तेमाल पूरे विश्व में किया जा रहा है इसके चलते शीघ्र ही आने वाले कुछ वर्षों में इनके भंडार समाप्त होने की कगार तक पहुंच सकते हैं। बीपी स्टेटिस्टिकल रिव्यू ऑफ वर्ल्ड एनर्जी रिपोर्ट 2016 के अनुसार दुनिया में जिस तेजी से गैस के भंडार का इस्तेमाल हो रहा है, यदि यही गति जारी रही, तो प्राकृतिक गैस के भंडार आगे आने वाले 52 वर्षों में समाप्त हो जाएगें। फॉसिल फ्यूल में कोयले के भंडार सबसे अधिक मात्रा में उपलब्ध हैं। परंतु विकसित एवं अन्य देश इसका जिस तेज गति से उपयोग कर रहे है, यदि यही गति जारी रही तो कोयले के भंडार दुनिया में आगे आने वाले 114 वर्षों में समाप्त हो जाएगें। एक अन्य अनुमान के अनुसार भारत में प्रत्येक व्यक्ति औसतन प्रतिमाह 15 लीटर से अधिक तेल की खपत कर रहा है। धरती के पास अब केवल 53 साल का ही ऑइल रिजर्व शेष है। भूमि की उर्वरा शक्ति भी बहुत तेजी से घटती जा रही है। पिछले 40 वर्षों में कृषि योग्य 33 प्रतिशत भूमि या तो बंजर हो चुकी है अथवा उसकी उर्वरा शक्ति बहुत कम हो गई है। जिसके चलते पिछले 20 वर्षों में दुनिया में कृषि उत्पादकता लगभग 20 प्रतिशत तक घट गई है।

कई अनुसंधान प्रतिवेदनों के माध्यम से अब यह सिद्ध किया जा चुका है कि वर्तमान में अनियमित हो रहे मानसून के पीछे जलवायु परिवर्तन का योगदान हो सकता है। कुछ ही घंटों में पूरे महीने की सीमा से भी अधिक बारिश का होना, शहरों में बाढ़ की स्थिति निर्मित होना, शहरों में भूकम्प के झटके एवं साथ में सुनामी का आना, आदि प्राकृतिक आपदाओं जैसी घटनाओं के बार-बार घटित होने के पीछे भी जलवायु परिवर्तन एक मुख्य कारण हो सकता है। एक अनुसंधान प्रतिवेदन के अनुसार, यदि वातावरण में 4 डिग्री सेल्सियस से तापमान बढ़ जाय तो भारत के तटीय किनारों के आसपास रह रहे लगभग 5.5 करोड़ लोगों के घर समुद्र में समा जाएंगे। साथ ही, चीन के शांघाई, शांटोयु, भारत के कोलकाता, मुंबई, वियतनाम के हनोई एवं बांग्लादेश के खुलना शहरों की इतनी जमीन समुद्र में समा जाएगी कि इन शहरों की आधी आबादी पर इसका बुरा प्रभाव पड़ेगा। वेनिस एवं पीसा की मीनार सहित यूनेस्को विश्व विरासत के दर्जनों स्थलों पर समुद्र के बढ़ते स्तर का विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

दुनिया में जितना भी पानी है, उसमें से 97.5 प्रतिशत समुद्र में है, जो खारा है। 1.5 प्रतिशत बर्फ के रूप में उपलब्ध है। केवल 1 प्रतिशत पानी ही पीने योग्य उपलब्ध है। वर्ष 2025 तक भारत की आधी और दुनिया की 1.8 अरब आबादी के पास पीने योग्य पानी उपलब्ध नहीं होगा। विश्व स्तर के अनेक संगठनों ने कहा है कि अगला युद्ध अब पानी के लिए लड़ा जाएगा। अर्थात पीने के मीठे पानी का अकाल पड़ने की पूरी सम्भावना है। इसमें कोई संदेह नहीं कि पानी के पानी के लिए केवल विभिन्न देशों के बीच ही युद्ध नहीं होंगे बल्कि हर गांव, हर गली-मोहल्ले में पानी के लिए युद्ध होंगे। पर हम इसके बारे में अभी तक जागरुक नहीं हुए हैं। आगे आने वाले समय में परिणाम बहुत गंभीर होने वाले हैं।

चक्रीय अर्थव्यवस्था (सर्क्यूलर इकॉनामी) का आशय उस अर्थव्यवस्था से है जिसमें उत्पादों के निर्माण में उपयोग किए जाने वाले कच्चे माल, पानी एवं ऊर्जा के उपयोग को कम किया जाता है एवं पदार्थों के अवशेष (वेस्ट) को कम करते हुए इनके पुनरुपयोग को बढ़ावा दिया जाता है। यह लक्ष्य विभिन्न पदार्थों के उपयोग को उच्चत्तम स्तर पर ले जाकर एवं इन पदार्थों की बबार्दी को रोककर हासिल किए जाने का प्रयास किया जाता है। इससे प्राकृतिक संसाधनों के अति-उपयोग पर अंकुश लगाया जा सकता है। चक्रीय अर्थव्यवस्था के अंतर्गत उत्पादों एवं विभिन्न पदार्थों के उपयोग को कम करना, इनका पुनः उपयोग करना तथा विनिर्माण इकाईयों द्वारा इस प्रकार की प्रक्रिया अपनाना, जिससे कच्चे माल, ऊर्जा एवं पानी का कम प्रयोग हो सके, आदि उपाय भी शामिल हैं। उत्पादों को यदि रिपेयर कर पुनः उपयोग किया जा सकता है तो यह आदत भी विकसित की जानी चाहिए, इससे उस उत्पाद के कुल जीवन साइकल को बढ़ाया जा सकता है एवं उसके स्थान पर नए उत्पाद की आवश्यकता को कम किया जा सकता है। क्षतिग्रस्त अथवा खराब हुए उत्पाद को पुनरुपयोग योग्य बनाए जाने के प्रयास भी किए जाने चाहिए। उचित वेस्ट मेनेजमेंट को भी बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इससे कुल मिलाकर प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव कम होगा। आजकल 7 आर ओफ सर्क्यूलर इकॉनामी को भी इस संदर्भ में अपनाने पर विचार किया जा रहा है - रिड्यूस (फीढ़्रिूी -उत्पादों का उपयोग कम करें), रीयूज (फी४२ी -उत्पादों का पुनः उपयोग करें), रीसाइकल (फीू८ू'ी -बर्बाद हुए उत्पादों को रीसाइकल करें), रीडिजाइन (फीीं२ल्ल -उत्पादों की इस प्रकार डिजाइन विकसित करें कि कच्चे माल, पानी एवं ऊर्जा का कम उपयोग हो), रीपेयर (फीस्र१ -उत्पाद की मरम्मत कर पुनः उपयोग करने लायक बनाएं), रिन्यू (फील्लीि -खराब हुए उत्पाद को ठीक कर उसका पुनः उपयोग करना), रिकवर (फीूङ्मी१ -खराब हुए उत्पाद के कुछ पाट्र्स का पुनः उपयोग करना), रीथिंक (फीँल्ल' -नए प्रॉसेस के नवीकरण बारे में विचार करना), रिपर्पस (फीस्र४१स्रङ्मी), रिमैन्यूफेक्चर (फींल्ल४ूं३४१ी) आदि उपाय भी सर्क्यूलर इकॉनामी के अंतर्गत किए जाते हैं। अतः कुल मिलाकर, अब समय आ गया है कि समस्त देश मिलकर इस बात पर गम्भीरता से विचार करें कि इस धरा को शोषित होने से कैसे बचाया जाय। इसके लिए आज इस धरा से लिए जाने वाले पदार्थों के उपयोग पर न केवल अंकुश लगाने की आवश्यकता है अपितु इन पदार्थों के पुनः उपयोग करने की विधियों को विकसित करने की भी महती आवश्यकता है। जैसे जीवाश्म ऊर्जा पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से भारत वैकल्पिक एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों को बढ़ावा देने पर काम कर रहा है। ऊर्जा मिश्रण में विविधता लाने पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इसमें सौर, पवन, पनबिजली और परमाणु ऊर्जा के उपयोग का विस्तार करना भी शामिल है। भारत, परिवहन, औद्योगिक प्रक्रियाओं, प्राथमिकता भवनों सहित, विभिन्न क्षेत्रों में ऊर्जा दक्षता उपायों को प्राथमिकता दे रहा है। इसमें ऊर्जा कुशल तकनीकों को अपनाना, औद्योगिक प्रक्रियाओं का अनुकूलन करना और मजबूत ऊर्जा संरक्षण उपायों को लागू करना शामिल हैं। साथ ही जीवाश्म तेल में ईथेनाल का सम्मिश्रण भी किया जा रहा है ताकि पेट्रोल एवं डीजल के उपयोग को कम

ब्रिटेन की नई हुकूमत के समक्ष चुनौतियों की भरमार?

ब्रिटेन के चुनाव परिणामों ने अचानक मौसम गर्मा दिया है। वहां राजनीति इतिहास का नया पन्ना लिखा जाएगा, क्योंकि सियासत की नई सुबह का आगाज हुआ है। चुनाव का ऐसा रिजल्ट, जिसकी कल्पना तक किसी ने नहीं की थी। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने भी नहीं सोचा होगा। ब्रिटेन वासियों ने तकरीबन-तकरीबन एक तरफा फैसला विपक्ष के हक में सुना डाला। चुनाव में विजय हासिल करने वाली ह्यलेबर पार्टीह्ण ने ब्रिटेन के सियासी इतिहास में पूर्व में जीत के सभी रिकॉर्ड तोड़ डाले हैं। रिजल्ट देखकर पार्टी प्रमुख ह्यकीर स्टार्मरह्ण फूले नहीं समा रहे। समाना चाहिए भी नहीं? आखिर उनका सपना जो सच हो रहा है। प्रधानमंत्री का ताज उनके सिर पर सजेगा। ब्रिटेनी नेशनल असेंबली में अभी तक वह नेता विपक्ष की भूमिका में थे। विपक्ष के तौर पर उन्होंने जो जनकल्याणी मुद्दे कुरेदे। उनको देशवासियों ने पसंद किया, काफी प्रभावित और आकर्षित भी हुए। चुनावी समर में उन्होंने जनता से जो जमीनी वादे किए, उन्हें लंदन के मतदाताओं ने सिर आंखों पर उठाया। जनता ने आंख मूंदकर विश्वास किया। फिलहाल उन सभी वादों को पूरा करने की जिम्मेदारी अब नए सरताज के कंधों पर है। चुनौतियां हजार हैं, लेकिन उन्हें खुद पर उम्मीद है कि चुनौतियों का सामना कर लेंगे। भारत के लिहाज से ऋषि सुनक की हार अच्छी नहीं है। क्योंकि प्रधानमंत्री रहते उनका मंदिरों में जाना, पूजा-अर्चना करना, हिंदू-हिंदुत्व की बातें करना, ये सब सनातनी प्रचार का हिस्सा माना जाता था।

डॉ. रमेश ठाकुर
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

भारत के लिहाज से ऋषि सुनक की हार अच्छी नहीं है। क्योंकि प्रधानमंत्री रहते उनका मंदिरों में जाना, पूजा-अर्चना करना, हिंदू-हिंदुत्व की बातें करना, ये सब सनातनी प्रचार का हिस्सा माना जाता था। शायद ऐसा करना उनके लिए नुकसानदायक साबित हुआ हो।

ब्रिटेन के चुनाव परिणामों ने अचानक मौसम गर्मा दिया है। वहां राजनीति इतिहास का नया पन्ना लिखा जाएगा, क्योंकि सियासत की नई सुबह का आगाज हुआ है। चुनाव का ऐसा रिजल्ट, जिसकी कल्पना तक किसी ने नहीं की थी। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने भी नहीं सोचा होगा। ब्रिटेन वासियों ने तकरीबन-तकरीबन एक तरफा फैसला विपक्ष के हक में सुना डाला। चुनाव में विजय हासिल करने वाली ह्यलेबर पार्टीह्ण ने ब्रिटेन के सियासी इतिहास में पूर्व में जीत के सभी रिकॉर्ड तोड़ डाले हैं। रिजल्ट देखकर पार्टी प्रमुख ह्यकीर स्टार्मरह्ण फूले नहीं समा रहे। समाना चाहिए भी नहीं? आखिर उनका सपना जो सच हो रहा है। प्रधानमंत्री का ताज उनके सिर पर सजेगा। ब्रिटेनी नेशनल असेंबली में अभी तक वह नेता विपक्ष की भूमिका में थे। विपक्ष के तौर पर उन्होंने जो जनकल्याणी मुद्दे कुरेदे। उनको देशवासियों ने पसंद किया, काफी प्रभावित और आकर्षित भी हुए। चुनावी समर में उन्होंने जनता से जो जमीनी वादे किए, उन्हें लंदन के मतदाताओं ने सिर आंखों पर उठाया। जनता ने आंख मूंदकर विश्वास किया। फिलहाल उन सभी वादों को पूरा करने की जिम्मेदारी अब नए सरताज के कंधों पर है। चुनौतियां हजार हैं, लेकिन उन्हें खुद पर उम्मीद है कि चुनौतियों का सामना कर लेंगे।

भारत के लिहाज से ऋषि सुनक की हार अच्छी नहीं है। क्योंकि प्रधानमंत्री रहते उनका मंदिरों में जाना, पूजा-अर्चना करना, हिंदू-हिंदुत्व की बातें करना, ये सब सनातनी प्रचार का हिस्सा माना जाता था। शायद ऐसा करना उनके लिए नुकसानदायक साबित हुआ हो। ब्रिटेन में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग रहते हैं। अफसोस इस बात का है कि उन्होंने भी ऋषि सुनक से किनारा कर लेबर पार्टी को वोट किया। भारतीयों ने ऋषि सुनक को क्यों नकारा इसकी समीक्षा लंदन से लेकर भारत में खूब हो रही है। प्रधान मंत्री ऋषि सुनक बेशक अपनी संसदीय नॉर्थलेरटनसीट से जीते हों। पर, बहुत कम अंतर से? उनकी समूची पार्टी बुरी तरह से हारी है। विपक्ष की ऐसी सुनामी जिसमें मानो सत्तापक्ष असहाय होकर बह गया हो। ऋषि सुनक भी मात्र 23,059 वोटों से ही जीते हैं। वरना, शुरूआती रुझानों में उनकी भी हालत पतली थी। दो राउंड तक पीछे रहे। ताज्जुब वाली बात ये है कि ह्यनॉर्थलेरटनह्ण वह क्षेत्र है, जहां सुनक स्वयं रहते हैं और भारतीयों की संख्या भी अच्छी-खासी है। बकायदा उनके घर मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ होता है, लोग शामिल होते हैं। इसके अलावा भारतीय तीज-त्यौहारों पर लोगों को जुटना होता हैं। ऐसे मौकों पर तरह-तरह के भारतीय व्यंजन पकते हैं। पर वो लोग-समर्थक भी उनसे झिटक गए। ऋषि के ज्यादातर मंत्री और पार्टी के वरिष्ठ प्रमुख नेता भी चुनाव में चित हो गए। कईयों की तो जमानतें भी जब्त हुई हैं। लंदन और भारत के मौजूदा चुनावों ने एक बात ये बता दी है कि मतदाताओं के मिजाज को पढ़ना अब आसान नहीं? कोई नेता या दल इस मुगालते में न रहे हैं कि फला समुदाय या मतदाता उनका है?

बहरहाल, ब्रिटेन में आए चुनाव नतीजे एग्जिट पोल के मुताबिक ही रहे। कुल सीटें 650 हैं जिनमें एग्जिट पोल में लेबर पार्टी को 410 सीट मिलने का अनुमान था। कमोबेश, फाइनल नतीजे उसके आसपास ही रहे हैं। आए नतीजों को देखकर लेबर पार्टी चमत्कार मान रही है। जैसे, दिल्ली विधानसभा चुनाव नतीजों को देखकर खुद अरविंद केजरीवाल हक्के-बक्के रह गए थे। ब्रिटेन चुनावों की सूनामी में ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी की एकदम उड़ गई। लेबर पार्टी ने 650 सीटों में से 400 पार के साथ 14 साल बाद प्रचंड वापसी की है। ब्रिटेन में चार जुलाई को आम चुनाव हुए थे। चुनावी मुद्दे कुछ ऐसे थे, जिनमें ऋषि सुनक घिर गए थे। दो प्रमुख मसले जिसमें पहला कोरोना में व्यवस्थाओं का चरमराना, वहीं दूसरा देश की अर्थव्यवस्था का ग्राफ नीचे खिसक जाना? इन दोनों मुद्दों को लेबर पार्टी ने अपना चुनावी कैंपेन बनाया था। भारत के साथ मित्रता और देशवासियों के हितों की अनदेखी करने का मुद्दा भी लंदन के चुनाव में खूब उछला। बहरहाल, ब्रिटेन की नई हुकूमत के साथ हमारे संबंध कैसे होंगे? इस सवाल के अलावा बड़ा सवाल यह खड़ा हो चुका है कि आखिर भारतीयों का सुनक के प्रति मोहभंग हुआ क्यों? ऋषि के भारतीय मूल के होने पर प्रवासी भारतीयों को उन पर गर्व होता था। पर, जब वोटिंग का समय आया, तो ऐसा प्रतीत हुआ कि भारतीयों ने इमोशनल एंगल की जगह बदलने के लिए मतदान किया। दरअसल इसे कंजर्वेटिव पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार के 14 साल के शासन से उपजी निराशा मानी जा रही है। वैसे, दिल पर लेने की जरूरत इसलिए भी नहीं है

संघ और सेवा को एक दूसरे का पर्याय मानते हैं डॉक्टर मोहन भागवत

कृष्णमोहन झा

हाल में उत्तराखंड की देवभूमि ऋषिकेश में भाऊराव देवरस सेवा न्यास के द्वारा निर्मित मानव सेवा विश्राम सदन के लोकार्पण समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉक्टर मोहन भागवत ने सेवा को मानव का परम धर्म बताते हुए सेवा के लिए लोक-संपर्क को महत्वपूर्ण बताया है। संघ प्रमुख ने कहा है कि लोक संपर्क के बिना जनसेवा के उद्देश्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता। माधव सेवा विश्राम सदन के लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में संघ प्रमुख के द्वारा व्यक्त विचार निःसंदेह समाज में संवेदनशीलता और सेवाभावना को जागृत करने की सामर्थ्य मौजूद है। उन्होंने कहा कि यह सेवा सदन सेवा और समर्पण का प्रत्यक्ष उदाहरण है। उल्लेखनीय है कि भाऊराव देवरस सेवा न्यास का गठन 1993 में किया गया था जिसके प्रथम अध्यक्ष भाजपा के वरिष्ठ नेता स्व. पंडित अटल बिहारी वाजपेयी थे। स्व. श्री भाऊराव देवरस की गणना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारकों में प्रमुखता से की जाती थी। स्व.मुरलीधर दत्तात्रेय देवरस उपाख्य भाऊराव देवरस राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तृतीय सरसंघचालक स्व. मधुकर दत्तात्रेय देवरस उपाख्य बाला साहेब देवरस के छोटे भाई थे। 1992 में भाऊराव देवरस के निधन के एक वर्ष बाद उनकी पुण्य स्मृति में भाऊराव देवरस सेवा न्यास का गठन किया गया था। न्यास ने विगत तीन दशकों में समाज सेवा के क्षेत्र में अनेक उल्लेखनीय कार्य किये हैं। माधव सेवा विश्राम सदन का निर्माण कार्य दो वर्ष में पूरा हुआ है और 1.40 लाख एकड़ क्षेत्र में निर्मित इस आश्रम की लागत लगभग तीस करोड़ रुपए आई है। इस अनूठे सेवा सदन के निर्माण हेतु 150 दानदाताओं ने आर्थिक सहयोग प्रदान किया है। इस सेवा सदन का निर्माण एम्स में इलाज हेतु आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को अत्यंत कम शुल्क पर ठहरने की सुविधा उपलब्ध कराने के पुनीत उद्देश्य से किया गया है। मानव सेवा सदन के लोकार्पण समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर सह कार्यवाह डा कृष्ण गोपाल, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक एवं महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगतसिंह कोश्यारी के साथ अनेक विशिष्ट विभूतियां संघ प्रमुख मोहन भागवत के साथ मंच पर आसीन थीं।

कार्यक्रम में संघ प्रमुख डॉक्टर मोहन भागवत ने मानव सेवा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए आगे कहा कि सेवा से हमारे बंधुओं की स्थिति में बदलाव आता है और उन्हें अच्छे जीवन की अनुभूति होने लगती है लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि सेवा हमारे जीवन में सकारात्मक बदलाव लाती है और सेवा का पुण्य जीते जी हमें स्वर्गिक आनन्द की अनुभूति प्रदान करता है। सेवा करने से लोगों में संपर्क स्थापित होता है। आज दुनिया में जो युद्ध चलते रहते हैं उसका सबसे कारण यह है कि मन से मन का संपर्क टूट गया है। संवाद के अभाव में समाज में जो दूरियां बढ़ी हैं उन्हें लोक संग्रह के माध्यम से दूर किया जा सकता है। संघ प्रमुख ने कहा कि हमारे बीच कई समानताएं हैं। हमें उन्हें पहचानना होगा। मनुष्य के अंदर धीरे धीरे प्रस्तुत होने वाली दिव्यता की अनुभूति और अभिव्यक्ति ही सेवा है। उल्लेखनीय है कि संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अपने उद्बोधनों में हमेशा सेवा के महत्व को रेखांकित किया है। मानव सेवा के अभियानों में संघ के कार्यकताओं की संलग्नता सर्वविदित है। दुनिया के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन होने का गौरव हासिल कर चुके राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्य कर्ता मानव सेवा के हर अभियान में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं। गौरतलब है कि गत वर्ष जयपुर में आयोजित राष्ट्रीय सेवा भारती के तीसरे राष्ट्रीय संगम में संघ प्रमुख ने कहा था कि संघ के स्वयंसेवक स्वभावतः सेवा करते हैं।

संक्षिप्त खबरें

विभिन्न मांगों को लेकर एएनएम एवम स्वास्थ्य कर्मियों नें किया धरना प्रदर्शन

मांझी। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर ए एन एम एवम स्वास्थ्य कर्मियों नें माँझी सीएचसी परिसर में मंगलवार को धरना प्रदर्शन किया एवं जमकर नारेबाजी की। स्वास्थ्यकर्मी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रोहित कुमार को अपनी मांगों के समर्थन में एक ज्ञापन सौंप कर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चली गई। हड़ताल कर्मियों ने बताया कि यह हड़ताल बिहार संविदा एएनएम संघर्ष मोर्चा महासंघ संगठन के आलोक में किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार की दोहरी नीति नहीं चलेगी। समान कार्य समान वेतन लागू करना ही पड़ेगा। वहीं एफ आर ए एस प्रणाली जो थोपा जा रहा है उसे बंद करना होगा। कर्मियों ने कार्यस्थल के समीप रहने के लिए सरकारी आवास की व्यवस्था तथा महंगाई भत्ता आदि की मांग की।

रामानंदाचार्य स्वामी रामनरेशाचार्य जी महाराज ने सम्मान समारोह में लोगों को किया सम्बोधित

माँझी। मृत्युलोक में मौजूद पंचभूतों से मुक्ति पा लेने के बाद मानव को परमात्मा का साक्षात्कार तथा मोक्ष की प्रप्ति होती है। सोमवार की देर शाम माँझी के सितलपुर गाँव में आयोजित एक सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुए श्रीमठ पञ्चगंगा घाट वाराणसी से पधारे रामानंदाचार्य स्वामी रामनरेशाचार्य जी महाराज ने यह बात कहीं। उन्होंने सितलपुर में आयोजित एक निजी उपनयन संस्कार में भी उन्होंने भाग लिया। उन्होंने क्षिति जल पावक गगन समीरा को पँचभूतों की संज्ञा देते हुए इसे मानव के जीवन में मौजूद दुख का वास्तविक कारण बतलाया। उन्होंने कहा कि भक्ति के माध्यम से इन पँचभूतों पर विजय प्राप्त की जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि आत्मा के रूप में प्रत्येक जीव के भीतर सर्वशक्तिमान ईश्वर का वास है। ईश्वर में ही इन पँचभूतों के निर्माण तथा उससे मानव को मुक्ति दिलाने का सामर्थ्य है। समारोह में मौजूद दर्जन भर गणमान्य लोगों को उन्होंने शॉल से सम्मानित किया।

10 नवनियोजित महिला पर्यवेक्षिका को कल दिया जायेगा नियोजन पत्र

छपरा कार्यालय। समाज कल्याण विभाग के तहत समेकित बाल विकास परियोजना अंतर्गत सारण जिला में उपलब्ध रिक्तियों के विरुद्ध 37 महिला पर्यवेक्षिकाओं का नियोजन किया गया है। इनमें से 21 महिला पर्यवेक्षिकाओं को उनके दस्तावेजों के सत्यापन के उपरांत पहले ही नियोजन पत्र दिया गया है। इनमें से 17 महिला पर्यवेक्षिकाओं ने योगदान भी दे दिया है ।10 अन्य नियोजित महिला पर्यवेक्षिकाओं के दस्तावेज सत्यापन का कार्य पूरा हो चुका है। इन सभी- नियोजन पत्र वितरित किया जायेगा। शेष 6- का दस्तावेजों का सत्यापन प्रक्रियाधीन है, सत्यापन पूरा होने के उपरांत इन्हें नियोजन पत्र दिया जायेगा।

एक पेड़ मां के नाम पर अवश्य लगाएं : सांसद सिग्रीवाल

जलालपुरेप्रखंड के हरपुर शिवालय परिसर मे मंगलवार को सांसद सिग्रीवाल ने एक पेड़ मां के नाम लगाकर जलालपुर मे इस योजना का शुभारंभ कियेउन्होंने कहा कि प्रकृति को हरा भरा बनाना हैएक पेड़ मां के नाम पर लगाना हैं उन्होंने कहा कि सभी नागरिको से अपील है कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान पर पर्यावरण को बचाने के लिए आप सभी मां के नाम पर एक पेड़ अवश्य लगाऐंइसके पहले उन्होंने हरपुर शिवालय मे पूजा अर्चना कर सभी के लिए मंगल कामना कौमौके पर संत दामोदर दास जी महाराज ,प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष तारकेश्वर सिंह ,मांझी विधानसभा के युवा नेता प्रमोद सिग्रीवाल ,बनियापुर विधानसभा के युवा नेता दीपू चतुर्वेदी,बंटी सिंह ,निलेश सिंह झूलन कुंवर पिंटू सिंह सहित कई अन्य भी थे

शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर प्रवचन और रासलीला का आयोजन

डोरीगंज। वतारनगर थाना के समीप हंसकरी कंसदियर मे भगवान शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर सात दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जिसमे दोपहर को वृन्दावन से पधारे चेतन महाप्रभु का भगवत कथा एवं सायंकाल मे वृन्दावन से ही आए रासलीला का टीम अपनी कला का प्रदर्शन कर रही है जिसमे कंसदियर, बलुआ, मौजमपुर,हंसकरी, मुसेपुर, क्षेत्र की महिला पुरूष के साथ बच्चो ने बढ- चढ कर भाग ले रहे है। रासलीला मे मीरा की भक्तिभाव को प्रदर्शित किया गया साथ ही भक्ति की शक्ति से भगवान को भी प्राप्त किया जा सकता है। मृत्यु ही अटल सत्य है इसलिए भक्तिभाव से लिया गया भगवान का नाम ही साथ जाएगा।

आईसीडीएस की समीक्षात्मक बैठक में डीएम ने की कार्यो की समीक्षा

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। जिलाधिकारी अमन समीर ने आज समाहरणालय सभागार में समेकित बाल विकास परियोजना (आईसीडीएस) के कार्यों की समीक्षा की। बताया गया कि सारण जिला में 4638 आंगनबाड़ी केंद्र स्वीकृत हैं, जिसमें से वर्त्तमान में 4525 केंद्र संचालित हैं। अद्यतन सेविका का 256 पद एवं सहायिका का 605 पद रिक्त है। सेविका के 4 एवं सहायिका के 5 पद के लिये विज्ञापन पूर्व में निकाला गया था, जिसके अनुरूप नियमानुसार ग्राम सभा का अयोजन कर बहाली की प्रक्रिया पूर्ण करने का निदेश दिया गया। शेष रिक्तियों के संदर्भ में संशोधित प्रावधान के तहत बहाली की प्रकिया होगी। आंगनबाड़ी केंद्रों के निरीक्षण के संबंध में पाया गया कि जून माह में सभी सीडीपीओ एवं महिला पर्यवेक्षिका द्वारा शत प्रतिशत केन्द्रों का निरीक्षण नहीं किया गया है। जून माह में गड़खा प्रखंड में 5 महिला पर्यवेक्षिकाओं द्वारा बहुत ही कम केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। इस संबंध में गड़खा की सभी 5 महिला पर्यवेक्षिकाओं से स्पष्टीकरण मांगा गया। सभी महिला पर्यवेक्षिकाओं द्वारा विगत 6 महीनों में किये गये निरीक्षण के मासिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निदेश जिला प्रोग्राम पदाधिकारी को दिया गया। जिलाधिकारी ने सभी सीडीपीओ एवं महिला पर्यवेक्षिकाओं को शत प्रतिशत केंद्रों का प्रतिमाह निरीक्षण सुनिश्चित करने का निदेश दिया।

17 नई महिला पर्यवेक्षिकाओं का जिला में नियोजन किया गया था। इन सभी को विस्तृत रूप से प्रशिक्षण देने को कहा गया। आंगनबाड़ी केंद्रों के भवन के संदर्भ में बताया गया कि वर्त्तमान में 629 केंद्र अपने सरकारी भवन में संचालित हैं। 118 केंद्रों का भवन निमार्णाधीन है। 156 अन्य केन्द्रों के लिये जमीन उपलब्ध है। अद्यतन 3735 केन्द्रों के भवन निर्माण के लिये जमीन की आवश्यकता है। सभी सीडीपीओ को अंचलाधिकारी के साथ समन्वय स्थापित कर जमीन की उपलब्धता हेतु प्राथमिकता से पहल करने को कहा गया।आंगनबाड़ी केंद्र भवन में उपलब्ध मूल-भूत सुविधा सुविधाओं के संदर्भ में बताया गया कि 3981 केन्द्रों में शौचालय की सुविधा उपलब्ध है। 2801 केंद्रों में वजन मापक मशीन उपलब्ध है ।सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में अलग से विद्युत कनेक्शन लिया जाना है। इसके लिये विधिवत आवेदन करने का निदेश दिया गया। सरकारी भवनों में संचालित जिन केन्द्रों में शौचालय की सुविधा उपलब्ध नहीं है, इसकी सूची उपलब्ध कराने को कहा गया। शौचालयों की मरम्मती/नये शौचालयों का निर्माण पंचायत की योजना के माध्यम से कराया जायेगा।

सेविका/सहायिका के मानदेय का भुगतान अप्रैल-मई माह तक किया गया है। सभी सेविका/सहायिका की उपस्थिति विवरणी अगले महीने की 5 तारीख तक अनिवार्य रूप से अपलोड करने का निदेश दिया गया ताकि मानदेय का भुगतान समय से हो सके।

माँझी के नंदपुर स्थित ब्रह्म विद्यालय आश्रम से परमहँस दयाल समाधि से निकली पदयात्रा

प्रात: किरण, संवाददाता

माँझी। मंगलवार को अहले सुबह माँझी के नंदपुर स्थित ब्रह्म विद्यालय आश्रम से परमहँस दयाल समाधि पदयात्रा निकाली गई। स्वामी सत्यानन्द जी महाराज के संयोजकत्व में छपरा शहर के रौजा तक के लिए निकाली गई पदयात्रा में उनके हजारों महिला व पुरुष अनुयायी शामिल हुए। नंदपुर आश्रम से निकली पदयात्रा में शामिल अनुयायी परमहँस दयाल जी महाराज की जय का उदघोष कर रहे थे। दर्जनों अलग अलग आश्रमों से पहुँचे अनुयायी अपने अपने हाथों में बैनर लिए हुए थे। पदयात्रियों का उत्साहवर्धन करने के लिए अलग अलग वाहनों पर सवार गायक मंडलियों द्वारा भजन कीर्तन प्रस्तुत किया जा रहा था। पदयात्रा आश्रम से निकलकर माड़ीपुर तथा नटवर सेमरिया के रास्ते होकर कोपा पहुँची तथा फिर आगे चलकर देवरिया पहुँची जहाँ श्रद्धालुओं को ग्रामीणों द्वारा अल्पाहार कराया गया ततपश्चात पदयात्रा में शामिल अनुयायी छपरा राजेन्द्र स्टेडियम में आयोजित स्वामी परमहँस दयाल विषयक ब्याख्यान में शामिल होने रवाना हो गए।

जिला के राजमार्गों की राइडिंग क्वालिटी में होगा सुधार

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के प्रदर्शन-आधारित रखरखाव अनुबंध के तहत एनएच 85 के छपरा गोपालगंज खंड पर लगभग 95 किलोमीटर की सड़क का रखरखाव और उन्नयन पीबीएमसी मोड के तहत किया जायेगा। इसके लिए कुल 115 करोड़ 95 लाख की निविदा निकाली गई है जो लगभग 5 वर्षों तक होगा। सारण जिला से होकर गुजरने वाले सभी राष्ट्रीय राजमार्गों के उन्नयन व रखरखाव के संदर्भ में सांसद रुडी ने सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के सचिव के साथ दिनांक 13 जुलाई 2023 की बैठक की थी जिसमें यह निर्णय हुआ था कि राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या 85 छपरा-गोपालगंज पर राइडिंग क्वालिटी सुधार करने के लिए ढइटउ टङ्घीं के तहत कार्य कराया जायेगा। बैठक के उपरान्त सांसद ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अध्यक्ष के साथ पुनः पत्राचार भी किया था जिसके पश्चात छपरा से गोपालगंज तक राष्ट्रीय उच्च पथ पर ढइटउ टङ्घीं के तहत निर्माण कराया जायेगा। छपरा-गोपालगंज राष्ट्रीय राजमार्ग (85) की लंबाई लगभग 95 किमी है। इस सड़क के निर्माण के बाद से ही सड़क पर राइडिंग क्वालिटी में सुधार का प्रयास किया जा रहा था परन्तु इसकी राइडिंग क्वालिटी बेहतर नहीं हो पा रही थी। राइडिंग क्वालिटी में सुधार के लिए सांसद रुडी ने ठलअकसे इसका निर्माण ढइटउ टङ्घीं के तहत कराने का आग्रह किया था जिसके लिए अब निविदा आमंत्रित की गई है। सांसद ने बताया कि परंपरागत निविदा से अलग नई नीति पर आधारित यह निविदा की प्रक्रिया है जिसमें राजमार्ग से संबंधित सभी गतिविधियां जल निकासी, संरचनाएं, सड़क के किनारे की वनस्पति, यातायात सेवाएं, आपातकालीन प्रतिक्रिया, घटना प्रबंधन आदि की जिम्मेवारी संवेदक की होगी।

हाई कोर्ट के आदेश आने के बाद पूर्व कुलसचिव प्रोफेसर समेत कई पदाधिकारीयों की मुश्किलें बढ़ी

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा सदर। पटना हाई कोर्ट ने विश्वविद्यालय के निर्णय एवं तदर्थ समिति के निर्णय पर रोक लगाई। माझरुलहक डिग्री महाविद्यालय तरवारा सिवान नई तदर्थ समिति को निवर्तमान विश्वविद्यालय प्रशासन के द्वारा बनाई गई थी. और उसी तदर्थ समिति के द्वारा प्रिंसिपल की नियुक्ति कर दी गई थी ।जिसको माननीय हाई कोर्ट के न्यायाधीश अंजनी कुमार शरण ने रोक लगा दी है। पूर्व प्रिंसिपल किशोर कुमार पांडे ने अपने वाद में बताया है कि विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलसचिव डॉ रंजीत कुमार ने पूर्वाग्रह ग्रसित होकर अपराधिक षड्यंत्र करते हुए वाद संख्या 19340 /2021 में माननीय पटना उच्च न्यायालय द्वारा दिनांक 24/11/23 के पारित आदेश के तथाकथित अनुपालन के क्रम में समस्त नियम पर नियम /परिणीयम को धता बताते हुए पूर्व में विधवत रूप से गठित नियमित शासी निकाय को अवैध रूप से भंग कर अपने पत्रांक 377-आई ओ सी दिनांक 23 /12 /23 के माध्यम से मजहरूल हक डिग्री महाविद्यालय तरवारा सिवान में एक तदर्थ समिति का गठन किया. तदर्थ समिति ने बेगर कोई मीटिंग किए आनन -फानन में प्रभारी प्रिंसिपल किशोर कुमार पांडे को हटाकर सुबोध कुमार को प्रभारी प्रिंसिपल बना दिया. ज्ञात हो कि तदर्थ कमेटी में जो डोनर सदस्य सच्चिदानंद सिंह है। सुबोध कुमार उन्हीं के सपुत्र हैं। विश्वविद्यालय द्वारा किए गए इस घोर अवैध कृत के विरुद्ध किशोर कुमार पांडे द्वारा माननीय पटना उच्च न्यायालय में सिविल वाद संख्या 8883/2024 दायर किया गया. एनेक्सचर -8 वह पत्र है जिसके द्वारा तदर्थ समिति का गठन किया गया है। एनेक्सचर -9 वह पत्र है जिसके द्वारा तदर्थ समिति के सचिव प्रोफेसर रविंद्र सिंह ने आनन -फानन में सुबोध कुमार को प्रभारी प्रिंसिपल बनाया गया है. दिनांक 4 जुलाई 2024 को पारित आदेश में माननीय पटना उच्च न्यायालय ने उक्त दोनों एनेक्सचर पर रोक लगा दिया है.

विदित हो की पूर्व कुलपति प्रोफेसर के सी सिन्हा, पूर्व कुलसचिव प्रोफेसर रंजीत कुमार, सुबोध कुमार एवं प्रोफेसर रविंद्र सिंह पर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, सिवान के आदेश पर जीबी नगर थाना तरवारा कांड संख्या23/24 गंभीर धाराओं में दर्ज है । अनुसंधान चल रहा है तथा अभी कई वर्तमान पदाधिकारी अनुसंधान के जद में आ सकते हैं। पटना उच्च न्यायालय के आदेश आने के बाद विश्वविद्यालय में तरह-तरह की चचाएँ चलने लगी है. कानून के जानकार बताते हैं कि पूर्व कुलसचिव पूर्व कुलपति की मुश्किलें बढ़ने वाली है।

जिलाधिकारी ने किया चकिया अनुमंडल कार्यालय का निरीक्षण

प्रात: किरण, संवाददाता

मोतिहारी। जिलाधिकारी सौरव जोरवाल के द्वारा अनुमंडल कार्यालय चकिया का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने अनुमंडल कार्यालय के सभी शाखाओं का भ्रमण किया और कर्मियों की उपस्थिति सहित संचिकाओं के रख रखाव की जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी के द्वारा आगत एवं निर्गत पंजी सहित सभी पंजियों का संधारण देखा गया। यहां पर कर्मियों के बैठने की व्यवस्था देखी गई और कार्यालय के साफ सफाई सहित अन्य जरूरी निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने आरटीपीएस काउंटर का निरीक्षण किया और प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की जानकारी प्राप्त की। यहां पर अनुमंडल परिसर की सुरक्षा के लिए दो सुरक्षा प्रहरी उपलब्ध कराने का निर्देश जिलाधिकारी के द्वारा दिया गया। संभावित बाढ़ से बचाव को लेकर किए गए कार्यों के बारे में भी जानकारी ली गई। अनुमंडल पदाधिकारी चकिया ने बताया कि यहां पर चकिया एवं केसरिया प्रखंड बाढ़ प्रवण क्षेत्र है जबकि मेहसी प्रखंड आंशिक रूप से बाढ़ प्रभावित होता है। बाढ़ से बचाव के लिए अंचल स्तर पर सभी तैयारी कर ली गई है। थाना, अंचल और अभियंत्रण सेल को विजिलेंट रखा गया है और जो भी निर्देश प्राप्त हो रहे हैं उसका अनुपालन सुनिश्चित कराई जा रही है। जिलाधिकारी के द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी को क्षेत्र भ्रमण करने एवं बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रखने का निर्देश दिया गया।

नवनिर्मित शिव मंदिर में शिव परिवार के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर निकाली गयी शोभा यात्रा

प्रात: किरण, संवाददाता

परसा। परसा प्रखंड क्षेत्र के चंदपुरा पंचायत स्थित कुआरी बीर गांव में नव निर्मित शिव मंदिर के प्राणप्रतिष्ठा को लेकर मंगलवार को कलश यात्रा मुखिया संघ अध्यक्ष अभय कुमार उर्फ गुड्डू, आचार्य दीपक शांडिल्य व उपेंद्र तिवारी के नेतृत्व में निकाली गई। शिव मन्दिर में शिव परिवार,हनुमान जी की मूर्ति व शिवलिंग के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर कलश यात्रा के साथ पांच दिवसीय धर्मिक अनुष्ठान के तहत पहले दिन भव्य कलश यात्रा निकाली गई ।सैकड़ों की संख्या में महिला व पुरूष श्रद्धालुओं ने माथे पर कलश लेकर मंदिर परिसर से कुंआरी वीर,बक्सनडा,आजम कुआंरी,आजमपुर होते हुए तुलसी जी के पोखरा से कलश में पवित्र जल भरा गया। कलश यात्रा में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और इस दौरान भक्तिधुन व हर-हर महादेव के नारों से पूरा क्षेत्र गुंजयमान होता रहा ।मंदिर परिसर में बनारस से आए आचार्य दीपक शांडिल्य ने कलश स्थापित कराया ।स्थानीय मुखिया सह मुखिया संघ अध्यक्ष अभय कुमार उर्फ गुड्डू ने बताया की स्थानीय लोगों के सहयोग से शिव मंदिर का निर्माण शुरू हुआ था ।स्थानीय लोगों के अपार सहयोग से मंदिर का निर्माण पूर्ण हुआ ।उन्होंने ने बताया कि पांच दिवसीय शिव प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के पहले दिन कलश यात्रा, दूसरे दिन पंचांग पूजन, तीसरे दिन नित्य पूजन, चौथे दिन प्राण प्रतिष्ठा एवम अंतिम दिन हवन पूजन व प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन होगा।

रामपुर कला में एएनएम की हड़ताल, कार्य बाधित

प्रात: किरण, संवाददाता

नगरा।प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुर कला परिसर में मंगलवार को संविदा पर बहाल हुए लगभग दो दर्जन एएनएम कर्मियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर अनिश्चित कालीन हड़ताल शुरू कर दी।इस हड़ताल के कारण इमरजेंसी को छोड़ कर बाकी सभी स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित है।एएनएम ने समान कार्य के लिए समान वेतन, नियमित भुगतान और फेस ऐप के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराने की कठिनाइयों का समाधान करने की मांग की है।हड़ताल में शामिल एएनएम कर्मी ने कहा की विभाग हमलोग के साथ भेद भाव कर रही है , फेस अटेंडेंस नहीं चाहिए क्योंकि क्षेत्र के दूर दराज गांव ने नेटवर्क की बहुत ज्यादा परेशानी है ,सहित आदि बाते कहीं ,वहीं स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की है.यहां बताते चले की आज की इस हड़ताल से प्रत्येक माह के नौ तारीख को गर्भवती महिलाओं के होने वाले स्वास्थ जांच बाधित रहा है. सभी गर्भवती महिलाएं आकर बिना जांच कराए वापस लौटी है.वहीं हेल्थ मैनेजर कनीज फातिमा ने बताया कि इमरजेंसी सेवाएं चालू हैं और कर्मियों को शांत करने का प्रयास किया जा रहा है ।एएनएम कर्मियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा है।

6.20 लाख के सुरक्षित जमा वाले शहर के 10 शौचालयों की बंदोबस्ती पाने के लिए लगी 9.41 लाख की अधिकतम बोली:गरिमा

बंदोबस्ती नहीं हो पाने के कारण तीन महीनों से विभागीय वसूली मे काफी कम आ रहा था राजस्व

प्रात: किरण, संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)।6,20,150 रुपए के सुरक्षित जमा वाले शहर के 10 शौचालयों की बंदोबस्ती पाने के लिए बोली लगाने का कार्य सोमवार को देर शाम संपन्न हुआ। नगर निगम क्षेत्र के चार चार दावेदारों यथा जगजीवन नगर के सुरेश कुमार, पुरानी गुदरी के इमरान खान और कालीबाग के महमूद आलम व अबू लैस आलम की प्रतिद्वंदिता में उतरे पूर्वी चंपारण के बारा चकिया निवासी मनीष कुमार ने बाजी मार ली। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि मात्र 6.20 लाख की सुरक्षित जमा वाले दस सैरातो के समूह को 9.41 लाख की अधिकतम के बोली के आधार पर बंदोबस्त किया गया। इनमें नगर निगम क्षेत्र के जबहखाना, स्टेशन चौक, सागर पोखरा, न्यू हरिवाटिका बस स्टैंड, शहीद पार्क, उत्तरवारी पोखरा पार्क के पास, वार्ड 10 अवस्थित, चमड़ा गोदाम, गाँधी बाजार, काली बाग ओपी के पास पास वाले शौचालय के सैरात पर बोली लगाने का कार्य पूरा हुआ। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष के तीन माह बीत जाने के बावजूद बंदोबस्ती नहीं हो पाने से काफी कम राजस्व आ रहा था। सभी शौचालयों मे शौचालय शुल्क 5 रुपए एवं स्नान शुल्क 10 रुपए फिक्स किया गया है।

● नगर निगम क्षेत्र शौचालयों की बंदोबस्ती पाने के चार दावेदारों साथ उतरे पूर्वी चंपारण के चकिया निवासी मनीष ने मार ली बाजी

मझौलिया उपडाकघर परिसर में किया गया पौधारोपण

प्रात: किरण, संवाददाता

बेतिया(घनश्याम)।पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर डाक अधीक्षक की टीम ने मझौलिया उपडाकघर परिसर में पौधारोपण किया तथा मौके पर उपस्थित सभी डाक कर्मियों, अभिकर्तागण आदि को कम से कम एक पौधारोपण अवश्य लगाने का अनुरोध किया।उन्होंने कहा कि पर्यावरण के संतुलन के लिये यह बहुत ही आवश्यक है। इस अवसर पर आयोजित समारोह की अध्यक्षता उप डाकपाल दयानंद तिवारी ने की।डाक अधीक्षक ने इस अवसर पर कहा कि पौधारोपण समय की मांग है।इसीलिए पोस्ट मास्टर जनरल पूर्वी क्षेत्र के निर्देश पर प्रत्येक डाकघरों में पौधारोपण किया जाना है।इसकी शुरूआत मझौलिया उपडाकघर से शुभारम्भ किया गया।उन्होंने कहा कि पश्चिम चम्पारण के कुल 255 डाकघरों में पौधारोपण करना है। सहायक डाक अधीक्षक नटवर लाल, डाक निरीक्षक राम विनय उरांव,सहायक उपडाकपाल राजेश कुमार तिवारी,मनोज कुमार, राजकिशोर प्रसाद, अरविंद कुमार, सत्येंद्र प्रसाद, जितेंद्र कुमार, राजन राउत समेत भारी संख्या में डाक कर्मी शामिल रहे।

सारण में मनाई गई परमहंस दयाल जी महाराज समाधि स्मृति सभा

अद्वैत दर्शन का हिंदुस्तान के बाहर भी जाकर स्थापित करने का श्रेय परमहंस दयाल जी को ही जाता है

● समाधि दिवस पर जुटे देश विदेश के संत एवं वक्ता

प्रात: किरण, संवाददाता

छपरा सदर। परमहंस दयाल जी महाराज समाधि स्मृति सभा में जीवनी एवं कार्य पर व्याख्यान देते हुए गरवा घाट के भक्त मंगल कवि ने बताया कि श्री श्री 1008 श्री परमहंस दयाल जी महाराज के अनुयायी हिंदू एवं मुस्लिम तथा सिख सभी थे ।उनकी समाधि पाकिस्तान के टेरी में है।

वही मुंबई से आए अमेरिकन बैंक के डायरेक्टर संजय कुमार सिंह ने कहा कि परमहंस दयाल जी ने आध्यात्मिक एवं कर्मकांड में समन्वय स्थापित किया तथा दोनों धाराओं को मिलाया। उन्होंने यह भी कहा कि सबसे ऊपर गुरु होते हैं उनकी जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि उनकी जीवनी को चार भागों में विभाजित किया जाता है। जिसमें जन्म से 17 वर्ष तक छपरा में रहे। सन्यासी बनने के बाद 15 वर्ष तक आध्यात्मिक अनुभव से गुजरे। तीसरा खंड 20 से 22 वर्ष जयपुर में लोगों का कल्याण किया तथा चौथा काल पाकिस्तान का टेरी रहा, जहां 1902 से 1919 में समाधि लेने तक उन्होंने जाति, भाषा, धर्म, संप्रदाय को मिटाते हुए सबको एक बनाया।

वहीं पूर्व आईएएस उदय कुमार ने बताया कि परमहंस दयाल जी महाराज के समय में कर्मकांड एवं समाज में विद्वेष थे परमहंस दयाल जी कर्मकांड में भक्ति के मार्गों के बीच का रास्ता दिखाएं जो हर्ष की बात है ।

अमेरिका से आए वैभव कुमार सिंह ने कहा कि परमहंस दयाल जी को कुछ भी बोलना सूरज को दीपक दिखाने जैसा है।

खतरे के निशान से 59 सेमी ऊपर पहुँचा गंडक का जलस्तर

प्रात: किरण, संवाददाता

पानापुर(सारण) नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश एवं नेपाल द्वारा वाल्मीकिनगर बराज से छोड़े जाने वाले पानी के डिस्चार्ज लेवल में कमी के बावजूद गंडक नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है .शनिवार की रात वाल्मीकिनगर बराज से साढ़े पांच लाख क्यूसेक से ज्यादा पानी छोड़ा गया था जो रविवार की शाम तक घटकर चार लाख के करीब आ गया .जल संसाधन विभाग द्वारा प्राप्त सूचनानुसार सोमवार की सुबह 8 बजे पानी का डिस्चार्ज लेवल 2 लाख 70 हजार क्यूसेक , 10 बजे 2 लाख 67 हजार क्यूसेक एवं दोपहर 2 बजे 2 लाख 54 हजार क्यूसेक था .जल संसाधन विभाग के एसडीओ कमलेश कुमार ने बताया कि वाल्मीकिनगर बराज से डिस्चार्ज लेवल में कमी के बावजूद गंडक के जलस्तर में अगले 24 घंटे तक वृद्धि जा रहेगी .उन्होंने बताया कि रविवार को छोड़ा गया पानी सोमवार की देर रात तक पानापुर की सीमा में प्रवेश करेगा इसलिए लोगो को सावधान रहने की जरूरत है . वही जल संसाधन विभाग के कनीय अभियंता चंद्रशेखर कुमार ने बताया कि बालू भरे बैग पर्याप्त संख्या में उपलब्ध है एवं सारण तटबंध की सतत निगरानी की जा रही है .वही स्थानीय पुलिस प्रशासन एवं अंचल कार्यालय के कर्मियों द्वारा भी सारण तटबंध की लगातार निगरानी की जा रही है .शनिवार की रात सीओ अभिजीत कुमार के नेतृत्व में प्रशासन ने माइकिंग के जरिए गंडक नदी के निचले इलाकों में बसे पृथ्वीपुर ,बसहिया ,सोनवर्षा ,रामपुररुद्र आदि गांवों में बसे लोगो को सुरक्षित एवं सचेत रहने की सलाह दी ।

डबल मर्डर से इलाका थर्राया हत्यारा पुलिस की गिरफ्त में

प्रात: किरण, संवाददाता

बगहा। डबल मर्डर से मधुबनी धनहा का इलाका थर्राया गया है। दरअसल दो दिनों में दो युवकों कि अलग अलग जगहों पर निर्मम हत्या के बाद खून से सना हुआ शव बरामद किया गया सबसे बड़ी बात यह है कि दोनो की गला रेत कर हत्या करने की बात सामने आ रहीं है और पुलिस फिलहाल कुछ भी बोलने से परहेज कर रहीं है। बताया जा रहा है कि सोमवार को धनहा के दहवा गोदाम के समीप राजेंद्र चौधरी का शव मिला था जबकि मंगलवार को धनहा के तुनियहवा में दिनेश कुशवाहा का शव बरामद किया गया है जिसके बाद यूपी बिहार सीमा पर स्थित धनहा थाना क्षेत्र में सीरियल मर्डर से सनसनी फैली गई है। इधर घटना कि सूचना के बाद मौके पर पहुंचें एसडीपीओ कुमार देवेंद्र अनुसन्धान में कर रहें हैं। वहीं घटना स्थल से साक्ष्य जुटाने के साथ पुलिस घटना कि छानबीन में जुटी है। दोनों हत्या कि घटनाओं में कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ किया जा रहा है ।बतादें की बगहा पुलिस जिला के धनहा तुनियहवा में मंगलवार की सुबह हुई दिनेश कुशवाहा की हत्या मामले में पुलिस ने हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल मृत युवक का दो वर्षों से प्रेम प्रसंग चल रहा था इसी क्रम में लड़की के भाई ने उसका मर्डर कर दिया। एसपी सुशांत सरोज ने बताया की दिनेश कुशवाहा एक समारोह में शामिल होने गया था। जब वहां से निकला तो अकेला देख लड़की के भाई मनीष शर्मा ने अपने हाथ में पहने कड़ा की धार से उसका गला रेत दिया जिससे उसकी मौत हो गई। जैसे ही इसकी सूचना थानाध्यक्ष को मिली उन्होंने जांच शुरू किया और हत्यारे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटनास्थल पर एफएसएल टीम समेत एसडीपीओ पहुंचकर वैज्ञानिक तरीके से अनुसंधान कर रहे है।

संक्षिप्त खबरें

स्ट्रीट लाइट और सड़क निर्माण में अनियमितता की शिकायत

मशरक। मशरक नगर पंचायत क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में लगी स्ट्रीट लाइट और सड़कों के निर्माण में अनियमितता को लेकर मंगलवार को जय बिहार फाउंडेशन के सदस्यों ने नगर पंचायत कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। और मामले में समुचित जांच पड़ताल कर आवश्यक सुधार की मांग की। मौके पर जय बिहार फाउंडेशन के संजय कुमार सिंह, महेश्वर सिंह,शुभनारायण सिंह,भरत सिंह, सुरेंद्र सिंह समेत अन्य थे। नगर पंचायत क्षेत्र में नये कार्यपालक पदाधिकारी मो शाहनवाज रजा ने बताया कि नगर पंचायत के वार्डों में लगीं स्ट्रीट लाइट के मरम्मत के लिए मिस्त्री लगाया गया है वहीं जिस एजेंसी ने लगाया हैं उस से जानकारी ली जा रही है । उन्होंने बताया कि नगर पंचायत का समुचित विकास और नगर पंचायत के सभी वार्डों को जलजमाव से मुक्ति और बेहतर सफाई ही उनका मुद्दा हैं अभी वे नये आए हैं ।

दहेज के लिए पत्नी की हत्याकांड में नामजद पति गिरफ्तार

मशरक। मशरक थाना क्षेत्र के निकुंभ सेमरी गांव में दहेज के लिए पत्नी की हत्याकांड में नामजद आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर मंडल कारा छपरा भेज दिया। थानाध्यक्ष धनंजय राय ने बताया कि तरैया के हरखपुरा गांव निवासी रीना देवी ने निकुंभ सेमरी गांव निवासी पंकज कुमार सिंह पति श्याम बहादुर सिंह को पुत्री करिश्मा कुमारी की दहेज मे तीन लाख नगदी और बाइक की मांग को लेकर हत्या करने की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। जिसमें पति पंकज कुमार सिंह फरार चल रहा था।

अमेठी में बस दुर्घटना में सारण के एक युवक की मौत, तीन घायल

मशरक। अमेठी में हुई बस दुर्घटना में सीमावर्ती इसुआपुर थाना क्षेत्र के केरवा गांव के एक शख्स की मौत हो गई वही दो केरवा एवम एक लौवा गांव के युवक घायल हो गए। घटना की जानकारी देते हुए केरवा गांव निवासी राजद नेता अशोक कुमार यादव ने बताया कि बस दिल्ली से यात्रियों को लेकर सिवान आ रहीं थीं और वे सिवान से मशरक के रास्ते घर आते कि अमेठी में पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर अज्ञात वाहन से बस की टक्कर हो गई। जिसमें केरवा के भीम कुमार पिता विरेन्द्र राय की मौत हो गयी । मृतक तीन भाई में सबसे बड़ा था जो दिल्ली में मजदूर के रूप में कार्य कर रहा था। मृतक भीम दो वर्ष बाद अपने गांव आ रहा था।

दो माह पूर्व गायब विवाहिता छपरा से बरामद

पानापुर(सारण) गुप्त सूचना के आधार पर स्थानीय थाने की पुलिस ने करीब दो माह पहले भोरहा गांव से गायब विवाहिता को मंगलवार को छपरा से बरामद कर लिया . बरामद महिला अनिल भगत की पत्नी जूही देवी बतायी जाती हैं .मालूम हो कि इस मामले में गायब विवाहिता की मां एवं सिवान जिले के सराय ओपी अंतर्गत सहलौर निवासी संगीता देवी ने स्थानीय थाने में अपनी पुत्री की हत्या किए जाने की प्राथमिकी दर्ज करायी थी जिसमे आधे दर्जन लोगों को नामजद किया था . वही गायब विवाहिता के ससुर वकील भगत ने भी अपनी पुत्रवधू पर 20 हजार नकदी के अलावे दो लाख के गहने लेकर भाग जाने की प्राथमिकी दर्ज करायी थी ।

ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की हुई मौत

जमुई [झाझा] झाझा रजला मुख्य रेलखंड के हरना गांव के समीप रेलवे लाइन पार कर रहे एक युवक की मौत ट्रेज्न की चपेट में आने से हो गई। मृतक की पहचान थानाक्षेत्र के रहना गांव निवासी सुल्तान अंसारी का 30 वर्षीय पुत्र सूफीयान उर्फ सुखी अंसारी के रूप में हुई है। मिली जानकारी अनुसार सूखी अंसारी अपने बच्चे को लेकर रेलवे लाईन पार कर झाझा बाजार की ओर आ रहा था कि तभी डाउन में गुजर रही सुपर एक्सप्रेस का हार्न बजा जिसके बाद बच्चा किसी तरह रेलवे लाइन पार कर गया लेकिन सुखी रेलवे लाइन पार नही कर सका और तेज रफ्तार ट्रेन युवक को जोरदार टक्कर मारा जिससे सुखी रेलवे लाइन से कुछ दूरी पर जा गिरा।

मजदूर कृषक का पुत्र का सब-इंस्पेक्टर पद पर हुआ चयन

जमुई/गिद्धौर। शिक्षा के प्रति दृढ़ता अगर इंसान में हो तो लाख बाधाएं भी उस इंसान के कामयाब बनने का रास्ता नही रोक सकती उक्त वाक्ये को चरितार्थ कर दिखाया है, गिद्धौर के बंधौरा गांव निवासी मजदूर कृषक राजकुमार रावत के पुत्र चक्रधर ने। बताते चलें कि बिहार अवर सेवा आयोग के सब इंस्पेक्टर की परीक्षा में चक्रधर कुमार ने चयनित हो गिद्धौर के बंधौरा गांव का नाम जिले में रौशन कर दिया है। चक्रधर ने वर्ष 2011 में मैट्रिक की परीक्षा महाराज चंद्रचूड़ विद्या मंदिर गिद्धौर से उतीर्ण की है। वहीं इंटरमीडिएट 2013 में उतीर्ण की है, वहीं स्नातक की शिक्षा 2017 में बीएनएम कॉलेज बढ़हिया से उतीर्ण कर विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में लगे रहे।

बिहार चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के बैनर तले एनएचएम कर्मियों ने किया प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। बिहार चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के बैनर तले एनएचएम कर्मियों ने किया प्रदर्शन। अगिआंव भोजपुर । बिहार चिकित्सा एवं जन स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के बैनर तले राज्यव्यापी धरना के समर्थन में अगिआंव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एन एचएम कर्मियों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान सरकार और विभाग के विरोधी जमकर नारेबाजी की। कर्मियों ने बताया कि सरकार दोरंगी नीति अपना कर हम सभी को बरगलाने की कोशिश कर रही हैं ।हमारे मांगे यदि पूरी नहीं होती है आंदोलन जारी रहेगा। साथ ही नारा बाजी करते हुए फेस के द्वारा अटेनडेनस बनाने के विरोध में सरकार के खिलाफ नारे बाजी की समान्य काम के लिए समान बेतन की मांग किया। उन्होंने बताया कि एएनएम को 10 हजार के लगभग ही बेतन दिया जाता हैं। और कार्य की शिमा नही मोबाइल से बहुत सारे ऐप पर भी कार्य करना पड़ता हैं युविन्ग, टैल्ली, ई डी एस पी, आश्विन,एन सी डि, इत्यादि साथ ही टिका कारण भी कार्य लिया जाता है।, इस दौरान सुनौना, प्रिया, अर्चना, सोनी, अनुपम,विभा धर्मशीला, रेणु पुष्पा इत्यादि अन्य स्वास्थ्य कर्मी शामिल थे। आन्दोलन में बिहार राज्य आशा संघ के भोजपुर जिला अध्यक्ष राणा प्रताप सिंह ने भी अपना समर्थन दिया है।

मुहर्रम को लेकर थाने में शांति समिति की बैठक, थानाध्यक्ष ने लोगों से की सहयोग की अपील

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/ई० अलीगंज :–मोहर्रम का त्योहार शांतिपूर्वक संपन्न कराने को लेकर मंगलवार को चंद्रदीप थाना परिसर में थानाध्यक्ष राजेंद्र साह की अध्यक्षता शांति समिति की बैठक आयोजित की गई।

वहीं इस बैठक में प्रखंड के सभी जनप्रतिनिधि एवं बुद्धिजीवी एवं समाजसेवी सहित मोहर्रम कमिटी के लोग उपस्थित हुए। शांति समिति कीबैठक में कैथा, आढ़ा, मतवलवा,बेला,चंद्रदीप, धरमपुर,अब्गिला चौरासा,इस्लामगर,अलीगंज, सहोड़ा, दांढ़,दिन्नगर, इचौड़, सेवे, सहित अन्य गांव से आए हुए गण्यमान्य लोगों से बारी बारी से गांव में मोहर्रम में होने वाली समस्या के बारे में जानकारी ली गई। वहीं कई गांव में संवेदन शील स्थल पर विस्तार पूर्वक जानकारी ली गई। वहीं थानाध्यक्ष राजेंद्र साह आए हुए लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मोहर्रम का त्योहार आपसी सौहार्द, भाईचारे, प्रेम,त्याग तथा सत्य के लिए कुर्बान होने वाला त्यौहार है,त्योहार आपसी मिल्लत के साथ मनाने की अपील की। मोहर्रम के लिए लाइसेंस लेना अनिवार्य है। सभी लोगों को जल्द से जल्द लाइसेंस के लिए आवेदन देने को कहा गया।

वहीं लाइसेंस धारियों से मोहर्रम में सरकारी दिशा निदेर्शों का अनुपलान करने का निर्देश दिए। वहीं सभी संवेदन शील स्थल पे पुलिस गस्ती करते रहेंगे। यदि नशे की हालत में कोई व्यक्ति पाए गए तो उसपर तुरंत करवाई की जायेगी।वहीं लाइसेंस धारी ताजिया जुलूस एवं ताजिया का पहलाम का चार्ट रूट के बारे में जानकारी ली। शांति समिति की बैठक में उपस्थित लोगों ने थानाध्यक्ष को आश्वस्त किया कि चंद्रदीप थाना क्षेत्र में मोहर्रम शांति एवं भाईचारे के साथ हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मनाया जाएगा। साथ ही पुलिस को हर संभव सहयोग करने का आश्वासन उपस्थित लोगों ने दिया। कोई भी दिक्कत हो थाना को तुरंत सूचना दे, परंतु कुछ संवेदन शील इलाकों में पुलिस की तैनाती एवं मजिस्ट्रेट प्रतिनिक्ति की जाएगी, वहीं थानाध्यक्ष राजेंद्र साह ने कहा कि कुछ जगह चिन्हित है जहा पुलिस प्रशासन सादे लिवास मे क्षेत्र मे गश्त करते रहेगी।और आसामाजिक तत्वो पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। उन्होने कहा त्योहार मे अगर कोई असामजिक तत्व खलल डालने की कोशिश करेगा उसे बख्शा नहीं जाएगा,उसे चिन्हित कर विधि सम्मत कानूनी कार्रवाई किया जाएगा।कोई भी माहौल को बिगाड़ने की कोशिश करे तुरंत थाने में सूचना दे,अफवाहों पे ध्यान न दे,चुनाव के दौरान सोशल मीडिया पर प्रशासन की पैनी नजर है, आजकल सोशल मीडिया से हमारा समाज एवं परिवार पे बुरा असर पड़ रहा है। इसलिए आप लोग से आग्रह है की इन सब चीजों से बचे,और दुसरो को भी जागरूक करे,शांति सद्भाव के साथ त्योहार मनाए, वहीं जनप्रतिनिधि एवं प्रबुद्धजनो ने भी अपने –अपने विचार व्यक्त किए। मौके मुखिया प्रतिनिधि नौशाद आलम,मुखिया प्रतिनिधि नन्हू मिया, जदयू प्रखंड अध्यक्ष शीतल मेहता, सरपंच प्रतिनिधि नन्हू मिया, रामाकांत सिंह,राणाराम नरेश सिंह,मोहम्मद शमीम मल्लिक, औरंजेब,रौशन,छोटू मिया,मगरू मिया, नईम मिया,छोटू मिया,संजय कुमार, विजय कुमार, सादिक, दिलशाद, हारून मिया,के अलावे कई गणमान्य लोग व प्रखंड क्षेत्र के बुद्धिजीवी,जनप्रतिनिधि तथा समाजसेवी उपस्थित थे।

जंगलों से हो रही बड़ी संख्या में हरी लकड़ियों की कटाई से पर्यावरण पर खतरा

प्रात : किरण संवाददाता

सोनो जमुई। एक तरफ जहां वन विभाग के द्वारा जंगली लकड़ियों को कटाई से रोकने के लिए क्ई तरह के कदम उठाए गए हैं , वहीं दूसरी तरफ सोनो प्रखंड छेत्र अंतर्गत पड़ने वाले जंगलों से बड़ी संख्या में हरी लकड़ियों की कटाई लगातार जारी है । चाहे जलावन की लकड़ियां हो चाहे खाट ओर पलंग आदि तैयार करने की , सभी के लिए जंगलों से प्रत्येक दिन बड़ी संख्या में हरी लकड़ियों की कटाई लगातार जारी है , जिससे पर्यावरण पर भारी खतरा मंडराने लगा है । गुप्त सुत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार सोनो प्रखंड छेत्र में क्ई बड़े बड़े आरा मील अवैध तरीके से संचालित किया जा रहा है । जिसमें वन विभाग ओर प्रशासन की संलिप्तता बताई जा रही है । इन सभी आरा मीलों पर जंगलों से मोटी मोटी हरी लकड़ियों को काटकर मंगाया जाता है , जिसमें स्थानीय ग्रामीणों की सहयोगिता भरपूर प्रदान किया जाता है । जंगल के आस पास बसने वाले लोग इस कार्य को अंजाम देने में अपनी अहम भूमिका निभाते हैं । बताया जाता है कि जंगली क्षेत्रों में बसने वाले आम लोग मोटी मोटी ओर किमती लकड़ियां काटकर आरा मीलों तक पहुंचाते हैं , जहां पर उन लकड़ियों से तैयार किये गए विभिन्न प्रकार के सामानों की मोटी किमत लेकर दुर दुर तक सप्लाई किया जाता है । वहीं अवैध तरीके से चलाये जा रहे इन अवैध आरा मीलों पर वन विभाग की नजर तो जाती है लेकिन विभाग मौन रहकर उसे बढ़ावा देने में लगे हुए हैं । इससे साफ जाहिर होता है कि वन विभाग की संलिप्तता आरा मीलों के साथ हे । इधर जलावन के लिए प्रत्येक दिन सेंकड़ों बंडल लकड़ियां ग्रामीणों द्वारा काटकर अपने माथे पर लिए बिक्री के लिए तीन से पांच किलोमीटर दूर तक पैदल चले जाते हैं । इस प्रकार काटी जा रही जंगली लकड़ियों से ना सिर्फ पर्यावरण पर बुरा असर पड़ रहा है बल्कि विभाग को भी लाखों रुपए का नुकसान हो रहा है । ज्ञात हो कि अवैध तरीके से काटी गई लकड़ियों के कारण विराण पड़ने लगे इन जंगलों में रहने वाले जंगली जानवरों में सुअर , नीलगाय , चीतल , गिदड़ , बंदर ओर भालुओं के साथ साथ पशु पक्षियों पर भी खास असर पड़ने लगा है ।वहीं प्रदुषित हो रहे पर्यावरण के कारण लोग शुद्ध हवा के स्थान पर पंखे ओर कुलर का सहारा लेना प्रारंभ करने लगे हैं । जिससे क्ई प्रकार के रोग फैलने की संभावना बनी हुई है । साथ ही मेहनत मजदूरी करने वाले लोगो में घटते पर्यावरण के कारण अब सिथिलता देखी जा रही है ।

स्नातक प्रथम मेधा सूची के अभ्यर्थियों के नामांकन की तिथि 10 जुलाई तक विस्तारित

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। जयप्रकाश विश्वविद्यालय में 4 वर्षीय स्नातक सीबीसीएस पाठ्यक्रम (सत्र-2024-28) के प्रथम सूची में शामिल अभ्यर्थियों के नामांकन की तिथि 10 जुलाई तक विस्तारित कर दी गई है। हालांकि, इसके बाद किसी भी परिस्थिति में नामांकन की तिथि विस्तारित नहीं की जाएगी।

नए छात्र-छात्राओं का दीक्षारम्भ 10 जुलाई को होगा और 11 जुलाई से कक्षाएं प्रारंभ हो जाएंगी।

उधर नामांकन की द्वितीय सूची का प्रकाशन भी आज प्रारंभ हो गया है। द्वितीय सूची में शामिल अभ्यर्थियों का नामांकन 10 जुलाई से 15 जुलाई 2024 तक होगा। उल्लेखनीय है कि प्रथम मेधा सूची में शामिल अभ्यर्थियों के नामांकन की अंतिम तिथि पहले 5 जुलाई 2024 निर्धारित की गई थी जिसे विस्तारित कर 8 जुलाई 2024 कर दिया गया था। इस बीच विभिन्न कारणों से बड़ी संख्या में नामांकन से वंचित छात्र-छात्राओं के अनुरोध पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए छात्रहित में माननीय कुलपति प्रो.परमेंद्र कुमार बाजपेई द्वारा प्रथम मेधा सूची में शामिल आवेदकों के नामांकन की प्रक्रिया को 10 जुलाई 2024 तक विस्तारित करने का निर्देश दिया गया है। प्रभारी अध्यक्ष छात्र कल्याण प्रो. उदयशंकर ओझा द्वारा विश्वविद्यालय प्रक्षेत्र के सभी अंगीभूत एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्य/प्रभारी प्राचार्यों को पत्र भेजकर एतत्संबंधी दिशा निर्देश जारी कर दिया गया है।

विधानपार्षद निर्वाचित होने के बाद पहली बार आरा पहुंचने पर श्रीभगवान सिंह कुशवाहा का भाजपा द्वारा स्वागत किया गया

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष दुर्गा राज के नेतृत्व मे नवनिर्वाचित विधानपार्षद श्रीभगवान सिंह कुशवाहा को आरा पहुंचने पर आरा परिसदन मे अंगवस्त्र, फूलमाला और गुलदस्ता के साथ स्वागत किया गया। ज्ञात हो कि विधानपार्षद निर्वाचित होने के बाद पहली बार मंगलवार को आरा पहुंचे।

स्वागत मे जिलाध्यक्ष सहित जिला मंत्री संतोष चंद्रवंशी, मीडिया प्रमुख संजय कुमार सिंह,प्रवक्ता निशांत सिंह सेंगर,युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष विभु जैन,शिक्षा प्रकोष्ठ जिला संयोजक शैलेश कुमार गुड्डू ,जयंत किशोर,अभिषेक मिश्रा आदि कार्यकर्ता शामिल थे।

सभापति अवधेश नारायण सिंह ने बोला तेजस्वी यादव पर जोरदार हमला

आरा। तेजस्वी यादव को अपराध पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है क्योंकि वह खुद इस पाठशाला के छात्र रहे हैं इसलिए उनको इस पर बोलना कटाई शोभा नहीं देता है उक्त बातें भाजपा के विधान परिषद सदस्य जीवन कुमार ने आर परिषद में पत्रकारों से बातचीत के क्रम में कहीं अभी आज आरा के जिला अतिथि गृह में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे इस दौरान उन्होंने तेजस्वी यादव पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा कि एक समय में बिहार लूट हत्या अपहरण के उद्योग धंधे के रूप में जाना जाता था लेकिन आज बिहार की तस्वीर बदली है और लोगों को इससे मुक्ति मिली है वही पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह के हार के बाद भाजपा विधान परिषद सदस्य ने कहा की यह हर महागठबंधन के द्वारा नहीं मिली है बल्कि यह हार आरके सिंह को अपनों से मिली है अपने पार्टी एवं एनडीए के कुछ कार्यकताओं एवं नेताओं के द्वारा साजिश के तहत उनको चुनाव हराने का काम किया गया है जिनको चिन्हित कर उन पर कार्रवाई करने की जरूरत है वह पार्टी के सिर्फ नेताओं से यह मांग करते हैं।

आरा पहुंचे बिहार विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। एक दिवसीय निजी दौरे पर बिहार विधान परिषद के कार्यकारी सभापति अवधेश नारायण सिंह आरा पहुंचे जहां की स्थानीय परिषद में कार्यकताओं ने सभापति का जोरदार स्वागत किया इस मौके पर काफी संख्या में लोगों ने उनका स्वागत किया एक बार फिर से बिहार विधान परिषद के सभापति के पद पर अवधेश नारायण सिंह आसीन हुए हैं वहीं बातचीत के क्रम में उन्होंने कहा कि जिस तरह से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हम पर भरोसा जताया है वह उनके विश्वास पर जरूर खरा उतरेंगे एवं उच्च सदन के सभापति होने के नाते वह माननीय सदस्यों के समस्याओं का निराकरण उनकी पहली प्राथमिकता होगी क्योंकि पक्ष और विपक्ष दोनों ने काफी सहयोग किया है और भोजपुर जिला के विकास के लिए वह सदैव तत्पर रहेंगे इसके पहले भी उन्होंने जिला के लिए विकास की एक लंबी लकीर खींचने का काम किया है और आगे भी वह करते रहेंगे वही आगामी 22 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र को लेकर बिहार विधान परिषद में तैयारियां जोर-जोर से चल रही है और सभापति ने उम्मीद जताई है कि सभी सदस्य इस सत्र में सहयोग करेंगे और शांतिपूर्ण तरीके से सदन चलेगा बिहार विधान परिषद के सभापति आज एक दिवसीय निजी दौरे पर आर पहुंचे हैं जहां की वह अपने पैतृक ग्राम कौथुआ भी जाएंगे और उसके बाद वापस पटना को रवाना हो जाएंगे।

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पत्रकारों की आपात व महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

खगड़िया । जिला प्रेस क्लब का आपात एवं महत्वपूर्ण बैठक पुरानी सदर अस्पताल परिसर मे सोशल पोर्टल चैनल प्रिंट इलेक्ट्रानिक वेब मीडिया एवं स्वतंत्र पत्रकारों की बैठक आयोजित की गई ।

बैठक मे सर्वसम्मति से आगामी 12 जुलाई 2024 को विस्तारित बैठक रेडक्रास भवन में आयोजित करने का निर्णय लिया गया । आगामी विस्तारित बैठक में प्रेस क्लब संचालन के लिए अधिनियम के तहत कमिटी का गठन किया जायेगा । बैठक का संचालन सिकन्दर आजाद वक्त. अध्यक्षता अरुण वर्मा ने किया, वहीं प्रस्ताव सूर्य ना० भारती ने रखा , जिसे ध्वनि मत से प्रस्ताव को पारित किया गया। बैठक को किरण देव यादव, सुमलेश कुमार. रौशन कुमार . राजा वर्मा, देव जी, रोहित कुमार. दीपक कुमार. आनन्द राज, ब्रजेश विभू . शुभम चौहान, रविश कुमार, विक्रम कुमार . इन्द्रजीत पाठक . नीरज कुमार . संजय कर्ण सुमीत कुमार .सुमन कु० झा . राजीव कुमार, प्रवीण प्रियांषू . अरविंद वर्मा, गीता कुमार धर्मेन्द्र कुमार, सुनील कुमार सहित दर्जनो पत्रकार मौजुद थे । पत्रकारों ने संयुक्त रूप से एक स्वर में कहा कि सरकार के निदेर्शालोक में बिहार के सभी जिले में प्रेस क्लब भवन का निर्माण किया गया , किंतु तकनीकी कारण बश पत्रकारों को लगभग ढाई वर्षो से सुपुर्द नहीं किया जा सका, जिसके कारण प्रेस क्लब भवन भूत बंगला में तब्दील हो चुकी है। गंदगियों का अंबार लगा हुआ है। भवन धूल फूंक रही है। उक्त सवालों को लेकर पत्रकार संगठनों ने निरंतर आंदोलन बैठक आवेदन मांग जैसे चरणबद्ध तरीके से आंदोलन किया , पदाधिकारी का ध्यान आकृष्ट करते रहा, जिसे जिलाधिकारी अमित पांडे ने संज्ञान लेकर पत्रकारों को प्रेस क्लब सुपुर्द करने हेतु पहल किए हैं जो स्वागत योग्य है, सराहनीय कदम है , किंतु प्रेस क्लब की संचालन हेतु बैठक में सभी पत्रकारों को आमंत्रित करने की जरूरत थी, जिसके लिए विस्तारित बैठक 12 जुलाई 2024 को 11:00 बजे दिन में रेडक्रॉस सभागार खगड़िया में होगी। पत्रकारों ने उक्त बैठक में अधिकाधिक संख्या में सभी पत्रकार बंधुओं से भाग लेने का अपील किया है।

विद्युत समस्या को लेकर पूर्व मंत्री ने दी आंदोलन की चेतावनी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। कांटी – मड़वन के इलाकों में विगत कुछ दिनों से लगातार हो रहे बिजली की आंख मिचौनी से परेशान विद्युत उपभोक्ताओं का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को पूर्व मंत्री अजीत कुमार के नेतृत्व में विद्युत अधीक्षण अभियंता से मिला एवं उन्हें बिजली के चरमराई व्यवस्था से उन्हें अवगत कराया। इस मौके पर पूर्व मंत्री ने अधिकारियों से कहा की व्यवस्था मे हो जल्द सुधार नहीं, तो विद्युत उपभोक्ताओं का आक्रोश झेलने को अधिकारी रहे तैयार रहें। प्रतिनिधि मंडल ने विद्युत अधिकारीक्षण अभियंता को बताया की कांटी- मड़वन के इलाके में 11 केवीए एवं 33 के वी ए लाइन का उचित रखरखाव नहीं होने के वजह से वह लगातार बाधित रहता है। लाइन ब्रेकडाउन होने के कारण 24 घंटे से अधिक समय तक उपभोक्ता को विद्युत उपभोग से वंचित होना पड़ता हैं । इस वजह से बच्चों की पढ़ाई एवं अन्य आवश्यक कार्य लगातार बाधित रहते है। इतना ही नहीं विभाग के नंबर पर फोन करने पर अभियंता न तो फोन उठाते हैं और न ही उपभोक्ता को सही स्थिति की जानकारी देते हैं। कर्मचारी एवं अधिकारियों के इस व्यवहार से विद्युत उपभोक्ता काफी आक्रोशित है। उपभोक्ताओं को सुनने के उपरांत अधीक्षण अभियंता ने कहा कि हम उपभोक्ताओं के सभी समस्याओं का त्वरित निदान करेंगे । इस मौके पर उपस्थित अधिकारियों को समस्या के त्वरित निदान के लिए अधीक्षण अभियंता ने आवश्यक निर्देश दिया। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को विद्युत लाइन दुरुस्त रखने के लिए ट्री कटिंग करने, कांटी के ग्रामीण इलाके के उपभोक्ताओं को अनवरत विद्युत उपलब्ध कराने के लिए विद्युत लोड डिवाइड करने , कांटी सब स्टेशन से मीनापुर के इलाके में की जा रही विधुत आपूर्ति के लिए स्पेशल फीडर का निर्माण करने, कांटी प्रखंड मुख्यालय में नवनिर्मित विद्युत सब स्टेशन पर लोड देने, आवश्यकता के अनुसार सभी जगह नया ट्रांसफार्मर लगाने तथा 11 केवीए के जर्जर तार को दुरुस्त करने का निर्देश दिया। इस मौके पर पूर्व मंत्री श्री कुमार ने अधिकारियों से कहा कि सरकार विद्युत के क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम उठाते हुए उपभोक्ताओं के हित में खजाना खोल रखा है यदि अधिकारियों के शिथिलता के कारण सरकार के छवि पर पड़ा तो हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहाकि कांटी में दीपक तले अंधेरा का कहावत चरितार्थ हो रहा है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इसलिए अधिकारी उपभोक्ताओं के समस्या का तुरंत निदान करें नहीं तो हम उपभोक्ताओं के साथ रोड पर उतरेंगे। इस अवसर पर बैठक में कार्यपालक अभियंता प्रोजेक्ट, विद्युत कार्यपालक अभियंता पश्चिमी ,सहायक अभियंता मुजफ्फरपुर पश्चिम एवं कांटी, मड़वन ,दामोदरपुर के कनीय अभियंता उपभोक्ताओं की ओर से मुखिया इंद्र मोहन झा, साकेत रमन पांडे, मोहम्मद शमीम, पूर्व मुखिया नंदकिशोर सिंह, जयप्रकाश यादव , अंकेश कुमार ओझा , सुजीत कुमार, जय किशन कुमार चौहान, अशोक पासवान, सुमन कुमार सिंह, इंदल शाह आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

रोहतास के डिहरी के पॉस ईलाके में चोरों का आतंक, एक घर का खिड़की का ग्रील तोड़कर चोरों ने घटना को दिया अंजाम

इसके पूर्व भी इसी मुहल्ले में चोरों ने 8 से 10 घरों में चोरी की घटना को दे चुके है अंजाम

रोहतास (बिहार)। रोहतास जिले के डेहरी नगर थानाक्षेत्र के लाल कॉलोनी वार्ड संख्या-20 में सोमवार की देर रात चोरों ने एक घर में चोरी की घटना को अंजाम देने का प्रयास किया है। लेकिन गृहस्वामी और मोहल्लेवासियों के तत्परता से चोर चोरी की घटना को अंजाम देने में असफल रहे।

घटना के बारे में गृहस्वामी निर्दोष पांडे ने बताया कि सोमवार की रात तकरीबन 02 बजे के आस-पास में वे लोग घर में सो रहे थे। इसी दौरान घर में तोड़फोड़ की आवाज आई। जिसके बाद उन्हें आशंका हुआ कि घर में चोर प्रवेश कर गए हैं। इसके बाद गृहस्वामी अपने पड़ोसियों को फोन करके इसकी जानकारी दी। पड़ोसियों द्वारा शोरगुल मचाने पर चोर मौके से फरार हो गए। तब घर वाले और पड़ोसियों ने देखा तो खिड़की के लोहे के ग्रील को तोड़कर चोर घर में प्रवेश कर चुके थे। और कमरे में रखे गए दीवान पलंग को तोड़ने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान घरवाले शोरगुल से जग गए और शोरगुल मचाने पर चोर बिना चोरी की घटना को अंजाम दिए बगैर मौके से फरार हो गए।

वही इस मामले में वार्ड पार्षद सरोज उपाध्याय ने बताया कि आए दिन लाल कॉलोनी मोहल्ले में चोरों द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया जा रहा है। इसके पूर्व में अभी तक 8 से 10 घरों में भीषण चोरी हुई है जिसकी प्राथमिक की थाने में दर्ज कर दी गई है। लेकिन पुलिस अभी तक उन सभी चोरी की घटना में शामिल चोरों और चोरी की गई सामग्रियों को बरामद नहीं कर पाई है। वहीं उन्होंने पुलिस की रात्रि गश्ती पर भी सवाल उठाए हैं। वार्ड पार्षद सरोज उपाध्याय ने बताया कि इसी मोहल्ले और वार्ड में पुलिस द्वारा टीओपी खोला गया है लेकिन उसके बावजूद भी चोरी की घटना पर अंकुश लगाने में पुलिस पूरी तरह से फेल है। उन्होंने बताया कि अभी तक चोरों द्वारा 8 से 10 घरों में चोरी की घटना को अंजाम देते हुए लाखों नगद रुपये और आभूषणों की चोरी कर ली गई है। वही मोहल्लेवासियों ने भी पुलिस के वरीय पदाधिकारी से गुहार लगाते हुए चोरी की घटना पर अंकुश लगाते हुए चोरों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने का आग्रह किया है। वही लागातार हो रही चोरी से मोहल्लेवासी दहशत में है।

सनातन संस्कृति से विश्व गुरु बनेगा भारत :विधान पार्षद जीवन कुमार

आरा: सनातन संस्कृति अपनाकर भारत देश विश्वगुरु बनेगा उक्त बातें भाजपा के विधान पार्षद जीवन कुमार ने भोजपुर जिले के चरपोखरी प्रखंड के सेमराव गॉव में आयोजित लक्ष्मीनारायण महायज्ञ में कही वे आज सेमराव में चल रहे महायज्ञ में पहुंचे थे जहाँ की उन्होंने यज्ञ स्थल पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज पूरे देश में जिस तरह से लोग सनातन संस्कृति को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं इसका खामियाजा उनको भुगतना पड़ रहा है चाहे वह कोई भी हो और आज सनातन संस्कृति से ही देश आगे बढ़ रहा है क्योंकि देश हमारा ऋषि मुनियों का देश है उसके बाद उन्होंने यज्ञ मंडप का परिक्रमा किया विधानपार्षद के यहाँ पहुंचने पर ग्रामीणों ने उनका गाजे बाजे के साथ जोरदार स्वागत किया उसके बाद वह मंदिर पहुंचे जहां की भगवान से आशीर्वाद प्राप्त किया वही यज्ञ मंडप की परिक्रमा करने के बाद उपस्थित लोगों को उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि आज सनातन ही ऐसा धर्म है जिसके माध्यम से विश्व का कल्याण हो सकता है और यह हमारी सबसे पुरानी संस्कृति है इसको कायम रखना हम सबका धर्म है।

ट्रोलिंग को गंभीरता से लेने की जरुरत नहीं

फिल्मी सितारों के लिए ट्रोलिंग कोई नई चीज नहीं है। आए दिन सितारों को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। सोशल मीडिया इनके लिए दो धारी तलवार के जैसे काम करता है, जहां एक तरफ इसकी वजह से वो अपने फैंस से सीधा जुड़ पाते हैं। वहीं, दूसरी तरफ इसकी वजह से कई बार उन्हें ट्रोलिंग जैसी चीजों से भी दो चार होना पड़ता है। अब इस पर हिंदी सिनेमा के मशहूर कलाकार इमरान हाशमी ने भी बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ये अभी एक वास्तविक सच्चाई है और इसे लोगों को मानने की जरुरत है। इसे बहुत ज्यादा गंभीरता से भी लेने की आवश्यकता नहीं है। इस पर विस्तार से बात करते हुए अभिनेता ने कहा कि उन्हें लगता है कि इसे लेकर दो तरह की सोच मौजूद है। कुछ अभिनेता अपनी जिंदगी की सभी चीजों को सार्वजनिक करना पसंद करते है। वहीं, कुछ अभिनेता अपनी निजी जिंदगी को निजी रखना पसंद करते हैं और वो भी इसमें ही विश्वास करते हैं। ऐसे में हो सकता है कि कई बार उन्हें अपनी निजता में दखलअंदाजी महसूस होती है। अभिनेता ने आगे कहा कि उनके लिए कभी ऐसी स्थिति नहीं आई,जब उन्हें चीजें दखलअंदाजी जैसी लगी हों। उन्होंने कहा कि उनसे मीडिया भी काफी विनम्र रही है।

अभिनेता ने आगे कहा कि वह इस पर ज्यादा ध्यान नहीं देते कि सोशल मीडिया पर उनके लिए कौन क्या कह रहा है। हालांकि, इस दौरान उन्होंने माना कि ट्रोलिंग एक वास्तविकता है। उन्होंने कहा कि शायद कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो आलोचना करना पसंद करते हैं। उनके अपने जीवन में शायद कई परेशानियां हैं या कभी-कभी उनके जीवन में कुछ बुरा होता है और वह सोशल मीडिया पर दूसरों को निशाना बनाते हैं। उनके लिए कलाकार सबसे आसान लक्ष्य होते हैं। अभिनेता ने आगे कहा कि उन्हें लगता है कि ये लोगों को हल्का नमक जैसे लगना चाहिए। इसे ज्यादा गंभीरता से लेने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए।

अहाना कुमरा के साथ वेब सीरीज मिक्सचर में नजर आएंगी अनुष्का रंजन

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का रंजन अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट को लेकर सुर्खियों में हैं, बताया जा रहा है कि वह हनीश कालिया के निर्देशन में बनी एक्शन थ्रिलर सीरीज मिक्सचर में अहाना कुमरा के साथ नजर आएंगी। अहाना कुमरा द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर, सलाम वेंकी, लिपस्टिक अंडर माई बुर्का और खुदा हाफिज जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुकी हैं। मिक्सचर एक मनोरंजक सीरीज है, जिसमें अपराध और रहस्य की दुनिया है। सीरीज का हिस्सा बनने पर अनुष्का रंजन ने कहा, मैं मिक्सचर के कलाकारों के साथ काम करके और इस एक्शन थ्रिलर में शामिल होकर बेहद एक्साइटेड हूं। इस प्रोजेक्ट ने अपनी कहानी और किरदारों के जरिए मुझे नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। अनुष्का ने कहा- कहानी में आए उतार-चढ़ाव ने मुझे लगातार बांधे रखा। गोवा और मुंबई के शूटिंग एक्सपीरियंस ने रोमांच को बढ़ा दिया। मैं दर्शकों के साथ इस सफर को साझा करने के लिए बेताब हूं और ऐसी प्रतिभाशाली टीम के साथ काम करने के अवसर के लिए आभारी हूं। पिनाका एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित मिक्सचर इस साल के आखिर में रिलीज होगी। इसकी शूटिंग गोवा के खूबसूरत लोकेशन्स और मुंबई की व्यस्त सड़कों पर हुई है, जो दर्शकों के लिए रोमांचक एक्सपीरियंस होगा। एक्ट्रेस के बारे में बात करें तो, अनुष्का रंजन का जन्म मुंबई में 1 अक्टूबर 1990 को हुआ। उनके पिता एक्टर व डायरेक्टर शशि रंजन हैं। उन्होंने व्हिसलिंग वुड्स से 2 साल का एक्टिंग डिप्लोमा किया और फिर कई सालों तक नादिरा बब्बर के थिएटर ग्रुप में भी काम किया। अनुष्का ने गुरुजी वीरू कृष्णा से कथक की ट्रेनिंग ली, वह एक ट्रेंड कथक डांसर हैं। उन्होंने 2015 में फिल्म वेडिंग पुलाव से डेब्यू किया। इसके बाद वह बत्ती गुल मीटर चालू में नजर आईं। इसके अलावा, उन्होंने वेब सीरीज फितरत में काम किया।

सारिपोधा सानिवारम में पुलिस अधिकारी का किरदार निभा रही हैं प्रियंका मोहन

अभिनेता नानी लगातार हिट फिल्में दे रहे हैं। वो अब अपनी अगली फिल्म सारिपोधा सानिवारम को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री प्रियंका मोहन भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। हाल ही में, निर्माताओं ने इस फिल्म से प्रियंका का लुक साझा किया था और अब उनसे जुड़ा एक और अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रियंका मोहन ने सारिपोधा सानिवारम के लिए अपनी डबिंग शुरू कर दी है। वो इस फिल्म में एक पुलिस अधिकारी का किरदार निभाते हुए दिखाई देंगी, जिसका नाम चारु होता है। इसकी जानकारी फिल्म निर्माताओं द्वारा पोस्टर जारी करके दी गई थी। उनके प्रशंसक उनका यह अवतार देखने के लिए काफी उत्सुक नजर आ रहे हैं। प्रियंका मोहन केवल सारिपोधा सानिवारम से ही सुर्खियां नहीं बटोर रही हैं, बल्कि वो ओजी फिल्म को लेकर भी चर्चा में बनी हुई हैं। इस फिल्म में पवन कल्याण मुख्य भूमिका अदा कर रहे हैं। खास बात यह है कि दोनों ही फिल्मों का निर्माण डीवीवी एंटरटेनमेंट द्वारा किया जा रहा है। नानी और प्रियंका मोहन इससे पहले गैंग लीडर फिल्म में साथ काम कर चुके हैं और सारिपोधा सानिवारम में दोनों दूसरी बार एक साथ परदे पर दिखाई देंगे। हाल ही में, फिल्म का गाना गरम-गरम रिलीज किया गया था, जिसे विशाल ददलानी ने गाया है। इसका संगीत जेक्स बिजॉय ने तैयार किया है। सारिपोधा सानिवारम एक एक्शन-ड्रामा फिल्म है। इसमें नानी और प्रियंका मोहन के अलावा साई कुमार, अदिति बालन और सुभलेका सुधाकर भी अभिनय कर रहे हैं। फिल्म में एसजे सूर्या विलेन के रोल में दिखाई देंगे।

किरदार बनाते वक्त किसी भी जेंडर को कम नहीं आंकूंगी

ताहिरा कश्यप खुराना अपनी फिल्म शर्माजी की बेटी से चर्चा बटोर रही हैं। बतौर निर्देशक यह उनकी पहली फिल्म है, जो अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है। उनकी इस फिल्म में अलग-अलग उम्र की महिलाओं और लड़कियों के जीवन की कहानी को दिखाया गया है। ताहिरा ने हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में इस फिल्म के साथ-साथ अपने फिल्म बनाने के नजरिए को लेकर भी बात की। ताहिरा ने कहा कि शर्माजी की बेटी फिल्म के पीछे का विचार यह दिखाना था कि समाज में ऐसी भी महिलाएं मौजूद हैं और उन्हें एक ही डब्बे में नहीं रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि महिला निर्देशक और महिला लेखक कहानियां कहते वक्त एक अंतर ला सकती हैं। ताहिरा कश्यप का मानना है कि अगर कैमरे के सामने और कैमरे के पीछे पर्याप्त संख्या में महिलाएं होंगी तो महिला लेखक और महिला निर्देशक जैसी बातें गैर जरुरी हो जाएगी। अपनी फिल्म को लेकर उन्हें आशा है कि इसकी कहानी लोगों को सोचने पर मजबूर कर देगी। ताहिरा ने काम को लेकर अपना नजरिया बताते हुए कहा कि चाहे वो किस भी क्षेत्र या शैली में काम कर रही हो, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वो क्या चुनती हैं। बस सभी में एक चीज जरुर मौजूद रहेगी और वो यह है कि किरदारों को बनाते समय, वो किसी भी जेंडर को कम नहीं आंकेंगी। ताहिरा कहती हैं कि जितना ज्यादा हो सके उतनी दिलचस्प कहानियां सामने लाई जानी चाहिए और इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ना चाहिए कि वे कहां से लाई गई हैं।

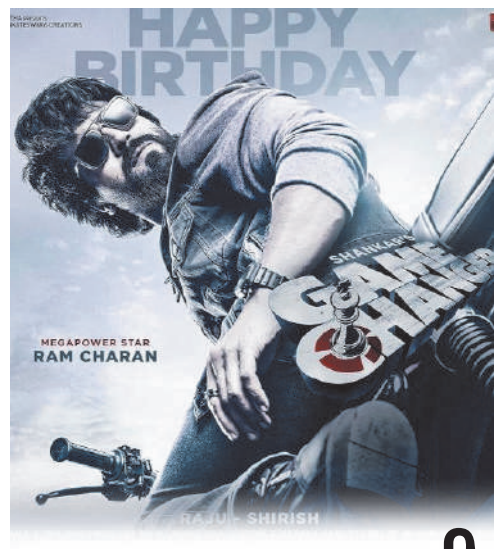

राम चरण की गेम चेंजर पर आई नई जानकारी

रामचरण साउथ सिनेमा के जाने माने अभिनेता हैं। आरआरआर के बाद पूरे देश में उनके फैंस बढ़े हैं। अभिनेता के फैंस बेसब्री से उन्हें फिर से पर्दे पर देखने का इंतजार कर रहे हैं। वह एक बार फिर से फिल्म गेम चेंजर में नजर आने वाले हैं। यह इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म को लेकर लगातार नई जानकारियां सामने आ रही हैं। दर्शक इस फिल्म में उन्हें और कियारा आडवाणी को साथ देखने के लिए काफी उत्सुक हैं। इस वजह से वो फिल्म से जुड़े हर बड़े-छोटे अपडेट्स पर नजर बनाए रखते हैं। अब एक बार फिर फिल्म से जुड़ा एक बड़ा अपडेट सामने आया है।

गेम चेंजर पर आया बड़ा अपडेट

गेम चेंजर एक राजनीतिक एक्शन ड्रामा होने वाली है, जिसे मशहूर निर्देशक शकंर शनमुगम निर्देशित कर रहे हैं। शंकर फिलहाल अपनी एक और आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म इंडियन 2 के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस फिल्म में सुपरस्टार कमल हासन नजर आने वाले हैं। यह फिल्म साल 1996 में आई फिल्म इंडियन की सीक्वेल है। बीते रविवार की रात इस फिल्म के प्री-रिलीज इवेंट में शंकर ने अपनी दूसरी फिल्म गेम चेंजर पर भी बात की। इस दौरान उन्होंने राम चरण की फिल्म की शूटिंग से जुड़ा एक बड़ा अपडेट फैंस को दिया। इंडियन 2 के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान शंकर ने बताया कि फिल्म के लिए राम चरण ने अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। अब इस फिल्म के लिए 10 से 15 दिनों की शूटिंग बाकी है। निर्माताओं ने फिल्म को दिसंबर 2024 में रिलीज किये जाने का लक्ष्य रखा है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म का सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की बहुचर्चित फिल्म पुष्पा 2 से कोई टकराव नहीं होगा, जिसकी रिलीज डेट 6 दिसंबर, 2024 रखी गई है।

दिल राजू की 50वीं फिल्म है गेम चेंजर

बताते चलें कि शंकर द्वारा निर्देशित गेम चेंजर एक राजनीतिक एक्शन थ्रिलर है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें राम चरण दो भूमिकाओं में हैं। राम चरण के साथ कियारा आडवाणी, अंजलि, एसजे सूर्या, जयराम, सुनील, श्रीकांत, समुथिरकानी और नासर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के बैनर तले बनने वाली इस फिल्म को दिल राजू ने निर्मित किया है। यह उनकी 50वीं प्रोडक्शन है। गेम चेंजर की कहानी कार्तिक सुब्बाराज ने लिखी है। शमीर मुहम्मद द्वारा संपादन और तिररू द्वारा छायांकन किया गया है। फिल्म में एस थमन द्वारा संगीत दिया गया है।

शाहरुख खान के साथ काम करने वाले हैं राघव जुयाल और लक्ष्य?

शाहरुख खान भारतीय सिनेमा के बड़े सुपरस्टार हैं। उनकी लोकप्रियता सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि विदेश में भी है। उन्हें भारतीय सिनेमा का एक ब्रांड एम्बैसडर कहा जाए, तो यह कतई अतिश्योक्ति नहीं होगी। वह इस फिल्म इंडस्ट्री के सबसे लोकप्रिय सितारों में से हैं, जो लगातार युवा पीढ़ी के साथ कदमताल करते और उन्हें प्रेरित करते रहते हैं। हाल में ही रिलीज हुई अपनी फिल्म किल के काफी सराहे जा रहे कलाकार लक्ष्य और राघव जुयाल ने उनकी तारीफ की है। शाहरुख की तारीफ करते हुए उन्होंने भविष्य में साथ काम करने की संभावनाओं पर भी इशारा किया।झ लक्ष्य और राघव जुयाल की हालिया रिलीज फिल्म किल को काफी सराहना मिल रही है। इस फिल्म हिंदी सिनेमा की सबसे ज्यादा हिंसक फिल्म बताया जा रहा है। हाल में ही एक इंटरव्यू के दौरान लक्ष्य ने किंग अभिनेता को लेकर अपनी दीवानगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि उनके लिए शाहरुख खान सब कुछ हैं। इस दौरान, जब उनसे पूछा गया कि क्या वो दोनों उनसे मिले है, तो इसका जवाब देते हुए लक्ष्य ने कहा कि वो उनके साथ मस्ती करते थे। हालांकि, दोनों ने पूरी तरह से खुलकर इस पर बात नहीं की।

शाहरुख की तारीफ करते हुए लक्ष्य ने उन्हें एक संस्थान बताया। उन्होंने कहा, वो एक आदमी नहीं है, वो अपने आप में एक संस्थान है, वो एक जादू हैं। उनको देखकर ऐसा लगता है कि इनका दस प्रतिशत भी बन जाऊं, तो जिंदगी में सफल हो जाऊंगा। लक्ष्य के अलावा राघव ने भी बॉलीवुड सुपरस्टार के साथ अपने अनुभवों पर बात की। उन्होंने कहा कि शाहरुख, अगर कमरे में सैकड़ो लोग भी हों, तब भी हर व्यक्ति को खास महसूस कराते हैं। उनके इस व्यक्तित्व ने राघव को उनका मुरीद बना दिया है। राघव ने आगे कहा कि जब भी वह उनसे मिलते हैं, तो वह काफी सम्मानित तरीके से पेश आते हैं। इस बीच राघव ने कहा कि उन्होंने साथ में काम किया है, तभी लक्ष्य ने उन्हें रोक दिया ।

भविष्य में साथ काम करने वाले हैं राघव-लक्ष्य ?

राघव ने कहा, हमने साथ मिलकर काम किया है। हालांकि, राघव इससे आगे कुछ बोलते उससे पहले लक्ष्य ने उन्हें रोक दिया और कहा कि वे इस बारे में ज्यादा बात नहीं कर सकते। उन्हें इसकी अनुमति नहीं है। इसमें आगे जोड़ते हुए मजाकिया अंदाज में कहा कि इससे वो मुसीबत में पड़ सकते हैं। हालांकि, इससे सोशल मीडिया पर लोग ये अटकलें लगा रहे हैं कि दोनों कलाकार भविष्य में शाहरुख के साथ नजर आने वाले हैं। .क्योंकि इसकी अनुमति नहीं है और मजाक में उन्होंने कहा कि वे मुसीबत में पड़ सकते हैं।

तमिल फिल्म से मीरा ने शुरू किया था अपना करियर

मीरा चोपड़ा अपनी कजिन बहन प्रियंका चोपड़ा की तरह ही एक अभिनेत्री हैं। उन्होंने साल 2005 में आई तमिल हिट फिल्म अनबे आरुइरे से फिल्मों में अपनी शुरुआत की थी।

तमिल फिल्म इंडस्ट्री में वह नीला के नाम से मशहूर हैं, वह तेलुगु और कन्नड़ भाषाओं की कई दक्षिणी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। मीरा चोपड़ा एक प्रमुख समाचार चैनल के साथ काम कर रही थीं और साथ ही मॉडलिंग प्रोजेक्ट भी कर रही थीं, तभी उन्हें साउथ में अवसर मिले जैसे ही उनकी पहली फिल्म हिट हुई, मीरा चोपड़ा को अच्छे ऑफर मिलने लगे और उनके करियर की गाड़ी चल पड़ी। मीरा ने साल 2014 में सतीश कौशिक की फिल्म गैंग ऑफ घोस्ट से बॉलीवुड में कदम रखा था।

संक्षिप्त समाचार

आयुष्मान योजना में मुफ्त इलाज की सीमा 5 लाख से बढ़कर इतनी होगी! बजट में ऐलान की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को बजट पेश करेंगी। इस बजट में आम लोगों को कई राहत मिलने की उम्मीद है। मिली जानकारी के मुताबिक, सरकार नौकरी पेशा वर्ग को इनकम टैक्स में राहत के साथ देश के कम कमाई करने वाले लोगों को आयुष्मान योजना के तहत मिलने वाली मुफ्त इलाज की सीमा 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख कर सकती है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, केंद्र सरकार बजट में बीमा कवरेज को दोगुना करने के बारे में बड़ी घोषणा कर सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सरकार आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा

योजना के तहत लाभार्थी आधार को दोगुना कर सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, अब यह योजना 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों को कवर करेगी।

आयुष्मान भारत PM-JAY दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम है, जिसका उद्देश्य 12 करोड़ से अधिक गरीब और कमजोर परिवारों (लगभग 55 करोड़ लाभार्थी) को 5 लाख रुपए तक मुफ्त इलाज मुहैया कराना है। अब इस सीमा को बढ़ाने की तैयारी हो रही है। पीएम-जेएवाई पूरी तरह से सरकार द्वारा वित्त पोषित है और कार्यान्वयन की लागत केंद्र और राज्य सरकारों के बीच साझा की जाती है।

एमसीएक्स में टेक्नीकल इश्यू से कमोडिटी ट्रेडिंग ठप, जानें कब शुरू होगी

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में आज (9 जुलाई) को कारोबार देरी से खुलेगा। एमसीएक्स ने तकनीकी समस्याओं का हवाला देते हुए कहा कि मंगलवार को ट्रेडिंग सुबह 9 बजे के बजाय सुबह 10 बजे शुरू होगी। एमसीएक्स ने निवेशकों को सोमवार के कारोबार के लिए दिन के अंत की प्रक्रियाओं में तकनीकी गड़बड़ी के बारे में सूचित किया है, जिसके कारण देरी हुई है। एक्सचेंज ने कहा कि आज दिन के लिए विशेष कारोबारी सत्र सुबह 9ः45 बजे शुरू होगा और बाजार में कारोबार आज सुबह 10 बजे से शुरू होगा। इससे पहले, फरवरी में भी एमसीएक्स पर घंटों तक कारोबार शुरू नहीं हो पाया था। दोपहर 1 बजे के आसपास एमसीएक्स पर प्री-ओपन ट्रेडिंग शुरू हुई थी। किसी भी एक्सचेंज के लिए दिन के अंत की प्रक्रियाएं यह सुनिश्चित करने के लिए जरूरी होती हैं कि लेन-देन सही ढंग से अपडेट और बनाए रखा जाए। इस प्रक्रिया में लेन-देन करने वाले पक्षों के बीच ऑर्डर का मिलान, दिन के अंत की रिपोर्ट बनाना, डेटा का बैकअप लेना, जोखिम और मार्जिन जरूरतों की समीक्षा, आंतरिक अनुपालन जांच और अन्य पहलू शामिल हो सकते हैं। एमसीएक्स पर एग्री वायदा कारोबार के लिए केवल शाम 5 बजे तक उपलब्ध होते हैं।

अच्छी बारिश से खिले किसानों के चेहरे

खरीफ फसल की बुआई ने पकड़ी रफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। खरीफ फसल की बोआई पिछले सप्ताह तक पिछले साल से लगातार बेहतर बनी रही है। जुलाई में मॉनसून के गति पकड़ने के साथ कृषि इनपुट कंपनियां इस सीजन में बिक्री में 10 से 20 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद कर रही हैं। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के मुताबिक 5 जुलाई तक खरीफ फसलों की बोआई 378 लाख हेक्टेयर से ज्यादा क्षेत्र में हो चुकी है। खरीफ फसल की बोआई पिछले साल की तुलना में 14.10 प्रतिशत अधिक हुई है।

जीएसपी क्रॉप साइंस के कार्यकारी निदेशक तीर्थ शाह ने कहा, 'मॉनसून के पहले आने और बेहतर बारिश के अनुमान को देखते हुए इस खरीफ सीजन में प्लांट केमिकल्स की मांग और बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। मौसम अनुकूल रहने के साथ किसान अपनी खेती का रकबा बढ़ा सकते हैं। खासकर धान, सोयाबीन और कपास की फसल का रकबा बढ़ने की संभावना है।'

चालू सीजन में सबसे बेहतरीन बोआई दलहन फसलों की हुई है। दलहन फसलों का रकबा पिछले साल की सामान्य अवधि से 50 प्रतिशत से भी अधिक बढ़ा है। देश में धान की बोआई 59.99 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में हुई, जबकि पिछले साल इस समय तक धान का रकबा 50.26 लाख हेक्टेयर था यानी चालू खरीफ सीजन में धान की रोपाई पिछले साल की तुलना में 19.4 प्रतिशत अधिक है।

दलहन फसलों की बोआई पिछले साल के 23.78 लाख हेक्टेयर से 54.8 प्रतिशत की बढ़त के साथ 36.81 लाख हेक्टेयर में हो चुकी है। दालों में अरहर की बोआई 20.82 लाख हेक्टेयर और उड़द की बोआई 5.37 लाख हेक्टेयर, मूंग की बोआई 8.49 लाख हेक्टेयर, कुल्थी की 0.08 लाख हेक्टेयर और अन्य दालों की बोआई 2.05 लाख हेक्टेयर हेक्टेयर हो चुकी है।

तिलहन फसलों की बोआई पिछले साल की तुलना में 54.5 प्रतिशत अधिक हुई है। तिलहन फसलों की बोआई 80.31 लाख हेक्टेयर में हुई है जबकि पिछले साल इस समय तक देश में तिलहन फसलों की कुल रकबा 51.97 लाख हेक्टेयर था।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अंकुर अग्रवाल ने कहा कि इस सीजन के बेहतर संकेतकों से हमारा अनुमान है कि मांग में 10 से 11 प्रतिशत बढ़ोतरी होगी, क्योंकि तेजी के कारण बीज और फसल सुरक्षा वाले उत्पादों की भी मांग बढ़ेगी।

विश्लेषकों का कहना है कि उर्वरक क्षेत्र को भी इस साल बिक्री बढ़ने की उम्मीद है और सभी उर्वरकों को मिलकार इस वित्त वर्ष में बिक्री 1 से 3 प्रतिशत बढ़ सकती है। मोटे अनाज की बोआई धीमी है।

धान की बुवाई का रकबा 19.35 फीसदी बढ़ा, दलहन में करीब 55 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी

नई दिल्ली, एजेंसी। कृषि मंत्रालय की सोमवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, दालों की बुवाई का रकबा भी 8 जुलाई, 2024 तक एक साल पहले की समान अवधि के 23.78 लाख हेक्टेयर से 54.79 फीसदी बढ़कर 36.81 लाख हेक्टेयर पहुंच गया। धान की धीमी बुवाई को पिछले 10 दिन से हो रही बारिश ने बूस्टर डोज दे दिया है। इसलिए, धान की बुवाई ?का रकबा चालू खरीफ सीजन 2024-25 में 19.35 फीसदी बढ़कर 59.99 लाख हेक्टेयर पहुंच गया है। एक साल पहले की समान अवधि में यह रकबा 50.26 लाख हेक्टेयर था। कृषि मंत्रालय की सोमवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, दालों की बुवाई का रकबा भी 8 जुलाई, 2024 तक एक साल पहले की समान अवधि के 23.78 लाख हेक्टेयर से 54.79 फीसदी बढ़कर 36.81 लाख हेक्टेयर पहुंच गया। इस अवधि में अरहर की बुवाई ?का रकबा भी 4.09 लाख हेक्टेयर से पांच गुना बढ़कर 20.82 लाख ?हेक्टेयर पर पहुंच गया।

अब जहाज भी बनाएंगे गौतम अडानी!

दुनिया को 30 साल में चाहिए 50,000 से अधिक कमर्शियल शिप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस गौतम अडानी अब जहाज निर्माण यानी शिपबिल्डिंग में उतरने की योजना बना रहे हैं। गुजरात के मुंद्रा में अडानी ग्रुप के फ्लैगशिप पोर्ट पर जहाज बनाने का काम शुरू हो सकता है। इसकी वजह यह है कि चीन, जापान और दक्षिण कोरिया में अधिकांश यार्ड कम से कम 2028 तक पूरी तरह बुक हैं। यही वजह है कि दुनिया में जहाज ऑपरेट करने वाली बड़ी कंपनियों को शिपबिल्डिंग के लिए वैकल्पिक जगहों की तलाश है। इनमें भारत भी शामिल है। इस मौके का फायदा उठाने के लिए अडानी ग्रुप शिपबिल्डिंग में उतरने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। अडानी ग्रुप देश का सबसे बड़ा पोर्ट ऑपरेटर है।

मैरीटाइम इंडिया विजन 2030 में भारत को शीर्ष 10 शिपबिल्डर बनाने और मैरीटाइम अमृत काल विजन में 2047 तक शीर्ष पांच में शामिल होने का लक्ष्य रखा गया है। अडानी ग्रुप का प्लान देश की इस योजना में फिट बैठता है। दुनिया में कमर्शियल शिपबिल्डिंग मार्केट में भारत की हिस्सेदारी महज 0.05त्न है। दुनिया में कमर्शियल जहाज बनाने वाले देशों की लिस्ट में भारत 20वें स्थान पर है। देश की कुल विदेशी माल-ढुलाई आवश्यकताओं में भारतीय स्वामित्व वाले और भारतीय झंडे वाले जहाजों का हिस्सा लगभग 5त्न है। अडानी की जहाज निर्माण योजना को मुंद्रा बंदरगाह के लिए 45,000 करोड़ रुपए की विस्तार योजना में शामिल कर लिया गया है।

मर्सिडीज बेंज ने भारत में पहली छमाही और दूसरी तिमाही की अब तक की सबसे अच्छी सेल दर्ज की

नई दिल्ली, एजेंसी। संतोष अय्यर, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने बताया हमारे उत्पादों व सेवाओं में ग्राहकों के निरंतर विश्वास के कारण मर्सिडीज-बेंज भारतीय बाजार में सबसे डिज़ायरेबल लक्ज़री ब्रांड बना हुआ है। नए और अपडेट उत्पाद, ग्राहकों के बेहतर रिटेल अनुभव, ईज़ ऑफ़ ओनरशिप तथा ग्राहकों की सकारात्मक भावनाओं ने पहली छमाही की सेल में हमारा अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन संभव बनाया है। आगामी त्योहारों के लिए हमारे पास सबसे बहुप्रतीक्षित उत्पादों की श्रृंखला है, इसलिए अगली तिमाहियों में हमें यह वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है। ग्राहकों का रुझान तेजी से सस्टेनेबल जीवनशैली की ओर बढ़ रहा है और यह परिवर्तन उनके द्वारा चुने गए वाहन से प्रदर्शित होता है। ईक्यूए और ईक्यूबी युवा ग्राहकों पर केंद्रित हैं, जो स्पोर्टी, डायनामिक, अत्यधिक इंट्यूटिव बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन पसंद करते हैं, क्योंकि ये व्यावहारिक हैं और पेट्रोल एवं डीज़ल वाहनों के मुक़ाबले बेहतर ओनरशिप का अनुभव प्रदान करते हैं। जहाँ ईक्यूए विश्व में मर्सिडीज-बेंज का सबसे सफल बीईवी है, वहीं ईक्यूबी 350 युवा परिवारों के लिए एक व्यावहारिक और स्टाइलिश 5-सीटर वाहन है, जो उन्हें लंबी रेंज प्रदान करता है। इसलिए यह शहर और हाईवे दोनों के लिए उपयुक्त है। इन दोनों मॉडलों में बीईवी ओनरशिप का एक आकर्षक, सुविधाजनक और उत्तम अनुभव प्राप्त होता है। भारत में बीईवी के लिए हमारी महत्वाकांक्षी योजना है, जिसमें ईक्यूए से लेकर इस साल के अंत तक आने वाली ईक्यूएस मेबैक एसयूवी तक एक विस्तृत बीईवी पोर्टफोलियो शामिल है। पुणेः भारत के सबसे डिज़ायरेबल लक्ज़री कार निर्माता, मर्सिडीज-बेंज ने आज भारत में अपने ग्लोबल पोर्टफोलियो से दो आकर्षक बीईवी पेश किए। मर्सिडीज-बेंज ने पाँच-सीटर कॉन्फ़िगरेशन में अपने बहुप्रतीक्षित ईक्यूए 250. बीईवी और ईक्यूबी 350 बीईवी पेश किए हैं। ये दोनों लग्जरी बीईवी मर्सिडीज-बेंज के बीईवी पोर्टफोलियो को मजबूत करेंगे। इनमें ग्राहकों को ज्यादा रेंज, दैनिक उपयोग की व्यवहारिकता, ड्राइविंग का डायनामिक अनुभव, बेहतरीन कॉस्ट ऑफ़ओनरशिप और शानदार बाय-बैक मूल्य प्राप्त होगा। ये लक्ज़री बीईवी युवाओं और गतिशील परिवारों पर केंद्रित हैं, जो जल्दी ई-मोबिलिटी अपनाने वाले, ट्रेंडसेटर और पर्यावरण के प्रति अत्यधिक जागरूक होते हैं।

पीपीएस मोटर्स ने हासिल की ऐतिहासिक उपलब्धि, 40,000 फॉक्सवैगन वाहन बेचने वाला देश का पहला मल्टी-स्टेट डीलर बना

हैदराबाद, एजेंसी। देश के सबसे बड़े ऑटोमोबाइल समूहों में से एक और एक बड़े ऑटोमोबाइल समूह की इकाई पीपीएस मोटर्स ने देश में 40,000 फॉक्सवैगन वाहनों को बेचने की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। इस तरह पीपीएस मोटर्स यह उपलब्धि दर्ज करने वाला भारत का पहला मल्टी-स्टेट डीलर बन गया है। पीपीएस मोटर्स के पास भारत में फॉक्सवैगन के लिए टच पॉइंट्स का सबसे बड़ा नेटवर्क है, जिसमें पाँच राज्यों में फैले 33 टचपॉइंट हैं। ये राज्य हैं- तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और असम। महामारी के बाद ऑटो उद्योग में मंदी के बावजूद, पीपीएस मोटर्स ने 33 टच पॉइंट्स तक विस्तार किया है, जो फॉक्सवैगन का सबसे बड़ा नेटवर्क पार्टनर बन गया है। वर्तमान में भारत में बिकने वाला हर 10वां फॉक्सवैगन वाहन पीपीएस मोटर्स के माध्यम से बेचा जाता है, जो बाजार में कंपनी की लीडिंग पोजीशन और ग्राहकों की संतुष्टि के लिए असाधारण प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पीपीएस मोटर्स-फॉक्सवैगन टच पॉइंट्स के लिए 4.8 की उच्च गूगल रेटिंग असाधारण सेवा गुणवत्ता और ग्राहक संतुष्टि को दर्शाती है। इस अवसर पर पीपीएस मोटर्स के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री राजीव संघवी ने कहा, ''हम डेढ़ दशक से अधिक की अपनी यात्रा में फॉक्सवैगन के साथ साझेदारी करके बहुत खुश हैं, जो हमारे लिए बहुत ही उपयोगी साबित हुई है। हम अपने ग्राहकों के प्रति उनके विश्वास और समर्थन के लिए आभारी हैं, जिसके कारण पीपीएस मोटर्स 40,000 कारों की बिक्री करने की उपलब्धि तक पहुंच पाया है। हमें भारत में फॉक्सवैगन का सबसे बड़ा साझेदार होने पर गर्व है, जहां हर 10वां फॉक्सवैगन पीपीएस मोटर्स द्वारा बेचा जाता है।

महिंद्रा ने बीएस-6 ओबीडी II ट्रकों की अपनी पूरी रेंज के लिए

शुरू की माइलेज गारंटी

पुणे - महिंद्रा समूह की इकाई महिंद्रा ट्रक और बस डिवीजन (एमटीबीडी) ने क्र्ंह्र ङ्ग, स्न्न्छ्ह, ह्क्क्छ्द्ब्स्ह × छ्व्ब्ह ट्रकों की अपनी पूरी बीएस-6 ओबीडी रेंज के लिए एक शानदार कस्टमर वैल्यू प्रीपोजीशन की घोषणा की है। कमर्शियल वाहन उद्योग में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए महिंद्रा ने इस पहल को 'अधिक माइलेज हासिल करें या ट्रक वापस दें' नाम दिया है। इस पहल में एचसीवी, आईसीवी और एलसीवी ट्रकों को शामिल किया गया है। इंडस्ट्री की यह अग्रणी पहल ईंधन की बढ़ती कीमतों और विकसित नियामक मानकों द्वारा उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए शुरू की गई है। नई रेंज में फ्यूलस्मार्ट तकनीक के साथ प्रमाणित 7.2 एमपावर इंजन (एचसीवी) और एमडीआई टेक इंजन (आईएलसीवी), प्रमाणित आफ्टर ट्रीटमेंट सिस्टम के साथ माइल्ड ईजीआर शामिल है, जिसके परिणामस्वरूप एड ब्लू की खपत कम होती है। साथ ही इनमें अन्य अनेक टैक्नोलॉजी संबंधी एडवांस्मेंट भी जोड़े गए हैं और अत्याधुनिक द्वस्न्न्ड्ड टेलीमैटिक्स समाधान भी है, जो गारंटीड उच्च माइलेज सुनिश्चित करते हैं। इस माइलेज गारंटी में न केवल फ्यूल एफिशिएंसी शामिल है, बल्कि इसमें सबसे कम एड ब्लू खपत का संयोजन भी है, इसलिए सही मायने में महिंद्रा की माइलेज गारंटी का मतलब है श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ 'फ्लुइड एफिशिएंसी'। टैक्नोलॉजी संबंधी एडवांस्मेंट के बेहतर नतीजों को सुनिश्चित करने के लिए, महिंद्रा ने 21 उत्पाद श्रेणियों में फ्लुइड एफिशिएंसी (डीजल प्लस एड ब्लू) परीक्षण किए, जिसमें प्रतिस्पर्धियों के वाहनों सहित 71 मॉडल शामिल थे। इन परीक्षणों के दौरान, जो 1 लाख किलोमीटर से अधिक तक चले और जिसमें विभिन्न प्रकार के भार और सड़क की स्थिति शामिल थी, महिंद्रा ने असाधारण माइलेज प्रदर्शन प्रदान करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

महिला उद्यमियों के सशक्तिकरण के लिए वूमन एंटरप्रेन्योरशिप प्लेटफॉर्म व ट्रांसयूनियन सिबिल ने शुरू किया प्रोग्राम सहर

मुंबई, एजेंसी। वूमन एंटरप्रेन्योरशिप प्लेटफॉर्म (डब्ल्यूईपी) और ट्रांसयूनियन सिबिल की ओर से आज शुरू किया गया ऋण शिक्षा कार्यक्रम सहर (एसईएचईआर) भारत में महिला उद्यमियों को फ़ाइनेंस से जुड़ी शिक्षा और समझ देने के साथ व्यावसायिक कौशल से लैस करेगा, जिससे देश की अर्थव्यवस्था का विकास होगा और रोजगार बढ़ाने के लिए आवश्यक वित्तीय साधनों तक पहुंचने में मदद मिलेगी। वूमन एंटरप्रेन्योरशिप प्लेटफॉर्म (डब्ल्यूईपी) नीति आयोग द्वारा विकसित एक पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप प्लेटफॉर्म है और इसका उद्देश्य भारत में महिला उद्यमियों के लिए एक इकोसिस्टम तैयार करना है। यह कार्यक्रम डब्ल्यूईपी के फाइनेंसिंग वूमेन कोलैबोरेटिव (एफडब्ल्यूसी) का हिस्सा है, जो महिला उद्यमियों के लिए फाइनेंस तक पहुंच में तेजी लाने के उद्देश्य से अपनी तरह की नई पहल है। सहर कार्यक्रम का शुभारंभ वूमन एंटरप्रेन्योरशिप प्लेटफॉर्म (डब्ल्यूईपी) की मिशन डायरेक्टर और नीति आयोग की प्रिंसिपल इकोनॉमिक एडवाइजर अन्ना रॉय ने वित्त मंत्रालय के डिपार्टमेंट ऑफ फाइनेंस सर्विस (डीएफएस) के डायरेक्टर (वित्तीय समावेशन) जितेंद्र असाटी, इंडियन बैंक एसोसिएशन (आईबीए) के चीफ एग्जीक्यूटिव सुनील मेहता, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नीरज निगम, एमएसएमई मंत्रालय की जॉइंट सेकेटरी मर्सी एपाओ और ट्रांसयूनियन सिबिल के एमडी और सीईओ राजेश कुमार की मौजूदगी में किया।

एआईसीटीई और ओप्पो इंडिया ने भारत में 'जनरेशन ग्रीन'

अभियान के अंतर्गत 5000 स्टूडेंट इंटर्नशिप्स द्वारा ग्रीन स्किल्स के निर्माण के लिए गठबंधन किया

नई दिल्ली,एजेंसी। ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) और ओप्पो इंडिया ने अपने 'जनरेशन ग्रीन' अभियान की घोषणा की।

इस 100 दिवसीय कार्यक्रम का प्रबंधन 1स्न्1क्च (वन मिलियन फॉर वन बिलियन) द्वारा किया जाएगा, और इसके अंतर्गत भारत के कॉलेजों में युवाओं को 5000 इंटर्नशिप्स के अवसरों द्वारा ग्रीन स्किल प्रदान की जाएगी।

लिंक्डइन की ग्लोबल ग्रीन स्किल्स रिपोर्ट 2023 के मुताबिक, ग्रीन स्किल वाले प्रत्याशियों को नौकरी मिलने की संभावना औसत कार्यबल के मुकाबले 29 प्रतिशत ज्यादा होती है। इस अभियान के अंतर्गत पर्यावरण के प्रति जागरुक कौशल का विकास किया जाता है ताकि विद्यार्थियों का ज्ञान बढ़ाकर उन्हें भविष्य के अवसरों के लिए तैयार किया जा सके। डॉ. टीजी सीताराम, चेयरमैन, एआईसीटीई ने कहा, ''एआईसीटीई को ग्रीन इंटर्नशिप प्रोग्राम के लिए ओप्पो इंडिया के साथ गठबंधन करने पर गर्व है।'' उन्होंने कहा, ''यह विद्यार्थियों के लिए सस्टेनेबिलिटी के प्रयासों में योगदान देने और अपने कौशल का विकास करने का एक बेहतरीन अवसर है, ताकि वो पर्यावरण की चुनौतियों से निपट सकें और एक ईको-फ्रेंडली दुनिया के निर्माण में योगदान दे सकें। ओप्पो इंडिया पहली इलेक्ट्रॉनिक्स मैनुफैक्चरिंग कंपनी है, जो एआईसीटीई द्वारा इंटर्नशिप प्रदान कर रही है।

सूर्यकुमार पत्नी के साथ उडुपी मंदिर पहुंचे, टी20 क्रिकेट विश्व कप जीतने पर की विशेष पूजा

उडुपी (कर्नाटक) (एजेंसी)। भारतीय टीम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव पत्नी दिविशा शेट्टी के साथ मंगलवार को उडुपी जिले के कापू मारिगुडी मंदिर गए और टी20 क्रिकेट विश्व कप जीतने पर विशेष पूजा की।

सूर्यकुमार और दिविशा सोमवार को मेंगलुरु पहुंचे थे। उन्होंने हवाई अड्डे पर ही केक काटकर अपनी शादी की आठवीं सालगिरह मनाई थी। दिविशा मूल रूप से दक्षिण कन्नड़ के तटीय क्षेत्र की रहने वाली है। मंदिर के अधिकारियों के अनुसार दिविशा ने भारत के टी20 विश्व कप जीतने पर अपने पति के साथ कापू मारिगुडी मंदिर जाने का संकल्प लिया था। उन्होंने कहा कि सूर्यकुमार और दिविशा ने देवी कापू मरियम्मा को चमेली के फूलों की माला चढ़ाई और परिवार के लिए आशीर्वाद मांगा।

इस दौरान दिविशा को मंदिर में तुलु भाषा में बात करते देखा गया। सूर्यकुमार ने तुलु में भी बोलने की कोशिश की, जिससे मंदिर के अधिकारियों को सुखद आश्चर्य हुआ। अधिकारियों ने सूर्यकुमार को मंदिर के इतिहास के बारे में भी बताया, जो इस क्षेत्र के सबसे पुराने मंदिरों में से एक है। भारतीय बल्लेबाज को इस दौरान हावेरी जिले में बन रही कापू मरियाम्मा मंदिर की भी जानकारी दी। नए मंदिर को करीब 40 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जा रहा है। मंदिर के अधिकारियों ने कहा कि 'गर्भगुड़ी', 'उचंगी गुड़ी' और 'सत्तुपौली' का काम 90 फीसदी पूरा हो चुका है।

रोहित, विराट, बुमराह को श्रीलंका दौरे से दिया जा सकता है आराम

अगले सप्ताह होगी टीम की घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप खिताब जीतने के बाद, रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह को इस महीने के अंत में होने वाले आगामी श्रीलंका दौरे के लिए आराम दिया जा सकता है। भारत को 27 जुलाई से शुरू होने वाले तीन टी20 और तीन वनडे मैच खेलने हैं। रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई बांग्लादेश दौरे पर लौटने से पहले तीन वरिष्ठ खिलाड़ियों को दौरे के लिए आराम देना चाहता है, जहां भारत 19 सितंबर से शुरू होने वाले दो टेस्ट और तीन टी20 मैच खेलेगा। रोहित, कोहली और रवींद्र जडेजा ने पिछले महीने टी20 विश्व कप जीत के बाद टी20 से संन्यास की घोषणा की है। हालांकि वे अन्य प्रारूपों में भारत के लिए खेलना जारी रखेंगे। बीसीसीआई अगले सप्ताह श्रीलंका दौरे के लिए भारत की टीम की घोषणा कर सकता है।

बीसीसीआई के सूत्र के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया है, वरिष्ठ खिलाड़ी थोड़ा आराम कर सकते हैं और आने वाले पूरे क्रिकेट सत्र के लिए तैयार हो सकते हैं। रोहित, विराट और बुमराह को आराम दिया गया है और वे सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट मैचों के लिए टीम से जुड़ेंगे।

इस बीच 2024 टी20 विश्व कप राहुल द्रविड़ का मुख्य कोच के रूप में आखिरी काम था। उन्होंने कैरेबियन में खिताब के सूखे को समाप्त करने से पहले भारत को लगातार तीन आईसीसी फाइनल में पहुंचाया जिसमें 2023 में दो - विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और एकदिवसीय विश्व कप शामिल हैं। क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) ने मुख्य कोच की भूमिका के लिए गौतम गंभीर और डब्ल्यूवी रमन का साक्षात्कार लिया है और द्रविड़ की जगह लेने के लिए पूर्व सबसे आगे हैं।

पहली बार एक ही देश के दो खिलाड़ी ने जीता यह सम्मान

● बुमराह और मंधाना चुने गए प्लेयर ऑफ द मंथ ● महिला कैटेगरी में भी भारत के स्मृति मंधाना को मिला अवॉर्ड

दुबई (एजेंसी)। भारत की पुरुष टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और महिला टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना को आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार से नवाजा गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) मंगलवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि जून महीने में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जसप्रीत बुमराह और स्मृति मंधाना को यह पुरस्कार दिया गया है। यह पहली बार है जब एक ही देश महिला और पुरुष वर्ग के खिलाड़ियों ने एक ही महीने में यह पुरस्कार जीते हैं। बुमराह ने भारतीट टीम के कप्तान रोहित शर्मा और अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के रहमानुल्लाह गुरबाज को पीछे छोड़ते हुए ये सम्मान हासिल किया है। बुमराह ने पुरस्कार के लिए चुने जाने के बाद कहा, 'जून आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ बनकर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। हम लोगों के लिए पिछले कुछ दिन बहुत शानदार रहे हैं।

उम्दा प्रदर्शन कर टूर्नामेंट जीतना खास अहसास है, इन यादों को मैं हमेशा अपने साथ रखूंगा। इस दौरान कप्तान रोहित शर्मा और रहमानुल्लाह गुरबाज को शानदार प्रदर्शन के लिए मैं बधाई देता हूं। अंत में मैं अपने परिवार, साथी खिलाड़ियों और कोचों को शुक्रिया अदा करना चाहता हूं।

बुमराह के नाम टी20 वर्ल्ड कप में 15 विकेट - जसप्रीत बुमराह ने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज को पछाड़कर यह खिताब जीता जबकि मंधाना ने इंग्लैंड की माइया बाउचर और श्रीलंका की विस्मी गुणारत्ने को पीछे छोड़कर महिलाओं का पुरस्कार जीता। आईसीसी ने जारी बयान में कहा कि पिछले महीने टी20 विश्व कप में 15 विकेट चटकाकर टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गये बुमराह ने जून के लिए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार भी जीता है। जसप्रीत बुमराह ने टी20 विश्व कप में 8.26 की औसत से विकेट चटकाये जबकि महज 4.17 रन प्रति ओवर के हिसाब से रन दिये। आईसीसी के बयान में बुमराह ने कहा, 'मुझे जून के लिए आईसीसी का महीने का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुने जाने पर खुशी हो रही है। अमेरिका और वेस्टइंडीज में कुछ यादगार सप्ताह बिताने के बाद मेरे लिये यह विशेष सम्मान है। एक टीम के तौर पर हमें जश्न मनाने के काफी मौके मिले और इस में योगदान देकर मुझे अच्छा लगा।%

स्मृति मंधाना ने ठोके थे दो शतक - महिला वर्ग में मंधाना ने बेंगलुरु में पहले वनडे में 117 रन की शानदार पारी खेली। उनके शतक से भारत पांच विकेट पर 99 रन से 265 रन का स्कोर खड़ा करने में सफल रहा, जो दक्षिण अफ्रीका के लिए काफी साबित हुआ। उन्होंने दूसरे मैच में 120 गेंद में 136 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। वह तीसरे मैच में 90 रन पर आउट होने के कारण शतकों की हैट्रिक पूरा करने से चूक गयी। उन्होंने कहा, 'मैं जून के लिए आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी पुरस्कार जीतकर वास्तव में खुश हूं। टीम ने जिस तरह से प्रदर्शन किया है उसमें मैं योगदान देकर खुश हूं। हमने वनडे और टेस्ट सीरीज जीती और उम्मीद है कि हम अपना फॉर्म जारी रखेंगे और मैं भारत के लिए और अधिक मैच जीतने में योगदान दे सकता हूं।'

विम्बलडन में जीत के बाद दर्शकों पर फूटा जोकोविच का गुस्सा

मुझे छू भी नहीं सकते...जमकर लगाई क्लास

लंदन (एजेंसी)। सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच विम्बलडन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। जोकोविच ने प्री क्वार्टर फाइनल मकाबले में नॉर्वे के होल्गर रूने को 6-3, 6-4, 6-2 से हराया। 2 घंटे तीन मिनट चले मुकाबले में उन्होंने रूने को कोई मौका नहीं दिया। 37 साल के जोकोविच साल के पहले ग्रैंड स्लैम खिताब की तलाश कर रहे हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल और फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गए थे।

फैंस पर फूटा जोकोविक का गुस्सा - मैच के दौरान सेंटर कोर्ट पर दर्शक लगातार रूने को सपोर्ट कर रहे थे। इसके साथ ही जोकोविच के खिलाफ हूटिंग भी की जा रही थी। मैच के बाद जोकोविच ने अपनी स्पीच में सभी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- वो सभी लोग

जिन्होंने मेरा अनादर किया है, उन्हें गुडनाइट, गुउड नाइट, गुड नाइट।

इसके बाद प्रजेंटर ने कहा कि हो सकता है फैंस रूने को चीयर कर रहे थे और जोकोविच ने उसे हूटिंग समझ लिया हो। इसके बाद भी जोकोविच नहीं रुके। उन्होंने कहा- मैं इसे स्वीकार नहीं करता, नहीं, नहीं, नहीं। मुझे पता है कि वे रूने के लिए चीयर कर रहे थे, लेकिन यह भी हूटिंग करने का एक बहाना है। मैं 20 से अधिक सालों से दौरे कर रहा हू। इसलिए मैं सभी तरकीबें जानता हूं। मुझे पता है कि यह कैसे काम करता है। यह ठीक है।

मुझे छू भी नहीं सकते हो - जोकोविच ने आगे कहा- मैं उन सम्मानजनक लोगों पर फोकस करता हूं, जो सम्मान करते हैं। जिन्होंने यहां आने और देखने के लिए टिकट लिया है। टेनिस से प्यार करते हैं और खिलाड़ियों और उनके खेल की सराहना करते हैं। मैंने इससे कहीं अधिक शत्रुतापूर्ण वातावरण में खेला है। मेरा भरोसा करो, तुम लोग, तुम लोग मुझे छू नहीं सकते।

ज्वेरेव हारकर हुए बाहर - अमेरिका के 13वीं वरीयता प्राप्त टेलर फिट्ज ने दो सेट में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 4-6, 6-7, 6-4, 7-6, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उनका सामना 25वीं वरीयता प्राप्त इटली के लोरेंजो मुसेत्ती से होगा जो पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम में अंतिम आठ में पहुंचे हैं। फिट्ज को विम्बलडन 2022 में रफेल नडाल ने हराया था।

शर्तों पर फ्री हैंड और पैसे पर अटक गया मामला

● बीसीसीआई और गौतम गंभीर के बीच सैलरी पर नहीं बन रही बात!

● पैसों पर रजामंदी के बाद ही होगा गंभीर के नाम का ऐलान

● पिछले कोच द्रविड़ को सालाना मिलते थे 12 करोड़ रुपये

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने 17 साल बाद टी-20 वर्ल्ड कप जीता। इस ऐतिहासिक जीत के बाद भारतीय टीम में क्रांतिकारी बदलाव हुए। विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविंद्र जडेजा ने टी-20 फॉर्मेट से संन्यास ले लिया। राहुल द्रविड़ बतौर कोच अपना कार्यकाल खत्म कर गए। अब नए कोच के लिए गौतम गंभीर का नाम लगभग तय है, लेकिन फिर भी अब तक उनके नाम का ऐलान नहीं हुआ है। बाएं हाथ के पूर्व ओपनर को ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइटराइडर्स के लिए एक विदाई वीडियो शूट करते हुए भी देखा गया था। ऐसे में सवाल उठता है कि यदि चीजें इतनी स्पष्ट हैं तो बीसीसीआई आखिर उनके नाम का ऐलान क्या नहीं कर रहा? आखिर किस बात का इंतजार किया जा रहा है?

द्रविड़ से ज्यादा होगी सैलरी - मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, गौतम गंभीर और बीसीसीआई के बीच अब तक सैलरी पर बात नहीं बन पाई है। वेतन वार्ता अंतिम चरण में हैं। जैसे ही गंभीर की सैलरी तय हो जाएगी, भारतीय क्रिकेट बोर्ड उनके नाम की घोषणा कर देगा। भारतीय क्रिकेट टीम (मेंस) के मुख्य कोच की सैलरी को लेकर बीसीसीआई ने विकल्प खुले रखे हैं। इसके लिए आवेदकों को आमंत्रित करने वाले विज्ञापन में यह उल्लेख किया गया था कि पारिश्रमिक बातचीत योग्य है और अनुभव के अनुरूप होगा। गंभीर को पिछले कोच राहुल द्रविड़ की तुलना में ज्यादा वेतन मिलने की उम्मीद है। राहुल द्रविड़ को सालाना लगभग 12 करोड़ रुपये मिलते थे।

भारतीय क्रिकेट में होगा पहला असाइनमेंट - यह नेशनल लेवल पर गौतम गंभीर का पहला असाइनमेंट होगा। इससे पहले वह कभी भी किसी टीम के हेड कोच के रूप में नहीं जुड़े हैं। उनका एकमात्र कोचिंग अनुभव आईपीएल में रहा है, जहां वह पिछले साल कोलकाता नाइटराइडर्स में जाने से पहले दो सीजन के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटॉर थे और दोनों ही बार टीम प्लेऑफ तक पहुंची थी। मगर बतौर कप्तान कोलकाता नाइटराइडर्स को 2012 और 2014 का फाइनल जिताने वाले गंभीर साल 2024 में बतौर मेंटॉर जुड़े और टीम को 10 साल बाद आईपीएल चैंपियन बनाया।

जिम्बाब्वे -भारत के बीच तीसरा टी20 मैच

जुरेल की जगह सैमसन-जायसवाल को मिल सकता है मौका, यह है संभावित 11

हरारे (एजेंसी)। रविवार (7 जुलाई) को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए दूसरे टी20 मैच में 100 रन की जीत हासिल करने के बाद भारत अपने अच्छे प्रदर्शन को बरकरार रखते हुए जिम्बाब्वे को तीसरे टी20 मैच में भी मात देना चाहेगा। मैच बुधवार (10 जुलाई) को इसी मैदान पर खेला जाएगा। दूसरे टी20 मैच में भारतीय बल्लेबाजों ने कुल 234 रन बनाए और टी20 विश्व कप 2024 के तीन विजेता- यशस्वी जसीवाल, शिवम दुबे और संजू सैमसन की वापसी से बाकी तीन मैचों के लिए बल्लेबाजी इकाई को और मजबूती मिलेगी।

टी20 विश्व कप 2024 का खिताब जीतने के बाद वेस्टइंडीज से टीम इंडिया के देरी से आने के कारण तीनों पहले दो मैच नहीं खेल पाए थे। भले ही जायसवाल और सैमसन को भारत के लिए टी20 विश्व कप में कोई भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन वे जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में खेलने के लिए पसंदीदा होंगे। यह देखना दिलचस्प होगा कि उनके लिए कौन जगह बनाता है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे टी20 मैच के लिए भारत की संभावित प्लेइंग 11

यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल (कप्तान), अभिषेक शर्मा, रुतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन (विकेट कीपर), शिवम दुबे, रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, आवेश खान, मुकेश कुमार।

सिख जोक को लेकर हरभजन-कामरान अकमल आमने-सामने, हुई गर्मा-गर्म बहस

बर्मिंघम (एजेंसी)। बर्मिंघम में चल रही वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2024 इवेंट में भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह और पाक क्रिकेटर कामरान अकमल के बीच बहस होती देखी गई। अकमल ने बीते दिनों एक पाक चैनल पर टी20 विश्व कप की कमेंट्री के दौरान अर्शदीप सिंह और सिख समुदाय पर अपमानजनक टिप्पणियां की थीं। इसका हरभजन ने तीखा जवाब भी दिया था। तब मौके पर ही कामरान ने एक्स पर पोस्ट डालकर माफी मांग ली थी। लेकिन जब यह दोनों क्रिकेटर बर्मिंघम में वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के लिए इकट्ठा हुए तो गर्मा गर्म बहस करते हुए दिखे।

दरअसल, विकेटकीपर-बल्लेबाज ने पाकिस्तानी टीवी चैनल पर एक विशेषज्ञ के रूप में अपनी उपस्थिति के दौरान विवादास्पद टिप्पणी की थी। अकमल ने शो में कहा था कि कुछ भी हो सकता है...देखें आखिरी ओवर करना अर्शदीप सिंह ने है। वैसी उसकी लय नहीं है। 12 बज गए हैं (कुछ भी हो सकता है। आखिरी ओवर अर्शदीप सिंह फेंकेंगे; उन्होंने इसमें नहीं देखा है) शानदार लय। और यह पहले से ही 12) है।

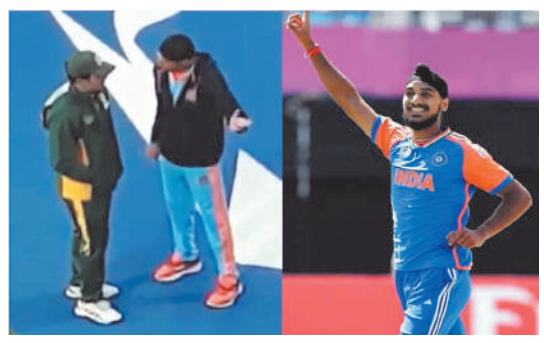

इस टिप्पणी के बाद अकमल की प्रशंसकों ने तो आलोचना की ही साथ ही साथ हरभजन ने भी तीखा हमला करते हुए लिखा- लख दी लानत तेरे कामरान अखमल.. अपना गंदा मुंह खोलने से पहले आपको सिखों का इतिहास जानना चाहिए। हम सिखों ने आपकी माताओं और बहनों को बचाया जब उन्हें आक्रमणकारियों ने अपहरण कर लिया था, समय हमेशा 12 बजे था। आप लोगों को शर्म आनी चाहिए .. थोड़ा आभार व्यक्त करें।

बहरहाल, बीती शनिवार को दोनों पूर्व क्रिकेटरों को बातचीत करते देखा गया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में हरभजन काफी एग्रेसिव दिखे थे। हालांकि दोनों में क्या बातचीत हुई, इस बाबत बता नहीं चला लेकिन प्रशंसकों ने अनुमान लगाया कि दोनों उक्त मामले पर ही बात कर रहे थे।

मुकाबले की बात करें तो पाकिस्तान चैंपियंस ने उच्च स्कोरिंग मुकाबले में भारत चैंपियंस को 68 रनों से हरा दिया। अकमल ने 40 गेंदों में नौ चौकों और चार छक्कों की मदद से 77 रनों की तूफानी पारी खेली। शारजील खान और सोहैब मकसूद ने भी अर्धशतक बनाए, जिससे पाकिस्तान ने 20 ओवरों में 243/4 रन बनाए।

पेरिस ओलंपिक

पीवी सिंधु भारत की महिला ध्वजवाहक होंगी, नारंग बने शेफ-डी-मिशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2 बार की ओलंपिक पदक विजेता और बैडमिंटन में 2019 विश्व चैंपियन पीवी सिंधु पेरिस ओलंपिक 2024 के उद्घाटन समारोह में अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी ए शरथ कमल के साथ भारत की महिला ध्वजवाहक होंगी। 26 जुलाई को गगन नारंग को भारतीय दल के शेफ-डी-मिशन के रूप में एमसी मैरी कॉम की जगह लेने के लिए चुना गया है। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि दो ओलंपिक पदक जीतने वाली भारत की एकमात्र महिला पीवी सिंधु, टेबल टेनिस खिलाड़ी ए शरथ कमल के साथ उद्घाटन समारोह में महिला ध्वजवाहक होंगी। पीवी सिंधु, जो वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 12वें स्थान पर हैं, वर्षों से भारतीय बैडमिंटन का चेहरा रही हैं। रियो 2016 ओलंपिक में स्पेन की कैरोलिना मारिन के खिलाफ रजत पदक जीतकर वह शोपीस इवेंट के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बन गईं।

सिंधु ने 2019 में फिर से इतिहास रचा क्योंकि वह 1977 में अपनी स्थापना के बाद से प्रतिष्ठित बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। उन्होंने इस आयोजन में 2 बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता झांग निंग के 5 पदक के रिकॉर्ड की भी बराबरी की। टोक्यो ओलंपिक में, उन्होंने कांस्य पदक जीता और वह दो ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली और एकमात्र महिला भारतीय एथलीट बन गईं।

डेविड वार्नर करेंगे संन्यास से वापसी !

इस बड़े टूर्नामेंट में खेलते आ सकते हैं नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। डेविड वार्नर ने कहा कि उनके खेल करियर का अध्याय खत्म हो गया है, लेकिन उन्होंने अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने के लिए एक आखिरी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेलने का दरवाजा खुला रखा है। वार्नर ने जनवरी में अपने टेस्ट क्रिकेट करियर का समापन किया, साथ ही घोषणा की कि 50 ओवर के प्रारूप में उनकी अंतिम उपस्थिति पिछले साल के वनडे विश्व कप के दौरान थी। टी20 विश्व कप से ऑस्ट्रेलिया के बाहर होने के बाद पिछले महीने उनका अंतरराष्ट्रीय कार्यकाल समाप्त हो गया।

सोशल मीडिया पोस्ट में ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज ने प्रशंसकों, अपने राष्ट्रीय साथियों और कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी में राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने की इच्छा का संकेत दिया, जो अगले फरवरी और मार्च में पाकिस्तान में आयोजित की जाएगी। उन्होंने लिखा, %अध्याय समाप्त!! इतने लंबे समय तक उच्चतम स्तर पर खेलना एक अविश्वसनीय अनुभव रहा है। ऑस्ट्रेलिया मेरी टीम थी। मेरे करियर का अधिकांश हिस्सा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रहा। ऐसा कर पाना मेरे लिए सम्मान की बात है। सभी प्रारूपों में 100+ मैच खेलना मेरा मुख्य आकर्षण है। मैं उन सभी को धन्यवाद कहना चाहता हूं जिन्होंने इसे संभव बनाया है।

उन्होंने लिखा, मेरी पत्नी और मेरी बेटियां, जिन्होंने इतना त्याग किया, आप सभी का समर्थन के लिए धन्यवाद। कोई भी व्यक्ति कभी नहीं जान पाएगा कि हमने क्या-क्या सहा है। सभी क्रिकेट प्रशंसकों के लिए, मैं वास्तव में आशा करता हूँ कि मैंने आपका मनोरंजन किया है और क्रिकेट को बदला है, खासकर टेस्ट, इस तरह से कि हम दूसरों की तुलना में थोड़ा तेज़ी से रन बनाते हैं। हम प्रशंसकों के बिना वह नहीं कर सकते जो हमें पसंद है, इसलिए धन्यवाद। मैं कुछ समय तक फ्रैंचाइजी क्रिकेट खेलना जारी रखूंगा और अगर मेरा चयन होता है तो मैं चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने को भी तैयार हूं। उन्होंने अंत में लिखा, खिलाड़ियों और कर्मचारियों को मेरा साथ देने के लिए धन्यवाद। अब और व्हाट्सएप्प जंक नहीं, अब आपके कान मेरी आवाज से मुक्त होने जा रहे हैं। इस टीम ने पिछले कुछ सालों में अविश्वसनीय सफलता हासिल की है और यह लंबे समय तक जारी रह सकती है। पैट कमिंस, एंड्रयू मैक और स्टाफ ने इसे हासिल कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया की सीमित ओवरों की टीमें सितंबर में वार्नर के संन्यास के बाद इस युग की शुरुआत करेंगी, जिसकी शुरुआत स्कॉटलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ तीन-तीन टी20 मैचों की सीरीज से होगी, उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज होगी।

संक्षिप्त समाचार

भारी बारिश के चलते यूपी में इस रूट पर ट्रेनों का संचालन बंद, परेशान हुए रेल यात्री

पीलीभीत, एजेंसी। बरेली जाने वाली रेलवे लाइन पर स्थित एक अंडरपास की दीवार ढह गई। इससे ट्रेनों का संचालन प्रभावित हो गया है। बरेली-पीलीभीत के बीच फिलहाल ट्रेनों का संचालन बंद कर दिया गया। उधर, पीलीभीत-शाहजहांपुर रूट पर भी ट्रेन को भी निरस्त कर दिया गया है। रेलवे के तकनीशियन मौके पर पहुंचकर निरीक्षण कर रहे हैं। देवहा नदी में आई बाढ़ के कारण बरेली रोड पर तो पहले से ही कई फीट पानी चल रहा है। अब बाढ़ के पानी से बरेली जाने वाली रेलवे लाइन पर जहानाबाद क्रासिंग के निकट एक अंडरपास की दीवार ढह गई। इससे रेलगाड़ियों का संचालन बंद कर दिया गया है। इसके साथ ही पीलीभीत-शाहजहांपुर रेल खंड पर भी बाढ़ का पानी आने से ट्रेन का संचालन बंद किया गया। पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर मंडल के जनसंपर्क अधिकारी राजेंद्र सिंह के अनुसार बरेली रेल खंड पर समपार संख्या 204 की एक दीवार ढह गई है। सूचना मिलने के बाद रेलवे के तकनीशियन मौके पर पहुंच गए हैं। निरीक्षण के बाद तकनीशियन की रिपोर्ट के आधार पर ट्रेनों के संचालन को लेकर निर्णय लिया जाएगा। राजेंद्र सिंह ने बताया कि पीलीभीत-शाहजहांपुर व पीलीभीत- बरेली के बीच फिलहाल ट्रेनों का संचालन बंद कर दिया गया है।

राहुल गांधी के हिंदुओं पर दिए बयान पर नाराज संत समाज, दिल्ली में आज हिंदू शक्ति संगम

नई दिल्ली, एजेंसी। सिनातन धर्म पर सड़क व मंचों के बाद अब संसद से भी हमले से चिंतित संत समाज द्वारा कांस्टीट्यूशन क्लब में आज हिंदू शक्ति संगम का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें हिंदू धर्म पर हमलों के प्रति समाज को जागरूक करने के साथ ही हिंदू समाज में आई कुरीतियों पर भी चर्चा कर कार्ययोजना बनाई जाएगी। इसमें, समाज के वाल्मीकि, रविदासी समेत अन्य तबके के संत शामिल होंगे तो बौद्ध, जैन, सिख व आर्य समाज के संत प्रतिनिधि भी अपना मार्गदर्शन देंगे। हिंदू शक्ति संगम को अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जीतेंद्रानन्द सरस्वती का मार्गदर्शन मिलेगा। इसमें, हाथरस में दुखद घटना को लेकर फर्जी बाबाओं के बढ़ते प्रभाव से समाज को बचाने की चर्चा होगी। वर्ण व्यवस्था के कारण बंटते हिंदू समाज को लेकर भी विमर्श होगा। हाल ही में कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष व लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने हिंदुओं को हिंसक और झूठा बताया था। उसके बाद राम मंदिर आंदोलन को भाजपा का आंदोलन बताकर उसे इस चुनाव में हराने जैसे बयानों को संत समाज गहरे षड्यंत्र के तौर पर देख रहा है।

अब कैदी को हथकड़ी लगा सकेगी पुलिस, एक पीसीआर कॉल पर जाते हैं तीन पुलिसकर्मी

दिल्ली, एजेंसी। पुलिस अब कैदियों को हथकड़ी लगा सकेगी और हथकड़ी में ही कोर्ट में पेश कर सकेगी। नए कानून लागू होने के बाद यह सब संभव हो सकेगा। अब किसी घटना की पीसीआर कॉल होने पर एक नहीं बल्कि तीन पुलिसकर्मी जाते हैं। ये तीनों पुलिसकर्मी पूरे माहौल को कवर करने के अलावा वीडियोग्राफी करते हैं। ऐसे में अब सबूतों के साथ न छेड़छाड़ हो सकेगी और न ही सबूतों को बदला जा सकेगा। इससे पीडितों को न्याय मिल सकेगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अब पीसीआर कॉल होने पर तीन पुलिसकर्मी मौके पर भेजे जाते हैं।

दिल्ली में आफत बनी बारिश, खुली दावों की पोल

जलभराव के कारण लगा भीषण जाम, नागरिक हुए परेशान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में कई दिनों से आसमान में बादल छाए हुए हैं। बीच-बीच में अलग-अलग इलाकों में बारिश हो रही है। वहीं मंगलवार सुबह दिल्ली समेत एनसीआर के कई इलाकों में बारिश हुई। वहीं नोएडा में भी बारिश शुरू हो गई है। वर्षा होने से लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

दिल्ली बारिश राजधानी दिल्ली में बारिश होने से जहां लोगों ने राहत की सांस ली है तो वहीं कुछ इलाकों में जलभराव की समस्या भी पैदा हो गई। वहीं, जलभराव होने से लोगों को दफ्तर जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा है।

नई दिल्ली में हुई वर्षा के कारण आइटीओ, रिंग रोड पर भारी जलभराव हो गया। इससे वाहन चालकों व अन्य लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उधर, बारिश के बाद आईटीओ और विकास मार्ग पर लंबा जाम लगा हुआ है।

वर्षा के बाद पड़पड़गंज में भारी जलभराव हुआ है। सड़कों पर जलभराव होने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

मौसमी उतार-चढ़ाव के बीच सोमवार को एक बार फिर से मौसम विभाग का पूर्वानुमान गलत साबित हुआ। येलो अलर्ट के बावजूद कहीं भी अधिक वर्षा नहीं हुई। यह बात अलग है कि

नमी भरी हवाओं ने उमस भरी गर्मी से बहुत हद तक राहत अवश्य दिलवाई।

अधिकतम तापमान में सामान्य से चार डिग्री तक की गिरावट भी देखने को मिली। मौसम विभाग की मानें तो अभी सप्ताह भर ऐसा ही मौसम बना रहेगा। धूप एवं बादलों की लुकाछिपी के बीच सोमवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से चार डिग्री कम 32.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

मंगलवार को लगातार छठे भी दिन दिल्लीवासी इस साल की सबसे साफ हवा में सांस ले रहे हैं। हल्की वर्षा व तेज हवा के असर से वातावरण में मौजूद प्रदूषक तत्व या तो बैठ गए हैं या उड़ गए हैं। हाल फिलहाल यह राहत बने ही रहने के आसार हैं।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी एयर क्वालिटी बुलेटिन के मुताबिक, आज दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स 75 है। रविवार और सोमवार को यह महज 56 दर्ज किया गया। यह लगातार छठा दिन है, जब दिल्ली का एक्यूआई 100 से नीचे रहा है।

पर्यावरणविदों का कहना है कि बेशक अभी राजधानी में अच्छी वर्षा नहीं हो रही है। लेकिन आसपास स्थित अन्य राज्यों में हो रही वर्षा का असर भी देखने को मिल रहा है। इसीलिए हवा में थोड़ी ठंडक भी है और उसकी रफ्तार भी तेज है। प्रदूषक तत्व ठहर नहीं पा रहे। इसी के चलते पांच दिनों से एक्यूआई 100 के नीचे चल रहा है। इस श्रेणी की हवा को संतोषजनक श्रेणी में रखा जाता है।

मालूम हो कि राजधानी में जनवरी से लेकर अब तक आठ दिन ऐसे हो गए हैं, जब एक्यूआई 100 के नीचे यानी संतोषजनक श्रेणी में रहा है। अगले दो तीन दिनों के बीच भी साफ-सुथरी हवा का यह स्तर बने रहने के आसार हैं। बीतें सात महीनों में इन आठ दिनों ने नया रिकॉर्ड दर्ज किया है। एनसीआर के शहरों की बात करें तो वहां भी सोमवार को साफ हवा रही। फरीदाबाद का एक्यूआई 129, गाजियाबाद का 42 ग्रेटर नोएडा का 126, गुरुग्राम का 98 जबकि नोएडा का 48 दर्ज किया गया। फरीदाबाद और ग्रेटा नोएडा की हवा मध्यम, गुरुग्राम की संतोषजनक जबकि नोएडा और गाजियाबाद की अच्छी श्रेणी में दर्ज की गई।

नोएडा में सिक्योरिटी गार्डों की दबंगई-युवक को पीट-पीटकर किया अधमरा

नोएडा, एजेंसी। नोएडा के सेक्टर 75 में फ्यूटेक गेटवे सोसायटी में एक युवक को जमकर पीटने का मामला सामने आय है। सोसायटी के गार्ड्स ने युवक को जमकर पीटा है।

नोएडा के फ्यूटेक गेटवे सोसायटी सेक्टर 75 में सिक्योरिटी गार्ड्स द्वारा लाठी डंडों से पिटाई का वीडियो वायरल हो रहा है। गार्डों ने युवक को पीट-पीट कर अधमरा कर दिया है। सोसाइटी के एक फ्लैट में दो युवक अपने दोस्त के यहां आए थे।

पार्टी करने के बाद सोसाइटी के लोगों और मेंटेनेंस के लोगों के साथ कहासुनी हो गई थी। इसके बाद गार्डों ने लाठी डंडों से पिटाई कर दी। यह वीडियो रविवार रात का बताया जा रहा है। इस मामले में कोतवाली सेक्टर 113 पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। सिक्योरिटी सुपरवाइजर को गिरफ्तार कर लिया है।

अमरनाथ यात्रियों की सुविधा के लिए 15 तारीख से चलेगी स्पेशल ट्रेन

नई दिल्ली, एजेंसी। अमरनाथ यात्रा में जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने विशेष ट्रेन चलाने की घोषणा की है। जबलपुर-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा विशेष ट्रेन (01707/01708) इस महीने की 15 तारीख से चलेगी। जबलपुर से यह विशेष ट्रेन 15 जुलाई से पांच अगस्त तक प्रत्येक सोमवार को सुबह छह बजे रवाना होकर अगले दिन दोपहर 12.15 बजे श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा पहुंचेगी। सामान्य, शयनयान और वातानुकूलित कोच वाली यह विशेष ट्रेन रास्ते में कटनी मुड़वारा, दमोह, सागर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, ग्वालियर, मुरैना, आगरा छावनी, मथुरा। फरीदाबाद, हजरत निजामुद्दीन, नई दिल्ली, शकूरबस्ती, रोहतक स्टेशन पर रूकेगी।

छात्रों का दावा- छह विषयों की आधे से अधिक आंसर-की के जवाब गलत

नईदिल्ली, एजेंसी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) अब सीयूईटी-यूजी 2024 की प्रोविजनल आंसर-की को लेकर विवादों में घिर गई है। छात्रों का दावा है कि सीयूईटी-यूजी, 2024 की रविवार को जारी प्रोविजनल आंसर-की में छह से अधिक पेपर के आधे से अधिक उत्तर गलत हैं। इसमें मनोविज्ञान, कानूनी अध्ययन, इकोनोमिक्स, इंग्लिश,बायोलॉजी पेपर के सवालों में सबसे अधिक दिक्कत है। अब छात्र परेशान हैं कि जब एक-एक पेपर के 35 से 36 सवाल ही गलत होंगे तो वे कितने प्रश्नों के उत्तर को चुनौती दें। क्योंकि एक प्रश्न को चुनौती देने के लिए उन्हें 200 रुपये देने होंगे। एनटीए ने कहा है कि सीयूईटी यूजी 2024 को लेकर कुछ छात्रों ने आपत्ति दर्ज की है। जिन छात्रों ने 30 जून तक एनटीए को अपनी आपत्ति भेजी हैं, उसकी कमेटी जांच कर रही है। कमेटी जांच में जिन छात्रों की दिक्कत सही निकलेगी, उनको 15 से 19 जुलाई के बीच दोबारा परीक्षा का मौका मिलेगा।

यह दोबारा परीक्षा कंप्यूटर आधारित होगी। छात्रों का कहना है कि दोबारा परीक्षा के लिए 30 जून की समय-सीमा निर्धारित करना बिल्कुल गलत है। क्योंकि दिक्कत तो अब सामने आ रही हैं। इसलिए दोबारा परीक्षा की मांग करने वाले सभी छात्रों को मौका मिलना चाहिए।

एक अभिभावक ने 34 प्रश्नों के 6800 रुपये जमा किए

एक अभिभावक ने एनटीए को लिखा है कि मनोविज्ञान की आंसर-की

देखने के बाद उनकी बेटी ने 34 प्रश्नों के लिए 6800 रुपये की फीस दी है। मॉस -मीडिया समेत अन्य कंप्यूटर आधारित परीक्षा के भी 35 से 36 प्रश्न गलत हैं। फिजिक्स और केमिस्ट्री में हटाए गए चैप्टर से प्रश्न पूछे गए हैं। डीपीएस अंनतनाग सेंटर के साहिल और मुस्कान उम्मीदवार ने लिखा है कि जनरल टेस्ट पेपर लेट शुरू हुआ, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उनको परीक्षा में पूरा समय तक नहीं मिला। जबकि वे दोबारा परीक्षा देने की मांग कर रहे हैं।

इस तरह की गड़बड़ी

उदाहरण के लिए, लीगल स्टडीज पेपर में एक प्रश्न पूछा गया है कि भोपाल गैस त्रासदी के मद्देनजर भारत सरकार ने संविधान के किस अनुच्छेद के तहत 1986 का पर्यावरण संरक्षण अधिनियम लागू किया था। एनसीईआरटी पुस्तकों के अनुसार, सही उत्तर अनुच्छेद 253 (प्रश्न पत्र का विकल्प 4) होगा। हालाँकि, अनंतिम उत्तर कुंजी के अनुसार सही विकल्प अनुच्छेद 38 (प्रश्न पत्र पर विकल्प 2) है।

इसी तरह, कंप्यूटर साइंस पेपर में, एआरपीएएनईटी के पूर्ण रूप का उत्तर, जो किताबों के अनुसार एडवांस्ड रिसर्च प्रोजेक्ट्स एजेंसी नेटवर्क है, को उत्तर कुंजी में स्वचालित रिसर्च प्रैक्टिकल एप्लिकेशन नेटवर्क के रूप में चिह्नित किया गया है।

सिंगापुर में नाबालिग से रेप के दोषी भारतीय मूल के शख्स को 13 साल जेल

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर की एक अदालत ने भारतीय मूल के एक शख्स को नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में दोषी ठहराते हुए सोमवार को 13 साल चार सप्ताह की जेल की सजा सुनाई है। इसके अलावा आरोपी को नौ कोड़े को पड़ेंगे। 42 वर्षीय राज कुमार बाला को पीड़िता के साथ दुष्कर्म और छेड़छाड़ के अलग-अलग आरोप लगे हैं। इसके अलावा उसे 'चिल्ड्रन एंड यंग पर्सन एक्ट' के तहत दोषियों को शरण देने के मामले में भी दोषी ठहराया गया है। आरोपी बाला भारतीय मूल का है, जिसके पास अब सिंगापुर की नागरिकता है। वह सिंगापुर में एक बार का चलाता है। समाचार चैनल 'न्यूज एशिया' की खबर के मुताबिक अदालत को बताया गया कि पीड़िता फरवरी 2020 में सिंगापुर बालिका गृह से भाग गई थी और उस समय उसकी उम्र 17 वर्ष थी। उसी की तरह भागी हुई एक दूसरी लड़की से उसे डनलप स्ट्रीट पर स्थित बाला के बार 'डॉन बार और बिस्ट्रो' में नौकरी के बारे में पता चला। अदालत को बताया गया कि पीड़िता जब नौकरी की तलाश के लिए बार पहुंची, तो बाला ने उससे कहा कि उसे ग्राहकों को शराब परोसने जैसे काम करने होंगे।

शाही महल को ही किराये पर देगा सऊदी अरब, तेल के संकट से उबरने की नई कोशिश

रियाद, एजेंसी। कच्चे तेल की सप्लाई से अर्थव्यवस्था को चलाने वाले सऊदी अरब के आगे संकट खड़ा है। दुनिया भर में जिस तरह से इलेक्ट्रिक वाहनों का विकल्प बढ़ रहा है, उससे कच्चे तेल की डिमांड में कमी आ सकती है। ऐसी स्थिति सऊदी अरब, कुवैत, कतर जैसे देशों के लिए चिंता की बात है। सऊदी अरब ने तो इसकी काट भी खोजना शुरू कर दिया है और उस पर तेजी से काम भी कर रहा है। इसके तहत उसने खेल के आयोजनों को बढ़ावा दिया है तो वहीं मनोरंजन के कार्यक्रम भी करा रहा है। यही नहीं पर्यटन को भी सऊदी अरब बढ़ावा देने पर काम कर रहा है।

अब पर्यटन को बढ़ावा देने के मकसद से सऊदी अरब अपने शासक रहे सऊद बिल अब्दुलअजीज के महल को भी किराये पर देगा। इस महल में पर्यटक रातें गुजार सकेंगे। 3 लाख 65 हजार वर्ग फुट का यह विशाल महल आधुनिक सऊदी अरब के दूसरे शासक सऊद बिन अब्दुलअजीज का घर हुआ करता था। रेड पैलेस के नाम से विख्यात इस महल को 1940 में तत्कालीन क्राउन प्रिंस के लिए तैयार किया गया था। अब इसे अल्ट्रा लग्जरी होटल के तौर पर विकसित किया जा रहा है। इस महल में ठहर कर लोगों को सऊदी अरब की शाही जिंदगी के अनुभव मिल सकेंगे। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार महल को नया रूप बुटीक ग्रुप दे रहा है, जो एक बिल्डर

कंपनी है। दशकों तक यह महल शासक का आवास होता था और फिर सरकार का इसे मुख्यालय बना दिया गया था। अब यह एक होटल के तौर पर विकसित होगा। इसके कुल 70 कमरों में पर्यटक रुकेंगे। इससे लोगों को न सिर्फ ठहरने का मौका मिलेगा बल्कि सऊदी अरब की शाही जिंदगी के भी दीदार हो सकेंगे। इसके अलावा इस होटल में सऊदी अरब के शाही परिवार के पसंदीदा व्यंजन परोसे जाएंगे। इस तरह रहने से लेकर खाने तक में लोगों को सऊदी अरब की शाही लाइफस्टाइल का अनुभव कराया जाएगा। इस महल में स्पा सेंटर भी खुलेंगे, जहां सऊदी की पारंपरिक थेरेपी मिलेंगी। बुटीक ग्रुप का कहना है कि सऊदी अरब में यह अपनी तरह का पहला प्रयोग है। हालांकि इसमें रहने की कीमत काफी ज्यादा होगी। बुटीक ग्रुप के सीईओ मार्क डी. कॉसिनिस ने कहा, यह रॉयल जिंदगी को जीने का एक अनुभव होगा। यहां आपको हर वह चीज मिलेगी। जो सऊदी अरब की शाही जिंदगी में रही है। इसके अलावा इस महल में रहकर लोगों को सऊदी अरब की इतिहास और संस्कृति को भी समझने में मदद मिलेगी।

'आलोचना के बावजूद मैं दृढ़ता से खड़ा हूं', बाइडन ने कहा- आखिरी तक चुनावी जंग लड़ूंगा

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि तमाम विरोध के बावजूद वह नवंबर में चुनाव खत्म होने तक टिके रहेंगे। वह अपनी मानसिक फिटनेस के बारे में बढ़ती चिंताओं के बावजूद चुनावी यात्रा को जारी रखेंगे। बाइडन ने अपने पत्र में कहा कि अगर मुझे लगता कि मैं डोनाल्ड ट्रंप को नहीं हरा सकता हूं तो मैं दोबारा चुनाव नहीं लड़ता। उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि मीडिया और अन्य जगहों पर तमाम अटकलों के बावजूद, मैं इस दौड़ में बने रहने, इस दौड़ को अंत तक चलाने और डोनाल्ड ट्रम्प को हराने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हूं। इसके अलावा बाइडन ने यह भी कहा, हमारे पास डेमोक्रेटिक सम्मेलन के लिए 42 दिन और आम चुनाव के लिए 119 दिन बाकी हैं। ये सभी बातें बाइडन ने अपने पुनर्निर्वाचन अभियान द्वारा वितरित पत्र में कही हैं। बाइडन ने अपने पत्र में आगामी चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को हराने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता पर बल देते हुए अपनी पार्टी के बीच एकता का आह्वान किया। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में चार महीने का ही समय बाकी है, लेकिन डेमोक्रेट पार्टी अपने उम्मीदवार को लेकर दुविधा में है। दरअसल पार्टी में जो बाइडन को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने के खिलाफ उठे स्वर थमने का नाम नहीं ले रहे हैं।

बोइंग ने फॉड के आरोप कबूले 2 क्रैश, 346 लोगों की मौत के बावजूद सेफ्टी का ध्यान नहीं रखा

4 हजार करोड़ रुपए जुर्माना लगा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की विमान कंपनी बोइंग को फ्रॉड के आरोप में दोषी पाया गया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी न्याय विभाग ने पाया कि बोइंग ने 2018-2019 में हुए 2 क्रैश के बाद कंपनी को सुधारने के लिए की गई डील का उल्लंघन किया है।

बोइंग ने इसे लेकर 243.6 मिलियन डॉलर यानी 4 हजार करोड़ रुपए का जुर्माना भरने पर सहमति जताई है। इसके अलावा कंपनी अगले 3 साल तक विमानों की सेफ्टी पर 4 हजार करोड़ रुपए खर्च करेगी।

दरअसल, 2018 और 2019 में पांच महीने के अंदर इंडोनेशिया और इथोपिया में बोइंग कंपनी के 737 मैक्स विमान क्रैश हो गए थे। इन हादसों में 346 लोगों की जानें गई थीं। इसके बाद कई तरह की जांच का सिलसिला शुरू हुआ। जांच में विमान में कई तरह की गड़बड़ी सामने आई।

कंपनी को मृतकों के परिजनों से मुलाकात करने को भी कहा गया है। बोइंग तीन साल के लिए कोर्ट की निगरानी में रहेगी। कोर्ट के मेंबर्स फ्लाइट में सुरक्षा को जांचेंगे और इसकी एक रिपोर्ट सालाना सरकार को देंगे। अगर ऐसा नहीं किया जाता है तो कंपनी पर जुर्माना लगाया जाएगा। सुबह 6 बजकर 21 मिनट पर बोइंग-737 के मैक्स 8 विमान ने इंडोनेशिया के सोएकरानो-हट्टा हवाई अड्डे से उड़ान भरी। इसे 7 बजकर 20 मिनट पर इंडोनेशिया के ही एक छोटे से शहर पंगकाल पिनांग जाना था। पर ऐसा नहीं हुआ। टेक ऑफ के कुछ मिनट बाद ही विमान के क्रू ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क

किया और वापस जकार्ता लौटने की परमिशन मांगी। इस वक्त प्लेन 5 हजार फीट की ऊंचाई पर उड़ान भर रहा था। इसके बाद प्लेन ने न तो इमरजेंसी अलर्ट जारी किया और न ही वापस लौटा। 6 बजकर 32 मिनट पर प्लेन से संपर्क टूट चुका था। प्लेन उड़ान भरने के 11 मिनट के भीतर ही तेजी से जावा समुद्र में जा गिरा। इस हादसे में 189 लोग मारे गए। हैरान कर दिया था। इसकी वजह ये थी कि बोइंग ने अपने विमान को क्रैश होने से एक साल पहले ही लॉन्च किया था। जो प्लेन क्रैश हुआ वो सिर्फ 3 महीने पुराना था। जांच में इंडोनेशिया की नेशनल ट्रांसपोर्टेशन एजेंसी सेफ्टी कमिटी ने बताया कि प्लेन क्रैश होने से कुछ दिनों पहले से विमान में हवा की रफ्तार को मापने के लिए लगी रीडिंग गलत रिकॉर्ड हो रही थी। आसमान में प्लेन से टकराने वाली हवा की रफ्तार को मापने के लिए विमान में सबसे आगे सेंसर लगे होते हैं। इससे पायलट को पता चलता है कि उसे प्लेन को किस एंगल पर रखना है। ताकि वो हवा में तेजी से आगे बढ़ता रहे और रुके नहीं। अगर प्लेन की नाक यानी उसका आगे का हिस्सा स्पीड के मुताबिक गलत एंगल पर होगा तो विमान का हवा में टिके रह पाना मुश्किल हो जाएगा। सेंसर पायलट को बताता है कि विमान का नाक गलत एंगल पर है और इसे ठीक करने के लिए विमान की पूंछ को ऊपर या नीचे कर एडजस्ट करना होगा। एयर मेंटनेंस के स्टाफ ने इस खामी की जांच कर इसे दूर कर दिया था। प्लेन को उड़ान भरने के लिए फिट घोषित कर दिया था। एविएशन एक्सपर्ट जॉन गैजिमस्की के मुताबिक जब भी कोई प्लेन नए ऑटोमेटेड सिस्टम्स के साथ लॉन्च किया जाता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129